www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 163 || लखनऊ
सोमवार
14 सितम्बर 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव

दैनिक तमसा संकेत

https://epaper.tamsasanket.com
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:51
सूर्यास्तः 06:12
अधिकतमः 32°00
न्यूनतमः 26°00

पेज 07

विशेष समाचार भगवान गणेश : मंगल, समृद्धि ... >> पेज 04 | कांशीराम आवासीय कॉलोनी ... >> पेज 06 | सलमान के बॉडीगार्ड शेरा के बेटे ...

यहां एनडीए की सरकारें, अभी सिर्फ उत्तराखंड में लागू, एमपी- गुजरात, असम में तैयारी

2029 तक 21 राज्यों में यूसीसी लागू होगा : शाह

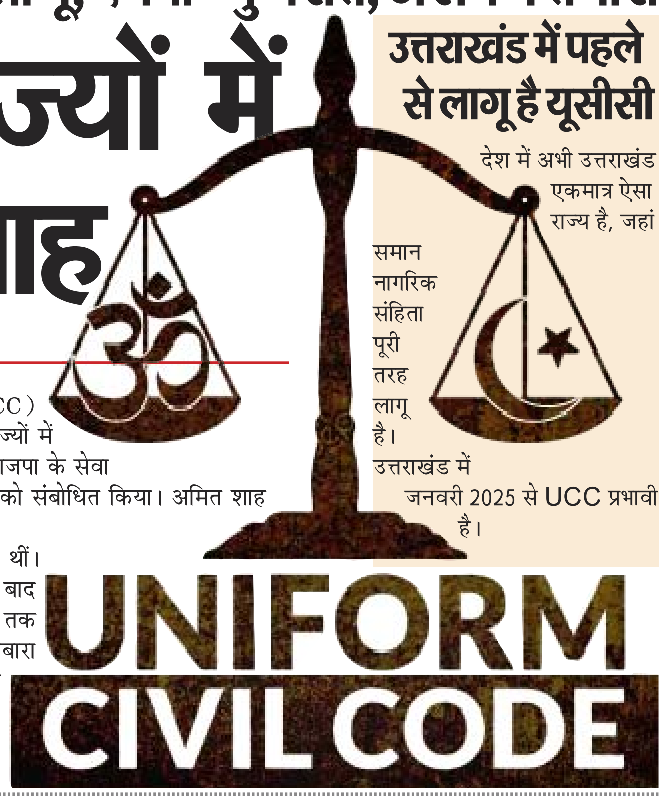

उत्तराखंड में पहले से लागू है यूसीसी

देश में अभी उत्तराखंड एकमात्र ऐसा राज्य है, जहां समान नागरिक संहिता पूरी तरह लागू है। उत्तराखंड में जनवरी 2025 से UCC प्रभावी है।

तमसा संकेत, एजेंसी

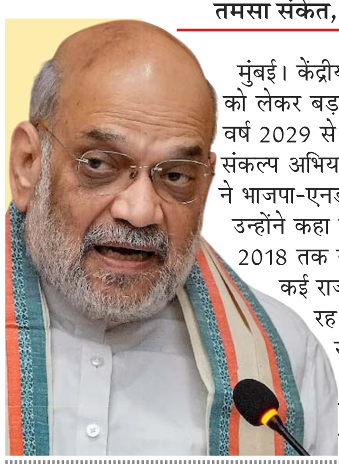

मुंबई। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को समान नागरिक संहिता (UCC) को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा और एनडीए शासित 21 राज्यों में वर्ष 2029 से पहले समान नागरिक संहिता लागू कर दी जाएगी। शाह मुंबई में भाजपा के सेवा संकल्प अभियान की लॉन्चिंग के लिए पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। अमित शाह ने भाजपा-एनडीए के राज्यों में विस्तार का भी उल्लेख किया।

उन्होंने कहा कि 2014 में भाजपा और एनडीए की सरकारें करीब सात राज्यों में थीं। 2018 तक यह संख्या बढ़कर 21 राज्यों तक पहुंच गई थी। हालांकि 2019 के बाद कई राज्यों में सत्ता गंवाने के कारण यह संख्या घटकर करीब 16-17 राज्यों तक रह गई। पिछले कुछ वर्षों में भाजपा और एनडीए ने कई राज्यों में दोबारा सत्ता हासिल की। 2024 से 2026 के बीच महाराष्ट्र, बिहार, असम और पश्चिम बंगाल समेत कई राज्यों में राजनीतिक समीकरण बदले। शाह के मुताबिक, वर्ष 2026 में भाजपा के नेतृत्व वाला एनडीए 22 राज्यों में सरकार चला रहा है।

एसबीआई का दावा- लोन और ईएमआई फिर महंगे होंगे

नई दिल्ली। आने वाले दिनों में होम लोन और कार लोन महंगा हो सकता है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने अपनी रिसर्च में दावा किया है कि रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया रेपो रेट बढ़ा सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, RBI अक्टूबर की क्रेडिट पॉलिसी में रेपो रेट 0.25% बढ़ा सकता है, इसके बाद दिसंबर में भी इतनी ही बढ़ोतरी कर सकता है। यानी 0.50% तक रेपो रेट बढ़ सकते हैं। अगस्त में हुई मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी की बैठक में RBI ने रेपो रेट को लगातार चौथी बार 5.25% पर स्थिर रखा था। हालांकि, अब अक्टूबर 5 से 7 के बीच होने वाली अगली MPC बैठक में दरें बढ़ाना लगभग तय माना जा रहा है। रेपो रेट महंगाई से लड़ने का टूल है। जब महंगाई ज्यादा होती है, तो सेंट्रल बैंक इसे बढ़ाकर इकोनॉमी में मनी फ्लो कम करने की कोशिश करता है।

बंगाल में 252 मदरसे बंद करने का आदेश

सरकार बोली- इनके पास बुनियादी सुविधाएं नहीं

जांच

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल सरकार ने राज्य के 252 मदरसों को बंद करने का आदेश दिया है। करीब 100 अन्य मदरसों को कारण बताओ नोटिस भेजा गया है। सरकार का कहना है कि जांच में इन मदरसों के पास बुनियादी सुविधाएं नहीं मिली। यह कार्रवाई अल्पसंख्यक मामलों और मदरसा शिक्षा विभाग ने की है। सरकार ने रविवार को ये भी बताया कि मानक पूरे करने वाले मदरसे चलते रहेंगे। जिन संस्थाओं को नोटिस दिए गए हैं, उनके जवाब की जांच के बाद आगे की कार्रवाई होगी। इससे पहले 2026 के बजट में बंगाल सरकार ने अल्पसंख्यक कल्याण और मदरसा विभाग के लिए फंड 5,713 करोड़ से घटाकर 2,165.42 करोड़ कर दिया था। यानी बजट में लगभग 3600 करोड़ की कटौती हुई थी। सरकार ने जून की शुरुआत से पश्चिम बंगाल के सभी जिलों में जमीनी सर्वे किया। इस सर्वे में सरकारी और निजी मदरसों की बुनियादी सुविधाएं, मंजूरी की स्थिति और प्रबंधन व्यवस्था की जांच की गई।

>> (शेष पेज 06 पर)

शाह की 7 बड़ी बातें, कहा- भारत कमजोर इकोनॉमी से बाहर निकला

1. भारत का पीएम पाकिस्तान में घुसकर जवाब देता है: पहले कौन सोच सकता था कि आतंकवादी हमले की स्थिति में भारत का प्रधानमंत्री पाकिस्तान की सीमा में घुसकर जवाब देने को तैयार होगा। चाहे सर्जिकल स्ट्राइक हो, एयर स्ट्राइक हो या ऑपरेशन सिंदूर, हमारे नेता नरेंद्र मोदी ने ऐसी रक्षा नीति बनाई है, जिससे भारत पर हमला करने के बारे में हमारे दुश्मनों को दो बार सोचना पड़ता है।

2. भारत दुनिया की टॉप-5 इकोनॉमीः केंद्र सरकार ने पिछले 12 सालों में बुनियादी बदलाव किए हैं। इसके परिणामस्वरूप भारत 2014 में 'फ्रैजाइल फाइव' (कमजोर) अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होने से निकलकर आज दुनिया की शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं में पहुंच गया है। 2014 में भारत को फ्रैजाइल फाइव में गिना जाता था, लेकिन आज वह दुनिया की टॉप 5 अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है।

3. भारत 2047 तक हर क्षेत्र में आगे रहेगा: भारत ने जीडीपी में 7.8% की वृद्धि दर्ज की है और प्रमुख देशों में सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बन गया है। पीएम मोदी ने लोगों में यह विश्वास पैदा किया है कि 15 अगस्त 2047 तक भारत हर क्षेत्र में दुनिया के सभी देशों से आगे होगा।

4. भारत निर्यात के पुराने रिकॉर्ड तोड़ रहा है: इंफ्रास्ट्रक्चर, मैन्युफैक्चरिंग और निर्यात में सरकार ने काफी काम किया है। इनमें प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (PLI) योजनाएं भी शामिल हैं। भारत का निर्यात लगातार पुराने रिकॉर्ड तोड़ रहा है।

5. दुनिया भारत के पीएम की बात सुनती है: पिछले 12 सालों में देश की वैश्विक स्थिति में काफी सुधार हुआ है। आज दुनिया का मुद्दा चाहे कोई भी हो, भारत के प्रधानमंत्री की राय को महत्व दिया जाता है। दुनियाभर में लोग भारतीय पासपोर्ट रखने वाले नागरिकों को सम्मान की नजर से देखते हैं।

6. 21 राज्यों में 2029 से पहले UCC लागू होगा: तीन तलाक को खत्म कर मुस्लिम महिलाओं को समान अधिकार दिए गए हैं। हमने कई राज्यों में समान नागरिक संहिता लागू की है। मुझे विश्वास है कि बीजेपी-एनडीए शासित 21 राज्यों में 2029 से पहले UCC लागू कर दी जाएगी। अगला लोकसभा चुनाव 2029 में होना है।

7. हर एक अवैध घुसपैठिए को बाहर निकालेंगे: मैं अपना संकल्प दोहराता हूं कि हम इस देश से हर एक अवैध घुसपैठिए को बाहर निकालेंगे। उनकी एक-एक करके पहचान की जाएगी और उन्हें देश से बाहर भेजा जाएगा।

भाजपा देशभर में एक महीने चलाएगी सेवा संकल्प अभियान

अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 25 साल की सार्वजनिक सेवा पूरी होने के अवसर पर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक देशभर में महीनेभर चलने वाला 'सेवा संकल्प अभियान' आयोजित किया जाएगा। यह अभियान हर जिले, लोकसभा और विधानसभा क्षेत्र के साथ-साथ प्रत्येक मतदान केंद्र तक पहुंचेगा। शाह ने कहा कि इस अभियान में पूरा एनडीए गठबंधन, स्वयंसेवी संगठन और देशभर के लोग भाग लेंगे। अभियान की शुरुआत 17 सितंबर को प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन पर होगी। वहीं, 6 अक्टूबर 2026 को मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री संयुक्त रूप में उनके कार्यकाल के 25 साल पूरे होंगे। हालांकि पूरे देश में अभियान चलाने के अलावा पीएम मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में भी स्पेशल आयोजन किया जाएगा।

तीन राज्यों में विधानसभा से प्रस्ताव पारित

गुजरात, असम और मध्य प्रदेश में UCC को लेकर विधानसभा से प्रस्ताव पारित हो चुका है। अब इन राज्यों में राष्ट्रपति की मंजूरी और इसके बाद अधिसूचना जारी होने का इंतजार है।

मंजूरी मिलने के बाद यहां समान नागरिक संहिता लागू करने की प्रक्रिया आगे बढ़ सकती है। महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और छत्तीसगढ़ में UCC लागू करने के लिए कानून का मसौदा तैयार करने वाली समितियों का गठन किया जा चुका है।

इन समितियों के जरिए राज्य में समान नागरिक संहिता लागू करने से जुड़े कानूनी और प्रशासनिक पहलुओं का अध्ययन किया जा रहा है।

आज घर-घर गूंजेगा 'गणपति बप्पा मोरया'

नई दिल्ली। देशभर में सोमवार को गणेश चतुर्थी का पर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाएगा। महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक, गोवा, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश समेत देश के विभिन्न राज्यों में गणपति उत्सव को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। घरों, मंदिरों और सार्वजनिक पंडालों में भगवान गणेश की प्रतिमाओं की स्थापना की जाएगी। बाजारों में गणेश प्रतिमाओं, फूल-मालाओं, पूजन सामग्री और मिठाइयों की खरीदारी को लेकर रौनक बढ़ गई है। कई स्थानों पर भव्य पंडाल तैयार किए गए हैं, जहां गणपति की स्थापना के बाद पूजा, आरती, भजन और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

फास्ट न्यूज

वनतारा से 13 महीने बाद कोल्हापुर लौटी हथिनी महादेवी

कोल्हापुर। हथिनी माधुरी, जिसे कोल्हापुर में महादेवी के नाम से जाना जाता है, करीब 13 महीने बाद गुजरात के वनतारा से महाराष्ट्र के कोल्हापुर लौट आई है। यहां नांदणी गांव स्थित जैन मठ पहुंचने पर शनिवार रात हजारों लोगों ने फूल बरसाकर उसका स्वागत किया।

गोवा में आप का गोवा फॉरवर्ड पार्टी के साथ गठबंधन

नई दिल्ली। गोवा फॉरवर्ड पार्टी और आम आदमी पार्टी ने मिलकर 'गोवा फर्स्ट' गठबंधन बनाया है। दोनों दलों ने इसे गोवा के लोगों को असली विकल्प देने की पहल बताया। AAP के संयोजक (कन्वीनर) अरविंद केजरीवाल गोवा दौरे पर हैं। इसी दौरान यह फैसला लिया गया। फरवरी 2027 में गोवा में विधानसभा चुनाव होने हैं। 2022 के चुनावों में AAP ने राज्य की 40 में से 39 सीटों पर चुनाव लड़ा था। उसे दो सीटें मिली थीं। वहीं, पार्टी को 6.7% वोट मिले थे। 2022 में गोवा फॉरवर्ड पार्टी ने कांग्रेस के साथ गठबंधन में सिर्फ 3 सीटों पर चुनाव लड़ा था।

ममता बनर्जी को बागियों का ऑफर- नंदीग्राम से उपचुनाव लड़ें

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में TMC के बागी गुट के नेता ऋतब्रत बनर्जी गुट ने कहा है कि अगर ममता बनर्जी नंदीग्राम विधानसभा उपचुनाव लड़ती हैं। तो वह अपना उम्मीदवार नहीं उतारेंगे। ऋतब्रत ने कहा कि वे ममता को विधानसभा में वापस देखना चाहते हैं और नंदीग्राम से उनका चुनाव लड़ना बेहतर होगा। ऋतब्रत ने बताया कि उनके गुट ने उपचुनाव के लिए उम्मीदवार लगभग तय कर लिया है।

राजनाथ सिंह ने खटीक समाज को चांदी का मुकुट लौटाया

आगरा में बोले- किसी गरीब बेटी को पायल बनवाकर दे देना

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को आगरा में कहा- कुछ लोग अपने राजनैतिक हित साधने के लिए लोगों को भड़काने की कोशिश करते हैं। कभी जाति के नाम पर, कभी धर्म के नाम पर। हमारे समाज में दरार पैदा करने की कोशिश करते हैं। लेकिन, हमें यह संकल्प लेना है कि हम किसी के बहकावे में नहीं आएंगे। समाज को बंटने नहीं देंगे। समाज में प्रेम हो, सहयोग हो, एक-दूसरे के सुख-दुख में साथ खड़े होने की भावना हो, इसके लिए हम सभी मिलकर प्रयास करेंगे। याद रखिए टूटने से बिखरेंगे, जुड़ने से निखरेंगे। सम्मेलन में राजनाथ सिंह को खटीक समाज ने चांदी का मुकुट पहनाया। लेकिन, उन्होंने मुकुट लौटा दिया। कहा- मैं सब कुछ स्वीकार कर लेता हूं, लेकिन चांदी का यह मुकुट आपके हवाले करता हूं। किसी गरीब मां-बाप की बेटी शादी के बाद विदा हो रही हो और उसके पैरों में चांदी की पायल न हो, तो इस मुकुट को तुड़वाकर उसके लिए पायल बनवा दीजिएगा। राजनाथ सिंह दोपहर 1:30 बजे खेरिया एयरपोर्ट पर वह विशेष विमान से पहुंचे थे।

लखनऊ में ऑर्गन ट्रांसप्लांट यूनिट का उद्घाटन किया, 350 बेड का ट्रॉमा सेंटर भी शुरू होगा

यूपी में 16.5 लाख कर्मी, 9.5-लाख हमने भरे : योगी

कार्यक्रम

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। सीएम योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में कहा है प्रदेश में इस समय करीब 16.5 लाख कर्मचारी कार्यरत हैं। इनमें से 9.5 लाख हमने भरे। हम बैठने वाले नहीं हैं, बल्कि समय से 10 कदम आगे चलकर सोचेंगे और अपनी गति को आगे बढ़ाएंगे। योगी ने लखनऊ के डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान के छठे स्थापना दिवस पर यह बात कही।

>> (शेष पेज 06 पर)

डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान के स्थापना दिवस कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रीय गीत के बाद दीप जलाकर की गई।

योगी बोले- प्रदेश में 16.5 लाख सरकारी कर्मचाही हैं, इनमें 9.5 लाख हमने भरे

मैं आज के इस संस्थान (डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान) के बारे में जरूर कहूंगा कि संस्थान अपनी आगामी यात्रा के लिए अपने आपको तैयार करे। संस्थान ने जो भी डिमांड शासन से की थी, शासन ने उस डिमांड को पूरा करने में कोई कोताही नहीं बरती। मैंने कहा कि आज हमारे पास यंग वर्कफोर्स काम कर रही है। आप सोचिए, उत्तर प्रदेश के अंदर अब लगभग 16.5 लाख सरकारी कर्मचारी हैं। इनमें से साढ़े नौ लाख कर्मचारियों की भर्ती हमने की है। इस यंग वर्कफोर्स में गति है।

कोविड काल में आईआईटी के डायग्राम का मैं केंद्र में प्रेजेंटेशन देता था : योगी

मुझे याद है कि कोविड काल के दौरान मैं आईआईटी से कहता था कि आप डायग्राम के माध्यम से मेरे सामने कोविड की स्थिति प्रस्तुत करें। उस डायग्राम से हम अंदाजा लगाते थे कि आने वाले समय में क्या स्थिति होने वाली है। तब मैं भारत सरकार के सामने प्रेजेंटेशन देता था तो उस डायग्राम का इस्तेमाल करता था। मैं बताता था कि हमारे यहां यह स्थिति है और हम इसे यहां से नियंत्रित कर सकते हैं। तब हमारे फील्ड वर्कर्स ने बहुत अच्छा काम किया था।

चर्चा : नेता प्रतिपक्ष को गुड फ्रेंड बताया, 8 सालों में तीसरी मुलाकात, हर भारत दौरे पर मिलते हैं

मलेशियाई पीएम राहुल गांधी से मिले

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली में चल रहे 18वें BRICS समिट के बीच मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने रविवार को विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी से मुलाकात की। इस दौरान कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी भी मौजूद रहीं। यह मीटिंग BRICS समिट के इतर हुई। सभी ने साथ में ब्रेकफास्ट किया। लेकिन मुलाकात कहां पर हुई, इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। कांग्रेस और PM इब्राहिम ने X पर तस्वीरें भी शेयर की हैं।इब्राहिम ने लिखा- आज सुबह ब्रेकफास्ट पर अपने अच्छे दोस्त राहुल गांधी से एक बार फिर मिलने का मौका मिला। हमने हाल के अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय घटनाक्रमों पर अपने विचार शेयर किए। अनवर इब्राहिम 12 और 13 सितंबर को दिल्ली में आयोजित दो दिवसीय BRICS समिट में शामिल होने भारत आए हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)

8 सालों में राहुल से भारत में तीसरी बार मिले इब्राहिम

मलेशिया के PM अनवर इब्राहिम पिछले 8 सालों के दौरान तीन बार भारत आए। हर बार उन्होंने राहुल गांधी से मुलाकात जरूर की।

■2019 में पहली मुलाकातः राहुल गांधी और अनवर इब्राहिम की पहली मुलाकात जनवरी 2019 में नई दिल्ली में हुई थी। उस समय अनवर मलेशिया के प्रधानमंत्री नहीं थे। वे PKR के अध्यक्ष और देश के पूर्व उपप्रधानमंत्री के तौर पर रायसीना डायलॉग में हिस्सा लेने भारत आए थे। तब राहुल कांग्रेस अध्यक्ष थे।

■2024 में PM बनने के बाद मिलेः 21 अगस्त 2024 को पीएम बनने के बाद अनवर इब्राहिम भारत आए थे। इस दौरान भी उन्होंने राहुल से मुलाकात की थी। उस समय राहुल लोकसभा में विपक्ष के नेता थे। मुलाकात के बाद अनवर इब्राहिम ने गांधी परिवार को अपना 'फैमिली फ्रेंड' बताया था।

राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर सूचना निदेशक शिशिर ने सूचना निदेशालय के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में सभी पत्रकार बंधुओं को प्रेस

ब्रिक्स सम्मेलन में मोदी की 'कूटनीति', चीन से सीमा-व्यापार तो रूस से रणनीतिक साझेदारी पर बातचीत

ईरान, यूएई समेत कई देशों के राष्ट्राध्यक्षों से मिले पीएम वैश्विक संकट

समापन

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। नई दिल्ली में आयोजित 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का रविवार (13 सितंबर 2026) को समापन हो गया. समापन सत्र को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि बिक्स समाधान का इकोसिस्टम है, जिससे पूरी दुनिया को उम्मीद है.

इसके अलावा पीएम मोदी ने कई अन्य वैश्विक नेताओं और अंतरराष्ट्रीय संगठनों (जैसे संयुक्त राष्ट्र, वर्ल्ड बैंक आदि) के प्रमुखों से भी मुलाकात की. सीमा मुद्दों को सुलझाने, ट्रेड समेत कई मुद्दों पर बात हुई।

क्रिटिकल मिनरल्स को लेकर इन देशों के साथ चर्चा

थियोपिया, मलेशिया, यूएई, वियतनाम, मिस्र और दक्षिण अफ्रीका सहित कई देशों के नेताओं के साथ क्रिटिकल मिनरल्स, डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (DPI), व्यापार और रक्षा में सहयोग पर चर्चा हुई. पीएम मोदी ने संयुक्त राष्ट्र (UN) के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस, वर्ल्ड ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन (WTO) की महानिदेशक और विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के प्रमुख के साथ बैठक की.

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान और पीएम मोदी के बीच भी द्विपक्षीय बैठक हुई. इसमें मिडिल ईस्ट संकट, चाबहार पोर्ट के जरिए ट्रेड कनेक्टिविटी, समुद्री व्यापारिक रास्तों की सुरक्षा और नाविकों की सुरक्षा जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई. यूएई के क्राउन प्रिंस के साथ पीएम मोदी की बैठक में ऊर्जा साझेदारी, मिडिल ईस्ट में स्थिरता, लोकल करेंसी में ट्रेड, द्विपक्षीय निवेश को बढ़ावा देना के मुद्दे पर बात हुई.

कहा- बिल्कुल ठीक हूं; आकाश अभी भी ससुर के दिमाग से चल रहे, मायावती बोलीं-पार्टी से निकाले गए लोग भ्रम फैला रहे

मायावती ने बीमार होने की अफवाहों को खारिज किया

बयान

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने अपनी बीमारी की खबरों को खारिज कर दिया है। उन्होंने लखनऊ में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा- मैं पूरी तरह स्वस्थ हूं। अपना काम कर रही हूं। मायावती बोलीं-पार्टी से निकाले गए लोग यह भ्रम फैला रहे हैं कि मैं बीमार हूं इसलिए बड़े मामलों पर भी सीधे X पर ट्वीट करके जानकारी दे रही हूं। इसी वजह से आज मैं आपके सामने आई हूं। उन्होंने कहा- इसका सबूत है कि पार्टी के इंचार्ज आलोक कुमार के पास शनिवार रात 10:04 बजे भतीजे आकाश आनंद का फोन आया। पूछा- बहनजी बीमार हैं क्या? उनका स्वास्थ्य कैसा है? मायावती ने कहा- आकाश की यह मानसिकता सही भी हो सकती है और गलत भी। अभी भी वह अपने दिमाग से काम नहीं कर रहे हैं, बल्कि अपने ससुर अशोक सिद्धार्थ के दिमाग से काम कर रहे हैं। आकाश अभी राजनीतिक रूप से परिपक्व नहीं हो पाए हैं, इसीलिए उन्हें पार्टी की जिम्मेदारियों से मुक्त किया गया। मायावती ने देश को तीन सेक्टरों में बांटा है। पहले सेक्टर में यूपी और उत्तराखंड हैं। इसे मायावती खुद लीड करेंगी। वहीं, 19 राज्यों को उन्होंने दो सेक्टर में बांटा है। सेक्टर-एक में 10 राज्य और सेक्टर-2 में 9 राज्य हैं। दोनों ही सेक्टरों के दो-दो प्रभारी बनाए हैं। मायावती ने कहा- दिल्ली में हुए 18वें BRICS सम्मेलन में 140 पैराग्राफ का घोषणा पत्र सभी देशों की सहमति से जारी हुआ। यह बड़ी कूटनीतिक उपलब्धि है। कई देश इस समय युद्ध, तनाव और आर्थिक संकट से गुजर रहे हैं।

रविवार को मायावती ने लखनऊ में प्रेस कॉफ्रेंस की।

मायावती 3 सितंबर को लखनऊ में सार्वजनिक तौर पर नजर आई थीं। उन्होंने बसपा नेताओं के साथ बैठक की थी। इसके बाद से वह एक्स पर ट्वीट करके फैसलों की जानकारी दे रही हैं।

तस्वीर 23 जून, 2024 की है, जब लखनऊ में बसपा की एक बैठक में आकाश आनंद ने मायावती के पैर छुए थे।

बीएसपी में बड़ा फेरबदल, 3 सेक्टरों में बांटा देश

मायावती ने पार्टी के जनाधार को बढ़ाने के लिए पार्टी में बड़े बदलाव का भी ऐलान किया। इसके तहत, बसपा में मुख्य सेक्टर प्रभारी का पद खत्म कर दिया गया। पहले इस पद पर मायावती ने आकाश के छोटे भाई ईशान को जिम्मेदारी सौंपी थी। हालांकि, बाद में ईशान को भी पार्टी में पद नहीं देने की घोषणा कर दी थी।

मायावती ने भतीजी को पार्टी सौंपने के संकेत दिए थे

मायावती ने 4 दिन पहले आकाश को पार्टी में पद वापस देने के लिए उनके ससुर और पूर्व सांसद अशोक सिद्धार्थ के राजनीति से संन्यास लेने की शर्त रखी थी। 17 घंटे बाद अशोक सिद्धार्थ ने संन्यास का ऐलान कर दिया।

इसके बाद भी मायावती ने आकाश को पार्टी में पद नहीं दिया। ट्वीट करके आकाश को पार्टी से बाहर कर दिया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि आकाश को पार्टी और मिशन से ज्यादा अपने ससुर प्रिय हैं।

शनिवार को मायावती ने X पर फिर लंबी-चौड़ी भावुक पोस्ट की।

जमानत पर छूटने वालों ने फिर हत्या की धमकी दी

सुपारी मिलने के बाद मर्डर से पहले पकड़े गए थे

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के पराग नरायन रोड की रिवेश कॉलोनी में उन आरोपियों ने फिर से हत्या की धमकी दी है, जिन्हें कुछ दिन पहले 24 घंटे के अंदर जमानत पर छोड़ दिया गया था। पिछली बार हत्या की सुपारी लेने के आरोप में पुलिस ने पकड़ा था। अब पीड़ित ने फिर बताया है कि आरोपियों के बाहर आने के बाद उसे जान से मारने की धमकी मिल रही हैं।

कॉलोनी के सैय्यद इरफान अहमद रिजवी ने बिलाल हाशमी और उसके भाई हिलाल हाशमी पर जान से मारने की धमकी देने और मदरसे पर कब्जे की कोशिश का आरोप लगाया है। यही दोनों आरोपी हैं, जिन्होंने कुछ समय पहले उसकी हत्या की सुपारी ली दी थी। उस मामले का हजरतगंज पुलिस ने खुलासा किया था। बिलाल हाशमी और उसके साथी जेल गए थे।

पीड़ित ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 12 सितंबर को वह मदरसे में बिजली का काम कराने गया था। इसी दौरान बिलाल हाशमी और हिलाल हाशमी वहां पहुंचे। उसके साथ अभद्रता और गाली-गलौज करने लगे। दोनों ने जान से मारने की धमकी देते हुए मदरसे में लगे सीसीटीवी कैमरे तोड़ दिए। कैमरों के तार भी नोचकर फेंक दिए गए। इरफान के मुताबिक, टूटे कैमरों में दो सिम कार्ड लगे थे। इनमें एक नंबर अब्दुल वली और दूसरा रियाज के नाम पर बताया गया है।

फास्ट न्यूज

नकली सोने की ईंटें देकर सर्राफ से 20 लाख ऐंठे

लखनऊ। लखनऊ के एक सर्राफा कारोबारी को हरियाणा के रोहतक निवासी एक जालसाज ने ठग लिया। वह नकली सोने की ईंटें देकर 20 लाख रुपए नकद और 33.50 लाख की ज्वेलरी लेकर भाग गया। उसने सर्राफ और उसकी पत्नी से डेढ़ साल में नजदीकियां बढ़ाकर पहले भरोसा जीता। वह कारोबारी को बहनोई, उसकी पत्नी को बहन और बच्चों को भांजा कहकर घर आने-जाने लगा था।

गैस मीटर अपडेट के नाम पर 99 हजार की ठगी

सरोजनी नगर, लखनऊ। लखनऊ के बिजनौर में साइबर जालसाजों ने एक महिला के बैंक खाते से 99 हजार रुपये निकाल लिए। जालसाजों ने गैस मीटर अपडेट कराने का झांसा दिया था। बिजनौर के औरंगाबाद जागीर में रॉयल सिटी स्थित कृष्णा पब्लिक स्कूल के पास रहने वाली रेखा भदौरिया के साथ यह ठगी हुई। 22 अगस्त की शाम उनके व्हाट्सएप नंबर पर गैस मीटर अपडेट करने का मैसेज आया था। इसके बाद एक अज्ञात नंबर से फोन आया। फोन करने वाले ने बताया कि मीटर अपडेट नहीं होने पर गैस कनेक्शन काट दिया जाएगा।

लखनऊ में वकीलों के अवैध चैंबर पर फिर होगा एक्शन

लखनऊ। लखनऊ में कैसरबाग स्थित जिला कोर्ट के आसपास अभी फिर से अतिक्रमण पर बड़ी कार्रवाई होगी। इसमें करीब 150 अतिक्रमण ध्वस्त करने की तैयारी है। इसमें वकीलों के चैंबर सबसे अधिक संख्या में हैं। हाईकोर्ट के आदेश पर 35 दिनों के अंदर पहले उन चैंबरों व अतिक्रमण पर एक्शन होगा, जिसपर नगर निगम ने पहले ही लाल रंग से क्रास के निशान लगा दिए थे।

लखनऊ में पान मसाला बनाने वाले 2 गिरफ्तार

किराये के मकान में खोला था कारखाना

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के मड़ियांव में पुलिस ने नकली पान मसाला बनाने के कारोबार का खुलासा किया है। सिकरवार चौराहे के पास किराये के मकान में राजश्री, कमला पसंद, विमल, किशोर समेत कई ब्रांड के नाम पर नकली पान मसाला तैयार किया जा रहा था। पुलिस ने मौके से 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। 39.5 किलो तैयार मिश्रित पान मसाला, 5.5 किलो खुली तंबाकू, अलग-अलग ब्रांड के रैपर-पाउच, पैकिंग मशीन और अन्य सामग्री बरामद हुई है।

इंस्पेक्टर मड़ियांव शिवानंद मिश्रा ने बताया एसआई अखिलेश कुमार कांस्टेबल रविन कुमार के साथ सीतापुर रोड पर गश्त कर रहे थे। इसी दौरान KVN FMCG प्राइवेट लिमिटेड (राजश्री और कमला पसंद पान मसाला) के प्रतिनिधि अंकित कुमार उनसे मिले। उन्होंने बताया कि सिकरवार चौराहे के पास एक मकान में दो लोग नकली पान मसाला तैयार कर रहे हैं। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और कारखाना पकड़ा गया।

पुलिस ने गेट खुलवाया तो अंदर मौजूद दोनों युवक पुलिस को देखकर भागने लगे। टीम ने घेराबंदी कर दोनों को पकड़ लिया। दोनों देहली महाराजगंज, शिवगढ़, रायबरेली के रहने वाले पवन साहू (30) और पिन्टू गुप्ता (45) हैं।

डॉक्टरों की नई पौध तैयार कर रहा यूपी

प्रदेश के युवाओं के लिए डॉक्टर बनने के अवसरों का हुआ बड़ा विस्तार

- योगी सरकार में मेडिकल शिक्षा ने पकड़ी रफ्तार
- योगी सरकार के कार्यकाल में 36 से 85 हुए मेडिकल कॉलेज,एमबीबीएस की सीटें 4,690 से बढ़कर 13,600 तक पहुंचीं
- सरकारी मेडिकल कॉलेजों का नेटवर्क तीन गुना तक पहुंचा

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। डॉक्टर बनने का सपना देख रहे उत्तर प्रदेश के युवाओं के लिए योगी सरकार ने मेडिकल शिक्षा के क्षेत्र में अवसरों का पिटारा खोल दिया है। प्रदेश में नीट यूजी-2026 की दूसरी काउंसलिंग 14 सितंबर से शुरू होने जा रही है। इसी बीच मेडिकल शिक्षा के विस्तार के आंकड़े बताते हैं कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने डॉक्टरों की नई पीढ़ी तैयार करने की दिशा में लंबी छलांग लगाई है।

वर्ष 2017 में प्रदेश में 36 मेडिकल कॉलेज थे और एमबीबीएस की 4,690 सीटें थीं। वहीं 20 अगस्त 2026 तक मेडिकल कॉलेजों की संख्या 85 और एमबीबीएस सीटें 13,600 पहुंच गई हैं। यानी आठ वर्षों में 49 नए मेडिकल कॉलेज और 8,910 अतिरिक्त एमबीबीएस सीटों का विस्तार हुआ है। यह बदलाव सिर्फ मेडिकल कॉलेजों की बढ़ती संख्या का आंकड़ा नहीं है, बल्कि प्रदेश में हर साल चिकित्सा शिक्षा हासिल करने के लिए उपलब्ध अवसरों के बड़े विस्तार की कहानी है। वर्ष 2012 में जहां प्रदेश में कुल 2,740 एमबीबीएस सीटें थीं, वहीं अब यह संख्या 13,600 हो गई है। यानी करीब पांच गुना बढ़ी सीटों की क्षमता आने वाले वर्षों में डॉक्टरों की नई पीढ़ी तैयार करने का आधार बन रही है।

सरकारी मेडिकल कॉलेजों ने बदली तस्वीर

मेडिकल शिक्षा के विस्तार में राजकीय क्षेत्र की भूमिका सबसे अहम रही है। वर्ष 2017 में प्रदेश में 15 राजकीय मेडिकल कॉलेज संचालित थे। 20 अगस्त 2026 तक इनकी संख्या बढ़कर 45 हो गई है। सरकारी मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस सीटों की संख्या भी वर्ष 2017 की 1,990 से बढ़कर 5,350 हो गई है। यानी इन वर्षों में राजकीय क्षेत्र में 3,360 सीटों का इजाफा हुआ है। इससे सरकारी मेडिकल शिक्षा के क्षेत्र में युवाओं के लिए अवसरों का दायरा पहले के मुकाबले कहीं अधिक विस्तृत हुआ है। मेडिकल शिक्षा के इस विस्तार से प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में चिकित्सा शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराने का आधार मजबूत हुआ है।

डॉक्टरों की नई पीढ़ी के लिए तैयार हो रहा आधार

उत्तर प्रदेश में मेडिकल कॉलेजों और एमबीबीएस सीटों का यह विस्तार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में चिकित्सा शिक्षा को दी जा रही प्राथमिकता को रेखांकित करता है। 2017 के मुकाबले मेडिकल कॉलेजों की संख्या में 49 और एमबीबीएस सीटों में 8,910 की बढ़ोतरी हुई है। मेडिकल शिक्षा की बढ़ती क्षमता से प्रदेश में डॉक्टर बनने के इच्छुक युवाओं के लिए अवसरों का विस्तार हुआ है। आने वाले वर्षों में यही बढ़ी हुई क्षमता उत्तर प्रदेश को डॉक्टरों की नई पीढ़ी तैयार करने वाले प्रमुख राज्यों में और मजबूत भूमिका निभाने का आधार देगी।

सपा प्रमुख बोले- पुलिस को मिली खुली छूट, विपक्ष को बदनाम करने के लिए सत्ता का दुरुपयोग

भाजपा सरकार में कानून और संविधान से नहीं मनमर्जी से चल रहा काम : अखिलेश

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने रविवार को भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में कानून और संविधान के अनुसार शासन नहीं चल रहा है, बल्कि सरकार अपनी मनमर्जी से फैसले ले रही है। पुलिस को खुली छूट दिए जाने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार सत्ता का दुरुपयोग कर रही है और विपक्ष को कमजोर करने के लिए कानूनों और सरकारी तंत्र का इस्तेमाल किया जा रहा है। मीडिया से बातचीत में अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार कानूनों का दुरुपयोग करने के साथ ही लोगों पर झूठे मुकदमे लगाकर उन्हें प्रताड़ित कर रही है। उन्होंने कहा कि गुण्डा एक्ट लगाए जाने को लेकर हाईकोर्ट की टिप्पणी बेहद गंभीर है। सरकार के कामकाज पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि जब तक भाजपा सत्ता में रहेगी, तब तक कानून के अनुसार काम होने की उम्मीद नहीं की जा सकती। उनके मुताबिक सरकार संविधान और लोकतंत्र की भावना के विपरीत काम कर रही है।

अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि विपक्ष के नेताओं को बदनाम करने के लिए सत्ता का इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विपक्ष को बदनाम करने के लिए भयंकर वीडियो बनवाए जा रहे हैं और उन्हें प्रचारित किया जा रहा है। उन्होंने हाईकोर्ट से ऐसे मामलों का स्वतः संज्ञान लेने की मांग की। अखिलेश ने कहा कि वीडियो बनवाने वाले अधिकारी पर एक महिला द्वारा लगाए गए आरोपों पर महिला आयोग को भी संज्ञान लेना चाहिए, लेकिन ऐसा नहीं किया जा रहा है।

पंचायत सहायकों से लेकर आउटसोर्स कर्मचारियों तक को धोखा देने का लगाया आरोप

अखिलेश यादव ने कहा कि सत्ता में आने पर आउटसोर्स व्यवस्था को समाप्त कर कर्मचारियों को पक्की नौकरी देने की दिशा में काम किया जाएगा। साथ ही नौकरियों में वेतन की विसंगतियां दूर की जाएंगी, ताकि कर्मचारियों को उनके काम के अनुरूप उचित वेतन मिल सके।

पंचायत सहायकों और कर्मचारियों को धोखा देने का आरोप

सपा अध्यक्ष ने पंचायत सहायकों समेत विभिन्न संगठनों और कर्मचारियों के आंदोलनों का जिक्र करते हुए कहा कि भाजपा सरकार ने धरना-प्रदर्शन करने वाले लोगों को धोखा दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने इन लोगों से काम लिया, लेकिन बाद में उन्हें अपमानित किया और उनका समय बर्बाद किया। उन्होंने कहा कि पंचायत सहायक से लेकर विभिन्न संगठनों तक बड़ी संख्या में लोग अपनी मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। अखिलेश ने आह्वान किया कि सभी लोग मिलकर भाजपा को सत्ता से हटाने का काम करें। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर ग्राम स्तर की नौकरियों से जुड़ी विसंगतियों को दूर किया जाएगा।

'आउटसोर्सिंग खत्म कर संविदाकर्मियों को करें नियमित'

लखनऊ में कौशल किशोर बोले- जनता किंगमेकर

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में पारस महा संघ की आत्मसम्मान रैली हुई। राष्ट्रीय प्रेरणा स्थल से शुरू हुई इस रैली में करीब 25 हजार लोग जुटे। पारस महा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री कौशल किशोर ने कहा कि देश को विकसित, आत्मनिर्भर, नशामुक्त और अपराधमुक्त बनाने के लिए समान शिक्षा और रोजगारपरक शिक्षा लागू करना जरूरी है। उन्होंने आउटसोर्सिंग व्यवस्था खत्म कर सीधी भर्ती और संविदा कर्मचारियों को नियमित करने की मांग उठाई।

कौशल किशोर ने कहा कि आशा बहू, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, रसोइया, रोजगार सेवक, शिक्षामित्र, शिक्षा अनुदेशक, पीआरडी जवान, होमगार्ड समेत विभिन्न विभागों में काम कर रहे संविदा कर्मचारियों का शोषण बंद होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जनता किंगमेकर है और सरकारी दफ्तरों, थानों और तहसीलों में उसकी बात सम्मानपूर्वक सुनी जानी चाहिए।

रैली में समान शिक्षा, रोजगारपरक शिक्षा, नशामुक्त समाज और अपराधमुक्त माहौल जैसे मुद्दे उठाए जा रहे हैं। बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद हैं। मंच पर मलिहाबाद विधायक जयदेवी कौशल समेत समाज के विभिन्न वर्गों के लोग मौजूद हैं।

कौशल किशोर बोले- राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमाएं लगी हैं।

आरोप : लखनऊ की महिला बोली- आईपीएल में सेलेक्शन के बाद शादी का वादा किया था

क्रिकेटर मो. शमी के भाई पर रेप का आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । 'मोहम्मद कैफ ने मुझसे शादी का वादा करके कई बार शारीरिक संबंध बनाए। शादी का भरोसा मिलने पर मैंने अपनी नौकरी तक छोड़ दी। मैं जब भी शादी की बात करती तो मुझे बुलाता और फिर से शारीरिक संबंध बनाता। अब मैं न्याय के लिए लड़ रही हूं। वह अपनी पहुंच और ओहदे से मेरी आवाज को दबा नहीं सकता।'

ये आरोप लखनऊ की एक महिला ने क्रिकेटर मोहम्मद शमी के भाई मोहम्मद कैफ पर लगाए हैं। महिला ने बताया- मैंने रिलेशन में आने से पहले स्पष्ट किया था कि तलाकशुदा हूं और एक बेटा भी है। इस पर मोहम्मद कैफ ने कहा था कि तुम्हारे अतीत और बेटे से कोई आपत्ति नहीं है। मैं तुम्हीं से शादी करूंगा। उसके कहने पर मैंने अपनी नौकरी छोड़ दी। मैं दिल्ली की एयरलाइन कंपनी में केबिन क्रू की नौकरी करती थी। यात्रा के दौरान फ्लाइट में मुलाकात होती थी। करीबी बढ़ने लगी तो मैंने उसे शादी का वादा याद दिलाया। उसके बाद वह जिस भी शहर में होता, वहां मुझे बुला लेता। कई दिनों तक संबंध बनाता। महिला ने बातचीत में कहा-मोहम्मद कैफ ने लखनऊ, दिल्ली और कोलकाता में कई महीने तक मेरे साथ शारीरिक संबंध बनाए। उसने जब मेरा फोन उठाना बंद किया तो मैंने उसके बड़े भाई मोहम्मद हसीब से बात की। उसने पहले कहा कि कैफ से बात करके बताएगा। उसके बाद वह भी धमकी देने लगा कि जहां मन हो शिकायत कर दो। कुछ नहीं कर पाओगी।

कोरोना काल में मोहम्मद शमी ने अपने भाई मोहम्मद कैफ को गेंदबाजी की बारीकियां सिखाई थीं।

2023 में हुई थी पहली मुलाकात

महिला ने बताया- 2020 में इंस्टाग्राम पर मोहम्मद कैफ से मेरा परिचय हुआ था। तब वह घरेलू क्रिकेट भी नहीं खेलता था। अगस्त 2023 में उसने मुझसे शादी करने की इच्छा जताई। मैंने तलाकशुदा होने के बारे में बताया तो उसने कहा कि बीते समय से कोई आपत्ति नहीं है। 11 सितंबर 2023 को हमारी पहली मुलाकात गाजियाबाद में हुई। उसके बाद हम मिलते रहे। दिल्ली में खेलने के दौरान कई बार मुझे होटलों में बुलाया। मैं दिल्ली में कई दिनों तक साथ रही। उसके कुछ महीने बाद मैंने शादी के लिए याद दिलाया तो उसने कोलकाता बुला लिया। वहां एक होटल में मेरे साथ संबंध बनाए।

महिला ने 31 अगस्त को लखनऊ के आशियाना थाने और 2 सितंबर को विभूतिखंड थाने में तहरीर दी थी। केस दर्ज नहीं होने पर वह 5 सितंबर को डीसीपी ईस्ट के ऑफिस पहुंचीं। वहां शिकायत देकर उन्होंने मोहम्मद कैफ के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की मांग की।

दिव्यांगजनों के लिए उत्कृष्ट कार्य करने वालों को मिलेगा सम्मान

दिव्यांगजनों के सशक्तीकरण को योगी सरकार का बड़ा प्रोत्साहन

- विश्व दिव्यांग दिवस पर 12 श्रेणियों में दिए जाएंगे राज्य स्तरीय पुरस्कार
- दिव्यांग कर्मचारियों से लेकर खिलाड़ियों और सर्वश्रेष्ठ संस्थाओं तक का होगा चयन
- 15 सितंबर तक जिलाधिकारी की संस्तुति के साथ आवेदन का मौका

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। दिव्यांगजनों के सशक्तीकरण और उनके लिए उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों एवं संस्थाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से योगी सरकार ने राज्य स्तरीय पुरस्कार-2026 की घोषणा की है। दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग, उत्तर प्रदेश की ओर से 3 दिसंबर को विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। यह पहल दिव्यांगजनों के सम्मान, आत्मनिर्भरता और सामाजिक भागीदारी को बढ़ावा देने की दिशा में योगी सरकार का सराहनीय कदम है। राज्य सरकार ने पुरस्कारों के माध्यम से दिव्यांगजनों के लिए बेहतर कार्य करने वाले लोगों और संस्थाओं को पहचान देने की व्यवस्था की है। राज्य स्तरीय पुरस्कार के लिए कुल 12 श्रेणियां निर्धारित की गई है। प्रत्येक पुरस्कार के लिए 25 हजार रुपये की धनराशि निर्धारित है। इनमें दक्ष दिव्यांग

क र्मच ार ी/ स्व नियोजित दिव्यांगजन, सर्वश्रेष्ठ नियोक्ता, सर्वश्रेष्ठ प्लेसमेंट अधिकारी या एजेंसी, सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति/संस्था, प्रेरणास्रोत एवं सृजनशील दिव्यांग बालक/बालिका, दिव्यांग खिलाड़ी, दिव्यांगजनों के लिए बाधारहित वातावरण के सृजन में उत्कृष्ट कार्य करने वाले तथा दिव्यांगजनों को पुनर्वास सेवाएं प्रदान करने वाले सर्वश्रेष्ठ जिला सहित अन्य श्रेणियां शामिल हैं।

पुरस्कार के लिए इच्छुक व्यक्ति एवं संस्थाएं जिलाधिकारी की संस्तुति के साथ 15 सितंबर तक दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के निदेशालय लखनऊ में आवेदन कर सकते हैं।

भारी वाहनों के लिए दोपहर 12 बजे से डायवर्जन लागू, वैकल्पिक मार्ग से लखनऊ से कानपुर जाना होगा

जाजमऊ गंगा पुल 90 दिन के लिए बंद

व्यवस्था

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। जमऊ पुराने गंगापुल को मरम्मत और स्पैन के बेयरिंग बदलने के लिए NHAI ने 3 महीने के लिए बंद कर दिया है। आज यानी रविवार दोपहर 12 बजे से डायवर्जन लागू कर दिया गया है। अब रोडवेज बस सहित भारी वाहनों को एंट्री नहीं मिलेगी। डायवर्जन की व्यवस्था 13 दिसंबर 2026 तक लागू रहेगी। उन्नाव के तीन प्रमुख चौराहों से डायवर्जन लागू कर दिया गया। लखनऊ, उन्नाव और रायबरेली की ओर से कानपुर आने वाली 600 से अधिक रोडवेज बसों का रास्ता बदल जाएगा। वैकल्पिक रूप से वाहन उन्नाव के बक्सर मोड़ से कानपुर और आगे औरैया-इटावा की ओर जा सकेंगे। उन्नाव से बांदा-महोबा जाने

वाले वाहन परिवहन विभाग के रीजनल मैनेजर महेश कुमार ने बताया- अभी किराया नहीं बढ़ेगा। कुछ दिन वैकल्पिक रूट से बसों के आवागमन के बाद किराया बढ़ाने पर विचार किया जा सकता है। आइए अब पढ़ते हैं जाजमऊ गंगा पुल के हालात के बारे में जाजमऊ गंगा पुल पर बड़े गड्ढों के कारण वाहनों को एक-दूसरे से बचकर निकलना पड़ रहा है। कई जगह वाहन चालक अचानक लेन बदलते दिखाई दिए। इससे टक्कर का खतरा बना रहा। भारी वाहनों की आवाजाही के कारण स्थिति और बिगड़ गई है।

66 एनएचएआई के डायरेक्टर पंकज यादव ने बताया- पुराने गंगापुल की मरम्मत के लिए उन्नाव प्रशासन के साथ मिलकर गगनखेड़ा, आजाद मार्ग और त्रिभुवन खेड़ा चौराहों पर बैरिकेडिंग का काम शुरू कर दिया गया है। हाईवे पर भारी यातायात होने के कारण डायवर्जन लागू करने में अतिरिक्त समय लग रहा है। तीन दिनों तक बड़े वाहनों पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा, जबकि छोटे वाहनों को आवागमन की अनुमति होगी।

60 किलोमीटर बढ़ जाएगी रोडवेज बस की दूरी

पुराने जाजमऊ गंगा पुल की मरम्मत के कारण भारी वाहनों पर रोक लगने से रोडवेज बस से कानपुर की दूरी में 60 किलोमीटर की बढ़ोतरी हो जाएगी। अब बसों को कानपुर पहुंचने में 80 किलोमीटर का अतिरिक्त सफर तय करना होगा। उन्नाव से कानपुर जाने वाली बसों को बिहार बक्सर मार्ग से चौडगरा होकर जाना पड़ेगा। यह दूरी तय करने में करीब डेढ़ घंटे का अतिरिक्त समय लगेगा। उन्नाव से बांदा और महोबा की ओर जाने वाला भारी वाहन यातायात NH-31 से लालगंज और फतेहपुर होते हुए बांदा-महोबा की ओर जाएगा।

हमीरपुर, झांसी और उरई जाने का रूट

उन्नाव से हमीरपुर, झांसी और उरई की ओर जाने वाले भारी वाहन NH-31 से उन्नाव के बक्सर मोड़ पहुंचेंगे। यहां से NH-19 (चौड़गरा) का प्रयोग करते हुए SH-46 के रास्ते घाटमपुर जाएंगे। इसके बाद NH-34 से हमीरपुर, झांसी और उरई की ओर जा सकेंगे। उन्नाव से कानपुर की ओर आने वाले भारी वाहनों को NH-31 से उन्नाव के बक्सर मोड़ का रास्ता अपनाना होगा। यहां से वाहन कानपुर की ओर जा सकेंगे।

दबाव बढ़ा तो एनएचएआई बदलेगा प्लान

पुराना गंगापुल पर भारी वाहनों की आवाजाही रोकने के बाद वैकल्पिक मार्गों पर यातायात का दबाव बढ़ने की संभावना है। एनएचएआई भी इस स्थिति पर नजर बनाए हुए है। यदि डायवर्जन के दौरान भारी वाहनों का दबाव बढ़ता है और जाम की स्थिति बनती है, तो दूसरा प्लान अपनाने का विकल्प तलाशा जा रहा है।

लखनऊ में पान मसाला बनाने वाले 2 गिरफ्तार

39.5 किलो गुटखा और पैकिंग मशीन बरामद

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के मड़ियांव में पुलिस ने नकली पान मसाला बनाने के कारोबार का खुलासा किया है। सिकरवार चौराहे के पास किराये के मकान में राजश्री, कमला पसंद, विमल, किशोर समेत कई ब्रांड के नाम पर नकली पान मसाला तैयार किया जा रहा था। पुलिस ने मौके से 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

39.5 किलो तैयार मिश्रित पान मसाला, 5.5 किलो खुली तंबाकू, अलग-अलग ब्रांड के रैपर-पाउच, पैकिंग मशीन और अन्य सामग्री बरामद हुई है। इंस्पेक्टर मड़ियांव शिवानंद मिश्रा ने बताया एसआई अखिलेश कुमार कांस्टेबल रविन कुमार के साथ सीतापुर रोड पर गश्त कर रहे थे। इसी दौरान KVN FMCG प्राइवेट लिमिटेड (राजश्री और कमला पसंद पान

मसाला) के प्रतिनिधि अंकित कुमार उनसे मिले। उन्होंने बताया कि सिकरवार चौराहे के पास एक मकान में दो लोग नकली पान मसाला तैयार कर रहे हैं। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और कारखाना पकड़ा गया। पुलिस ने गेट खुलवाया तो अंदर मौजूद दोनों युवक पुलिस को देखकर भागने लगे।

टीम ने घेराबंदी कर दोनों को पकड़ लिया। दोनों देहली महारा-जगंज, शिवगढ़, रायबरेली के रहने वाले पवन साहू (30) और पिन्टू गुप्ता (45) हैं।

फास्ट न्यूज

भैंस को गंगा से निकालने उतरा किसान डूबा

उन्नाव। उन्नाव में फतेहपुर चौरासी थाना क्षेत्र के नेकपुर फुलवाई गांव में शनिवार को गंगा नदी में डूबने से किसान सुमित राठौर (35) की मौत हो गई। वह भैंस चराने के दौरान उसे गंगा से निकालने के लिए पानी में उतरे थे। इसी दौरान भैंस की पूंछ उनके हाथ से छूट गई और वह गहरे पानी में चले गए। सुमित को तैरना नहीं आता था, जिससे वह नदी में डूब गए। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार और आसपास के लोगों ने गंगा में उनकी तलाश शुरू की।

मेडिकल स्टोर पर इंजेक्शन लगने के बाद अधेड़ की मौत

उन्नाव। उन्नाव के अजगैन थाना क्षेत्र में एक मेडिकल स्टोर पर इंजेक्शन लगने के कुछ देर बाद एक अधेड़ व्यक्ति की मौत हो गई। परिजनों ने मेडिकल स्टोर संचालक पर गलत इंजेक्शन लगाने का आरोप लगाया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है और मामले की जांच कर रही है। सरेसा गांव के रहने वाले कृष्णपाल सिंह उर्फ गोपाल सिंह (52) को रविवार सुबह करीब 10 बजे बुखार महसूस हुआ। परिजन उन्हें मर्दनखेड़ा के नंदा मेडिकल स्टोर पर ले गए। परिजनों के मुताबिक, मेडिकल स्टोर पर मौजूद एक शख्स ने कृष्णपाल को इंजेक्शन लगाया।

सड़क किनारे खड़ी आई20 कार में मिला अधेड़ का शव

बाराबंकी। बाराबंकी के लोनी कटरा थाना क्षेत्र में रविवार को शारदा सहायक नहर के पास सड़क किनारे खड़ी हुंडई आई-20 कार में करीब 45 साल के व्यक्ति का शव मिलने से हड़कंप मच गया। कार शनिवार शाम से एक ही जगह खड़ी थी। काफी देर तक कार नहीं हटी तो आसपास के लोगों को शक हुआ। लोगों ने पास जाकर देखा तो कार के अंदर व्यक्ति का शव पड़ा था। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

उन्नाव एसएसपी ने अपराधियों पर शिकंजा कसने के दिए निर्देश

गणेश उत्सव की सुरक्षा, महिला अपराधों पर कार्रवाई प्राथमिकता

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) जय प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में रविवार दोपहर पुलिस लाइन सभागार में मासिक अपराध गोष्ठी हुई। करीब दो घंटे चली बैठक में जिले की अपराध स्थिति, लंबित मुकदमों, वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी, जनशिकायतों और आगामी गणेश चतुर्थी की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की गई। एसएसपी ने अधिकारियों और थाना प्रभारियों को अपराध नियंत्रण के साथ आम लोगों की शिकायतों का जल्द निस्तारण करने को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। बैठक में दर्ज मुकदमों की समीक्षा करते हुए गंभीर और लंबित मामलों को गुण-दोष के आधार पर जल्द निपटाने के

लिए कहा गया। वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान चलाने और शातिर व आदतन अपराधियों को चिह्नित कर उनके खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। एसएसपी ने हिस्ट्रीशीट खोलने, गुंडा एक्ट के तहत जिलाबदर करने और माफिया के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट व एनएसए के तहत कार्रवाई पर भी जोर दिया। महिला संबंधी अपराधों में संवेदनशीलता के साथ प्रभावी कार्रवाई करने को कहा गया। पॉक्सो, दुष्कर्म और अन्य गंभीर मामलों में मजबूत पैरवी कर आरोपियों को अधिकतम सजा दिलाने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा अवैध शराब, अवैध हथियार, जुआ और नशीले पदार्थों के खिलाफ लगातार अभियान चलाने को कहा गया। चोरी और नकबजनी की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए थाना स्तर पर कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश भी दिए गए। आगामी गणेश चतुर्थी को देखते हुए एसएसपी ने प्रतिमा स्थापना और विसर्जन स्थलों की सुरक्षा व्यवस्था समय से पूरी करने के निर्देश दिए। पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती, भीड़ नियंत्रण, यातायात व्यवस्था, बैरिकेडिंग और संवेदनशील स्थानों पर निगरानी रखने को कहा गया।

कार-बाइक की आमने-सामने टक्कर

मौत

टक्कर के बाद दोनों वाहनों में लगी आग मौके पर ही गई जान

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। सफीपुर क्षेत्र में रविवार दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। सफीपुर-मियागंज मार्ग पर गंगा एक्सप्रेसवे के अंडरपास के पास कार और बाइक की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि हादसे के तुरंत बाद दोनों वाहनों में आग लग गई। देखते ही देखते कार और बाइक आग की चपेट में आकर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई और आसपास के लोग बड़ी संख्या में मौके पर पहुंच गए। हादसा रविवार दोपहर करीब 12:45 बजे हुआ। बताया जा रहा है कि सफीपुर-मियागंज मार्ग पर गंगा एक्सप्रेसवे के अंडरपास के पास कार और बाइक आमने-सामने आ गईं। दोनों वाहनों के बीच जोरदार

भिड़ंत हुई। टक्कर के बाद बाइक सवार सड़क पर जा गिरा और गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा इतना गंभीर था कि उसकी मौके पर ही मौत हो गई। कुछ ही देर बाद दोनों वाहनों में आग लग गई। सड़क पर आग की लपटें उठती देख वहां मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। घटना के बाद आसपास के ग्रामीण और राहगीर मौके पर पहुंच गए। लोगों ने तत्काल पुलिस को हादसे की सूचना दी। कुछ समय के लिए घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। आग लगने के कारण दोनों वाहन सड़क पर ही बुरी तरह जल गए। हादसे के चलते मौके पर कुछ देर तक आवागमन भी प्रभावित रहा। पुलिस के पहुंचने के बाद स्थिति को नियंत्रित किया गया। पुलिस ने मृतक की पहचान बेहटा मुजावर थाना क्षेत्र के काटा गुलजारपुर मवाई घनश्याम गांव निवासी प्रदीप (40) पुत्र नन्हे के रूप में की है। हादसे की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने मृतक के परिजनों को घटना की सूचना दी। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल रहा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कार और बाइक के बीच टक्कर काफी तेज थी। भिड़ंत के बाद दोनों वाहनों में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने दोनों वाहनों को अपनी चपेट में ले लिया। सड़क पर वाहनों के जलने से कुछ देर तक अफरा-तफरी की स्थिति बनी रही। स्थानीय लोगों ने दूर हटकर पुलिस को सूचना दी। आग के कारण कार और बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। सूचना मिलते ही सफीपुर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई पूरी की और मॉर्चरी भेज दिया। दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को भी पुलिस ने कब्जे में ले लिया है। पुलिस हादसे के कारणों का पता लगाने के लिए दुर्घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

अधिकारियों ने सुरक्षा व्यवस्था और रूट प्लान का जायजा लिया, दिए निर्देश

गगनीखेड़ा झील में गणेश विसर्जन प्रतिमाओं का विसर्जन होगा

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में गणेश महोत्सव शुरू होने से पहले रविवार को पुलिस-प्रशासन के अधिकारियों ने गगनीखेड़ा झील का निरीक्षण किया। यह निरीक्षण प्रतिमा विसर्जन स्थल और रूट व्यवस्था को देखने के लिए किया गया। बाढ़ के कारण झील में पानी का स्तर बढ़ा हुआ है, इसलिए सुरक्षा पर खास ध्यान देने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने गहरे पानी में लोगों को जाने से रोकने के लिए बैरिकेडिंग और सुरक्षाकर्मी तैनात करने को कहा। एएसपी अखिलेश सिंह, एसडीएम सदर राजेश विश्वकर्मा, सीओ सिटी विनी यादव, इंस्पेक्टर अजय कुमार सिंह और लेखपाल वाईपी दीक्षित गगनीखेड़ा झील पहुंचे। उन्होंने मौके पर पहुंचकर प्रतिमा विसर्जन

के लिए की गई तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने जुड़े कर्मचारियों को विसर्जन स्थल पर सभी जरूरी व्यवस्थाएं समय पर पूरी करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने झील परिसर में साफ-सफाई, अच्छी रोशनी और पानी की उपलब्धता पक्का करने को कहा। बाढ़ के चलते झील के आसपास कई जगहों पर सड़क के ऊपर से भी पानी बह रहा है। ऐसे में प्रतिमा विसर्जन के दौरान श्रद्धालुओं की आवाजाही और सुरक्षा को ले कर खास सावधानी बरतने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने कहा कि श्रद्धालुओं को गहरे पानी की ओर जाने से रोका जाए। इसके लिए विसर्जन स्थल के आसपास मजबूत बैरिकेडिंग कर सुरक्षित जगह तय की जाए। साथ ही पुलिसकर्मियों की तैनाती कर भीड़ को कंट्रोल करने और किसी भी व्यक्ति को बैरिकेड पार कर पानी में जाने से रोकने के निर्देश दिए गए। प्रशासन ने प्रतिमा विसर्जन के दौरान भीड़ का दबाव कम रखने के लिए एक समय में सिर्फ एक ही प्रतिमा का विसर्जन

कराने की व्यवस्था करने को कहा। अधिकारियों ने बताया कि एक साथ कई प्रतिमाएं पहुंचने से भीड़ बढ़ सकती है, जिस से हादसे की आशंका रहती है। इसलिए क्रमवार तरीके से प्रतिमाओं का विसर्जन कराया जाए। रूट व्यवस्था का भी अधिकारियों ने निरीक्षण किया। विसर्जन के दौरान गाड़ियों और श्रद्धालुओं की आवाजाही ठीक रखने के लिए जरूरी इंतजाम करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने कहा कि बाढ़ की स्थिति को देखते हुए विसर्जन स्थल पर और ज्यादा सावधानी बरती जाए।

रंजिश के चलते युवक की कार पर ताबड़तोड़ फायरिंग

हरदोई में बाल-बाल बची जान, 5 नामजद समेत 10 पर हत्या के प्रयास की एफआईआर

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई के टड़ियावां थाना क्षेत्र में रंजिश के चलते एक युवक की कार को घेरकर ताबड़तोड़ फायरिंग करने का मामला सामने आया है। सोमवार दोपहर हरदोई जा रहे आदिल की कार पर बदमाशों ने कई राउंड फायर किए। आदिल ने किसी तरह मौके से कार भगाकर अपनी जान बचाई और भंडायल पुलिस चौकी पहुंचकर शरण ली। घटना हेतमपुरवा और इटौली तिराहे के बीच की बताई जा रही है। मुजफ्फरपुर मजरा अलीशाबाद निवासी आदिल पुत्र हनीफ के मुताबिक, वह सोमवार दोपहर करीब एक बजे कार से हरदोई जा रहे थे। इसी दौरान पहले से घात लगाए बैठे बदमाशों ने उनकी कार को घेर लिया और तमंचों से फायरिंग

शुरू कर दी। फायरिंग के बाद मोटरसाइकिल सवार हमलावरों ने आदिल की कार का काफी दूर तक पीछा भी किया। किसी तरह वह बदमाशों से बचकर भंडायल पुलिस चौकी पहुंचे। मामले में पुलिस ने शनिवार रात 9:37 बजे 5 नामजद समेत 10 आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास समेत अन्य धाराओं में FIR दर्ज की है। आदिल का आरोप है कि हेतमपुरवा और इटौली तिराहे के बीच पहुंचते ही बदमाशों ने उनकी कार को चारों तरफ से घेर लिया। इसके बाद अवैध तमंचों से कई राउंड फायर किए गए। अचानक हुई फायरिंग से वह घबरा गए और कार को तेजी से भगाकर मौके से निकलने में कामयाब रहे। आरोप है कि हमलावरों ने इसके बाद भी पीछा नहीं छोड़ा। मोटरसा-इकिल से बदमाश काफी दूर तक कार का पीछा करते रहे। जान बचाने के लिए आदिल सीधे भंडायल पुलिस चौकी पहुंचे। पीड़ित आदिल ने पुलिस को बताया कि हमलावरों में शामिल कुछ लोग पहले भी लूट, चोरी, डकैती और मारपीट के मामलों में जेल जा चुके हैं। उसने यह भी दावा किया कि आरोपियों के खिलाफ कोतवाली देहात में पहले से जानलेवा हमले की FIR दर्ज है।

सांसद चंद्रशेखर- पूर्व गर्लफ्रेंड रोहिणी के समर्थक भिड़े

विनोद साहनी के परिवार से मिलने जा रहे थे

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी में सांसद चंद्रशेखर और उनकी पूर्व गर्लफ्रेंड रोहिणी घावरी के समर्थक भिड़ गए। हुआ यूं कि चंद्रशेखर लखनऊ से 1 हजार कार्यकर्ताओं के साथ गोंडा में कारोबारी विनोद साहनी हत्याकांड के पीड़ित परिवार से मिलने जा रहे थे। इसका पता चलते ही पुलिस अलर्ट हो गई। रामनगर में 100 से ज्यादा पुलिसकर्मियों ने बैरिकेडिंग कर चंद्रशेखर को आगे बढ़ने से रोक दिया। इससे वह और उनके कार्यकर्ता भड़क गए। पुलिस से उनकी धक्कामुक्की भी हुई। गुस्से में चंद्रशेखर ने कहा- झे बाराबंकी में क्यों रोका जा रहा है? पुलिस की मौजूदगी में कुछ लोगों ने हमारी गाड़ियों और कार्यकर्ताओं पर पत्थर-

रोहिणी-चंद्रशेखर के समर्थक भिड़े

जूते फेंके। इससे लगता है कि प्रदेश में दलितों-पिछड़ों को न जीते जी न्याय मिलेगा, न मरने के बाद। इसी बीच चंद्रशेखर की पूर्व गर्लफ्रेंड रोहिणी घावरी के सैकड़ों समर्थक पहुंच गए। उन्होंने 'चंद्रशेखर रावण मुर्दाबाद' और 'रोहिणी घावरी को इंसाफ दो' के नारे लगाए। उन्होंने कहा- पहले यहां इंसाफ दें, फिर वहां जाएंगे। इसके बाद चंद्रशेखर और रोहिणी के समर्थकों में बहस होने लगी। देखते ही देखते धक्का-मुक्की शुरू हो गई। दोनों पक्षों को संभालने में पुलिस के पसीने छूट गए। पुलिस ने रोहिणी के समर्थकों को किसी तरह हटाया। चंद्रशेखर को पुलिस निरीक्षण भवन के पास ले आई। वहां सांसद सड़क के बीच बैठ गए। 20-25 मिनट बाद वह कार्यकर्ताओं के साथ लखनऊ लौट गए। इधर, पुलिस रोहिणी और चंद्रशेखर के कार्यकर्ताओं को संभालने में लगी थी। इसी दौरान विधायक पल्लवी पटेल पुलिस को चकमा देकर वहां से निकल गईं। पीड़ित परिवार से मुलाकात की। उन्होंने कहा- आरोपियों को बिना किसी दबाव के गिरफ्तार कर जेल भेजा जाए। आरोपियों पर NSA लगाया जाए।

घटना : मकान मालिक पर बिना शटडाउन काम कराने का आरोप, शव रखकर किया प्रदर्शन

हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से राजमिस्त्री की मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई में रविवार दोपहर 1 बजे मकान में काम कर रहे राजमिस्त्री बालगोविंद हाईटेंशन लाइन की चपेट में आ गए। करंट लगने से उनकी मौत हो गई। परिजनों ने मकान मालिक पर बिना शटडाउन लिए काम कराने का आरोप लगाया। इसके बाद शव रखकर प्रदर्शन किया गया। मामला अतरौली थाना क्षेत्र के मोहनखेड़ा गांव का है। बालगोविंद अतरौली थाना क्षेत्र के कीर्तियाखेड़ा मजरा छतिहा रामपुर के रहने वाले थे। वह राजमिस्त्री का काम करते थे। मोहनखेड़ा निवासी प्रेमचंद गांव के पास हाईटेंशन लाइन के नीचे मकान

बनवा रहे थे। शनिवार को बालगोविंद मकान में छज्जे की डिजाइन काट रहे थे। इसी दौरान फंटा ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन से छू गया। करंट लगने से बालगोविंद नाली में गिर गए। मृतक के बेटे मोहित ने मकान मालिक प्रेमचंद पर आरोप लगाया कि उन्होंने बिजली का शटडाउन लेने की बात कही थी। इसी भरोसे पर उनके पिता से काम कराया गया। मोहित का आरोप है।

परिजनों के मुताबिक, हादसे के बाद बालगोविंद करीब 40 मिनट तक नाली में पड़े रहे। इसके बाद ग्रामीणों की सूचना पर परिवार के लोग मौके पर पहुंचे।

अस्पताल में डॉक्टरों ने मृत घोषित किया

परिजन बालगोविंद को लखनऊ जिले के सीएचसी माल लेकर पहुंचे। यहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके बाद परिजन शव लेकर मोहनखेड़ा तिराहे पर पहुंच गए। उन्होंने हंगामा शुरू कर दिया। सूचना पर अतरौली इंस्पेक्टर शिवाकांत पाण्डेय पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने स्थिति संभाली। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इंस्पेक्टर ने परिजनों को कानूनी कार्रवाई का भरोसा दिया। इसके बाद परिजन शांत हुए।

बिजली विभाग बोला- शटडाउन के लिए कॉल नहीं आई

मौके पर पहुंचे नायब तहसीलदार संतोष कुमार ने कहा कि नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। सरवा पावर हाउस के कर्मचारी अवध मिश्रा ने बताया कि शटडाउन लेने के लिए कोई कॉल नहीं आई थी। उनके अनुसार, शटडाउन लिए बिना ही काम किया जा रहा था। पुलिस मामले की जांच कर रही है। हादसे के लिए जिम्मेदार लोगों की भूमिका की जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सम्पादकीय

सहयोग का घोषणापत्र

ब्रिक्स के नई दिल्ली घोषणापत्र पर सहमति बनना इसलिए एक उपलब्धि और भारत का कूटनीतिक कद बढ़ाने वाली है, क्योंकि यह माना जा रहा था कि सदस्य देशों और विशेष रूप से ईरान और सऊदी अरब एवं यूएई में मतभेदों के कारण ऐसा होना कठिन है। इसके बाद भी भारत सभी देशों को साथ लाने में सफल रहा। इसके पहले भारत अपनी अध्यक्षता वाले जी-20 शिखर सम्मेलन में भी सभी देशों के बीच सहमति बनाने में सफल रहा था, जबकि यूक्रेन युद्ध के कारण अमेरिका और यूरोप के देश रूस के विरुद्ध तीखे तेवर अपनाए हुए थे।

यह सही है कि साझा घोषणापत्र में पश्चिम एशिया संकट को लेकर जो कुछ कहा गया, उसमें किसी देश का नाम नहीं लिया गया, लेकिन यह सामान्य बात नहीं कि अमेरिकी हमलों के जवाब में जो ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात पर मिसाइलें दागता रहता है, वह भी साझा बयान जारी करने के लिए सहमत हुआ। इतना ही नहीं, ब्रिक्स सम्मेलन के चलते ईरान और यूएई के प्रतिनिधियों ने आपस में बात भी की।

कुल मिलाकर भारत ने यह दिखाया कि उसमें एक दूसरे के खिलाफ खड़े देशों के बीच भी सहमति बनाने का कूटनीतिक कौशल है। अपने इस कूटनीतिक कौशल के कारण ही भारत क्वाड का सदस्य है तो ब्रिक्स और एससीओ का भी। यह स्थिति भारत को विशिष्ट बनाती है और विश्व का ध्यान उसकी ओर खींचती है।ब्रिक्स सम्मेलन में बनी सहमति इसका परिचायक है कि भारत सदस्य देशों के बीच यह भाव जगाने में सफल रहा कि विफल होते संयुक्त राष्ट्र के कारण यदि इस संगठन को सशक्त बनाना है तो उन्हें मतभेदों को किनारे कर आपसी सहयोग पर जोर देते हुए एकजुट होना होगा।

अच्छा होगा कि इस संगठन के सदस्य और सहयोगी देश यह समझें कि आपसी सहमति केवल कागज तक ही सीमित नहीं रहनी चाहिए। नई दिल्ली घोषणापत्र पर केवल ईरान, सऊदी अरब और यूएई को ही ध्यान नहीं देना होगा, बल्कि चीन को भी ऐसा ही करना होगा, क्योंकि इसमें पहलगाम हमले का उल्लेख करते हुए आतंकवाद पर दोहरा मानदंड अपनाने की प्रवृत्ति को रेखांकित किया गया है। यह किसी से छिपा नहीं कि चीन इस प्रवृत्ति का प्रदर्शन करता रहा है।

घोषणापत्र की इन बातों पर चीन के साथ रूस को भी गौर करना होगा कि हर देश की संप्रभुता का सम्मान किया जाना चाहिए। यदि ब्रिक्स देश अपने घोषणापत्र के प्रति सच्ची प्रतिबद्धता नहीं दिखाते तो फिर अन्य देशों और संगठनों से यह अपेक्षा नहीं कर सकते कि वे अंतरराष्ट्रीय नियमों का पालन करें। वास्तव में ब्रिक्स को यह आत्मसात करने की सख्त जरूरत है कि घोषणापत्र पर सहमति बनाने से कहीं अधिक आवश्यक उसके अनुरूप कार्य करना है। इससे ही ब्रिक्स अपने उद्देश्यों में सफल होगा और पश्चिमी देशों के प्रभुत्व वाली विश्व व्यवस्था का विकल्प बन सकेगा।

जप दिवस

सभी धर्मो और सम्प्रदायों में मंत्र साधना की परंपरा अनादि काल से चली आ रही है । जप जपने की विधि मानो जैसे मूसलाधार वर्षा रूपी कारगर प्रयास से शक्ति संग्रहित कर भव के जाल तोड़ रास्ता साफ हो जाए और सहज लक्ष्य मिल जाए। हर व्यक्ति के मन में यही अभीप्सा, यह आकांक्षा होनी चाहिए कि मुझे कुछ होना हैं । जैसा हूं, उतने में ही संतोष नहीं कर लेना हैं, उसके आगे भी विकास करना हैं । प्रगति करनी है । यह होने की बात बहुत महत्त्वपूर्ण बात हैं । बदलने और कुछ होने के कई मार्ग हैं । कोई भी यह दावा नहीं कर सकता कि एक ही मार्ग हैं । एक ही मार्ग हो तो बड़ी समस्या खड़ी हो जाएगी । अगर मुम्बई में प्रवेश करने और बाहर जाने का एक ही मार्ग हो तो सुबह से शाम तक आदमी ट्रेफ़िक में ही फंसा रह जाएगा । अनेक मार्ग हैं और आदमी चाहे जहां से प्रवेश कर सकता हैं । पालघर से प्रवेश कर सकता है तथा ठाणे वाले रास्ते से भी प्रवेश कर सकता हैं । हमारे होने के भी अनेक मार्ग हैं । उनमें एक मार्ग हैं- जप। इसके द्वारा आदमी कुछ हो सकता हैं । जप में वह शक्ति हैं कि जैसा चाहों, वैसा बन सकते हों । जप बहुत से लोग करते हैं । अलग-अलग परंपराएं , अलग- अलग मंत्र और अलग- अलग जप की विधियां हैं । जप में सर्वप्रथम अपने इष्ट का चुनाव करना पड़ता हैं । इष्ट का निर्धारण करें कि मैं उसके जैसा बनना चाहता हूं । जब तक इष्ट का निर्णय नहीं होता तो कोरा जप बहुत कार्यकारी नहीं होता । जप के द्वारा उत्पन्न ऊर्जा किसी लक्ष्य में नहीं लगी तो वह निकम्मी होकर रह जाएगी । पानी को प्रवाह देने के लिए कोई नाली या रास्ता देना जरूरी होता हैं । उसे निकलने को कोई रास्ता नहीं मिले तो वह एक जगह इकट्ठा होकर समस्या पैदा करेगा । ठीक यही बात मंत्र के लिए भी हैं। उसे एक रास्ता देना पड़ता हैं । "णमो अरहंताणं"के जप में हम अर्हत् को नमस्कार करते हैं । किसलिए?

> प्रदीप छाजेड़

गणेशजी के व्यक्तित्व में छिपे प्रबंधन, नेतृत्व, ज्ञान, अनुशासन और समावेशी विकास के सूत्रों को आत्मसात कर भारत 2047 के संकल्प को नई दिशा दी जा सकती है

भगवान गणेश : मंगल, समृद्धि और विकसित भारत के प्रेरणास्रोत

भगवान श्री गणेश भारतीय संस्कृति के ऐसे बहुआयामी एवं सर्वस्वीकार्य देवता हैं, जिनका स्मरण किसी भी शुभ कार्य के प्रारंभ में किया जाता है। वे केवल विघ्नहर्ता और मंगलकर्ता के रूप में पूजित नहीं हैं, बल्कि उनका संपूर्ण व्यक्तित्व ज्ञान, विवेक, दूरदर्शिता, नेतृत्व, धैर्य, आत्मसंयम, संवाद, समावेशिता और कर्मशीलता का अद्भुत संदेश देता है। आज जब भारत विकसित भारत 2047 के संकल्प के साथ आर्थिक शक्ति, तकनीकी क्षमता, सामाजिक समरसता और वैश्विक नेतृत्व की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तब गणेशजी के प्रतीकात्मक व्यक्तित्व को केवल पूजा तक सीमित रखने के बजाय उनके जीवन-संदेश को राष्ट्रीय चरित्र और विकास-दृष्टि का आधार बनाना समय की बड़ी आवश्यकता है। गणेश चतुर्थी केवल उत्सव नहीं, बल्कि आत्मचिंतन और राष्ट्रनिर्माण की प्रेरणा का पर्व बन सकती है। गणेशजी का सबसे बड़ा संदेश है—शुभारंभ करो, लेकिन विवेक के साथ। किसी भी कार्य के पहले गणेशजी का स्मरण इस बात का प्रतीक है कि सफलता केवल गति से नहीं, सही दिशा से मिलती है। विकसित भारत का निर्माण भी केवल बड़े आर्थिक आंकड़ों, आधुनिक शहरों, नई तकनीक और विशाल परियोजनाओं से नहीं होगा। इसके लिए ऐसी विकास-दृष्टि चाहिए जिसमें आर्थिक प्रगति के साथ मानवीय संवेदना, नैतिकता, पर्यावरण-संतुलन, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक न्याय का समन्वय हो। गणेशजी का स्मरण हमें बताता है कि विकास का पहला कदम बाहर नहीं, भीतर उठता है—विचारों की शुद्धता और संकल्प की दृढ़ता से। गणेशजी का गजमुख उनकी सबसे विशिष्ट पहचान है। हाथी भारतीय मानस में बुद्धि, स्मृति, धैर्य और शक्ति का प्रतीक रहा है। बड़ा मस्तक हमें बड़ा सोचने की प्रेरणा देता है। आज भारत को भी सीमित सोच से बाहर निकलकर वैश्विक चुनौतियों के अनुरूप दीर्घकालीन और व्यापक दृष्टि विकसित करनी होगी। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अंतरिक्ष विज्ञान, डिजिटल अर्थव्यवस्था, हरित ऊर्जा, जैव-प्रौद्योगिकी और नई औद्योगिक क्रांति के युग में वही राष्ट्र आगे बढ़ेगा जो ज्ञान को अपनी सबसे बड़ी शक्ति बनाएगा। गणेशजी का मस्तक मानो संदेश देता है—ज्ञान जितना व्यापक होगा, विकास उतना ही दूरगामी होगा।

उनके बड़े कान लोकतांत्रिक नेतृत्व की अनूठी सीख देते हैं। अच्छा नेतृत्व वह नहीं जो केवल बोलता है, बल्कि वह है जो सुनता है। जनता की आकांक्षाओं, युवाओं के सपनों, किसानों की समस्याओं, श्रमिकों की चुनौतियों, महिलाओं की अपेक्षाओं और वंचित वर्गों की आवाज को सुनना ही संवेदनशील शासन की पहचान है। भारत 2047 तक विकसित राष्ट्र बने, इसके लिए विकास का मॉडल जनभागीदारी पर आधारित होना चाहिए। गणेशजी के बड़े कान हमें सिखाते हैं कि जनता की आवाज सुनना ही सुशासन की पहली शर्त है। उनकी छोटी आंखें एकाग्रता और सूक्ष्म दृष्टि का प्रतीक मानी जाती हैं। आज सूचना और विकल्पों की अधिकता के दौर में ध्यान भटकना आसान है। राष्ट्र के सामने भी अनेक चुनौतियां हैं। इसलिए लक्ष्य स्पष्ट होना चाहिए और ऊर्जा अनावश्यक विवादों में नहीं, राष्ट्र के निर्माण में लगनी चाहिए। विकसित भारत का लक्ष्य तभी सार्थक होगा जब व्यक्ति से लेकर शासन तक प्राथमिकताओं की स्पष्टता, कार्य में एकाग्रता और परिणाम के प्रति प्रतिबद्धता हो। गणेशजी की सूंड अत्यंत संवेदनशील होने के साथ शक्तिशाली भी है। वह सूक्ष्म वस्तु को भी संभाल सकती है और भारी कार्य भी कर सकती है। यह क्षमता हमें परिस्थितियों के अनुरूप स्वयं को ढालने की प्रेरणा देती है। आज के भारत को भी यही लचीलापन चाहिए। तकनीक बदल रही है, रोजगार के स्वरूप बदल रहे हैं, वैश्विक अर्थव्यवस्था बदल रही है और पर्यावरणीय चुनौतियां बढ़ रही हैं। जो समाज परिवर्तन को समझकर अपनी क्षमता विकसित करेगा, वही भविष्य का नेतृत्व करेगा। गणेशजी का लंबोदर भी गहरा जीवन-संदेश देता है। इसे विशाल हृदय, सहनशीलता और जीवन की विविधताओं को आत्मसात करने की क्षमता का प्रतीक माना जा सकता है। राष्ट्रनिर्माण में मतभेद स्वाभाविक हैं, लेकिन मनभेद विनाशकारी हो सकते हैं। भारत की शक्ति उसकी विविधता में है। भाषा, संस्कृति, परंपरा, विचार और जीवन-पद्धति की विविधता को संघर्ष का कारण नहीं, राष्ट्रीय शक्ति का आधार बनाना होगा। गणेशजी का व्यक्तित्व हमें समावेशी भारत की प्रेरणा देता है—ऐसा भारत जिसमें विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और कोई स्वयं को राष्ट्र की मुख्यधारा से अलग महसूस न करे। गणेशजी का वाहन मूषक भी अत्यंत अर्थपूर्ण प्रतीक है। विशालकाय गजानन का वाहन एक छोटा-सा मूषक है। यह मानो अहंकार पर नियंत्रण और छोटे से छोटे तत्व के महत्व को स्वीकार करने का संदेश देता है। आधुनिक भारत में बड़ी अर्थव्यवस्थाओं और बड़ी परियोजनाओं के साथ छोटे उद्यमी, कारीगर, किसान, स्टार्टअप, स्थानीय व्यवसाय और सामान्य नागरिक भी विकास की धुरी हैं। विकसित भारत का अर्थ केवल बड़े भारत से नहीं, बल्कि हर व्यक्ति को अवसर देने वाले भारत से है। गणेशजी की चार भुजाएं कर्म, ज्ञान, विवेक और संतुलन के समन्वय का संदेश देती हैं। आज भारत को ज्ञान और कौशल से संपन्न युवा चाहिए, उद्यमशील नागरिक चाहिए और ऐसे संस्थान चाहिए जो नवाचार को प्रोत्साहित करें। केवल डिग्री नहीं, उपयोगी ज्ञान; केवल नौकरी नहीं, रोजगार सृजन; केवल उपभोग नहीं, उत्पादन—यही विकसित भारत की आधारभूमि बन सकती है। गणेशजी को विघ्नहर्ता कहा जाता है, लेकिन विघ्नों को समाप्त करने का वास्तविक अर्थ समस्याओं से पलायन नहीं, बल्कि उनका साहस-पूर्वक सामना करना है। गरीबी, अशिक्षा, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, सामाजिक असमानता, प्रदूषण और अंधविश्वास जैसे राष्ट्रीय विघ्न केवल कानूनों से नहीं, सामूहिक चेतना और नागरिक जिम्मेदारी से दूर होंगे।

ललित गर्ग

ऐतिहासिक, सामाजिक ...

प्रोफ़ेसर शाहिद परवेज़

हिंदी एवं हिंदी दिवस विविधता की एकता

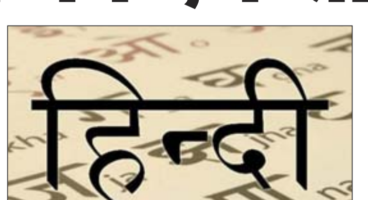

भाषा अभिव्यक्ति की एक सुंदर परिकल्पना है। भाषाएं संपर्क का माध्यम भी हैं और संचार का साधन भी। भारत में भाषाई पहचान जहां एक ओर सम्मान के प्रतीक के रूप में स्थापित है वहीं दूसरी ओर इसके सामाजिक और राजनीतिक प्रभाव भी देखने को मिलते हैं। भाषाई पहचान का प्रश्न केवल मनोवैज्ञानिक, सामाजिक और सांस्कृतिक प्रतिष्ठा से जुड़ा नहीं है बल्कि यह पहचान अपने साथ राजनीतिक, शैक्षणिक और आर्थिक प्रश्नों भी समेट लेती है। किसी भी भाषा का स्वरूप, उच्चारण और प्रखरता उसके व्याकरण और उसकी बनावट पर निर्भर है। हिन्दी और उर्दू दो महत्वपूर्ण भारतीय - आर्यायी भाषाएं हैं एवं दोनों भाषाओं का व्याकरण लगभग एक होने के कारण इनका उत्थान भी लगभग साथ - साथ ही हुआ मगर समय बीतने के साथ हमें दोनों भाषाएं अलग-अलग असलूब या शैली में नज़र आती हैं। प्रोफ़ेसर गोपी चंद नारंग का कथन सत्य प्रतीत होता है कि, ₹ भाषाई स्तर पर जितना गहरा रिश्ता हिन्दी और उर्दू में है शायद दुनिया की किन्हीं दो भाषा में नहीं है।₹ भाषाई सतह पर हिन्दी और उर्दू के बीच भाषाई रिश्ता एक ऐतिहासिक तथ्य है क्योंकि दोनों भाषाओं का स्रोत (खरी/खड़ी बोली) एक है अर्थात दोनों भाषाओं के उत्थान की बुनियाद, ' खड़ी बोली ' को एक केन्द्रीय महत्व की भूमिका में स्थापित किया जा सकता है जिसमें दोनों भाषाओं का परस्पर विरोध भी सम्मिलित है। ऐतिहासिक तौर पर दोनों भाषाओं का उत्थान और प्रभाव एक समान देखने को मिलता है जो भौगोलिक ईकाई की एकरूपता के साथ सांस्कृतिक भिन्नता को भी अपने अंदर समेटता है। ऐसा प्रतीत होता है कि दोनों भाषाओं के उदय में इनकी प्रखरता और बनावट का एक प्राकृतिक सम्मोहन मौजूद था। हिन्दी और उर्दू की व्याकरण के अतिरिक्त बुनियादी शब्दावली भी एक जैसी है तथा दैनिक उपयोग में आने वाले शब्द और मुहावरे भी लगभग एक जैसे हैं। भाषाई विविधता की यह एकता कुछ अपवादों को छोड़कर अंग्रेजों के भारत में अपने राजनीतिक प्रभुत्व को स्थापित करने तक अनवरत चलती रही। आलोक राय ने अपनी पुस्तक, ' हिन्दी नेशनलिज़्म ' में हमें बताया है कि, औपनिवेशिक नीतियों के कारण भाषाएं सामाजिक संबंधों को नया आयाम देने के अपने उद्देश्य में सफ़ल नहीं हो पाईं बल्कि भाषा संबंधी विवाद अलग-अलग रुपों में और उजागर होने लगे।

ऐतिहासिक, सामाजिक , साहित्यिक और सांस्कृतिक दृष्टि से यह प्रश्न विचारणीय है कि अपनी तमामतर समानताओं के बावजूद दोनों भाषाएं अपना अलग-अलग अस्तित्व स्थापित करने में क्यों सफ़ल हुईं। इसका एक सामान्य और सम्भावित कारण इनकी लिपि है जिसने दोनों भाषाओं को अलग-अलग दृष्टिकोण प्रदान किया है। इस अन्तर को बहुत हद तक स्पष्ट करने का श्रेय फ़ोर्ट विलियम कालेज को है जब गिलक्राइस्ट के नेतृत्व में हिंदी और उर्दू शीर्षक से अलग-अलग पुस्तकें प्रकाशित की गईं। उर्दू में₹ बाग़ ओ बहार ₹ लिखी गई जिसकी लिपि फ़ारसी थी और जिसमें अरबी और फ़ारसी शब्दों की बहुतायत थी और दूसरी तरफ़ ₹ प्रेमसागर ₹ थी जिसकी लिपि देवनागरी थी और जिसमें संस्कृत शब्दों की बहुलता थी। विभिन्न भाषाविदों और साहित्यकारों का यह कथन सही प्रतीत होता है कि हिन्दी और उर्दू का भाषाई अन्तर इसी समय से प्रारंभ होता है जबकि इससे पहले दोनों भाषाएं एक ही धारा में प्रवाहित हो रही थीं। फ़ोर्ट विलियम कालेज में जिस हिन्दी गद्य की बुनियाद पड़ी उसे ही कालांतर में खड़ी बोली या स्तरीय हिन्दी कहा जाने लगा जबकि इससे पहले समग्र उपलब्ध साहित्य अपनी बोली के अधीन था। उदाहरणस्वरूप , अवधि और ब्रज जो साहित्यिक दृष्टिकोण से समृद्ध और प्रमुख थीं और जिनका अपना अस्तित्व किसी भी भाषा के अधीन नहीं था। धीरे-धीरे खड़ी बोली हिन्दी का विकास तत्कालीन परिस्थितियों और सामाजिक गतिशीलता के कारण होता रहा जिससे इसकी समृद्धि को और बल मिला। 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की असफलता का प्रभाव भाषा और उसकी बनावट पर भी पड़ा। अंग्रेजों द्वारा निरंतर इस बात का प्रयास किया जाता रहा कि हिंदू और मुसलमानों को किस तरह भाषाई आधार पर भी विभाजित किया जाए और इसके लिए अंग्रेजी भाषा एवं शिक्षा को सम्मान के पर्याय एवं अस्तित्व की पहचान के रूप में पढ़ा और पढ़ाया जाने लगा। हिन्दी और उर्दू जैसे भाषाई विवाद को अंग्रेजों की वीभत्सकारी नीति की परिणति के तौर पर याद किया जा सकता है। स्वतन्त्रता के पश्चात भारत ने भाषा और भाषाई अस्मिता के संकट की पहचान करते हुए भाषाई विविधता को सिद्धांत के रुप में स्वीकार किया। भारत के नीति निर्माताओं ने भाषाई विविधता को निश्चित करने के लिए एक ऐसा प्रारूप प्रस्तुत किया जिसमें भाषा की विविधता के अस्तित्व को कोई दीर्घकालीन संकट न रहे और शायद यही कारण था कि राष्ट्रीय अस्मिता के लिए राष्ट्रीय भाषा के विचार को नकार दिया गया।

प्रदेश सरकार...

डा0 सीमा गुप्ता,

'सूफी कबीर पर्यटन सर्किट' से जुड़ा जनपद अमेठी का मलिक मोहम्मद जायसी स्मारक: विरासत का सम्मान

उत्तर प्रदेश के जनपद अमेठी की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक पहचान को वैश्विक स्तर पर सुदृढ़ करने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार द्वारा एक युगांतकारी पहल की गई है। मध्यकालीन भारत के महान सूफी संत एवं कालजयी महाकाव्य 'पद्मावत' के अमर रचयिता मलिक मोहम्मद जायसी की पावन कर्मभूमि जायस में स्थित जायसी स्मारक एवं शोध संस्थान को 10.36 करोड़ रुपये की लागत से एक आधुनिक पर्यटन एवं साहित्यिक केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी 'सूफी-कबीर पर्यटन सर्किट' योजना के अंतर्गत संचालित यह परियोजना न केवल एक विरासत को सम्मान दे रही है, बल्कि जनपद अमेठी को साहित्य, संस्कृति और पर्यटन के प्रमुख गंतव्य के रूप में स्थापित कर रही है।

प्रदेश सरकार द्वारा स्वीकृत 10.36 करोड़ रुपये की इस व्यापक पर्यटन विकास परियोजना के लिए अब तक 9.15 करोड़ रुपये की धनराशि अवमुक्त की जा चुकी है। कार्यदायी संस्थाओं और जिला प्रशासन के सतत समन्वय से परियोजना का लगभग 80 प्रतिशत भौतिक निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। शेष निर्माण कार्यों को भी तय गुणवत्ता और मानकों के अनुरूप पूरा करते हुए परियोजना को समय-सीमा के भीतर पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और गति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा नियमित स्थलीय निरीक्षण और समीक्षा की जा रही है।

साहित्यिक और ऐतिहासिक दृष्टि से अत्यंत समृद्ध होने के बावजूद यह शोध संस्थान विगत कई दशकों तक उपेक्षा का दंश झेलता रहा। देखरेख के अभाव में एक समय यह गौरवशाली संस्थान अत्यंत जर्जर स्थिति में पहुंच गया था और इसका परिसर अस्तबल व मवेशियों के विचरण स्थल में तब्दील हो चुका था। स्मारक की चारदीवारी और मुख्य प्रवेश द्वार भी क्षतिग्रस्त थे। प्रदेश सरकार ने इस ऐतिहासिक धरोहर की स्थिति का संज्ञान लेकर इसके कायाकल्प की विस्तृत कार्ययोजना तैयार की। आज यहीं स्थल एक सुव्यवस्थित, गरिमामयी और भव्य पर्यटन स्थल के रूप में नया स्वरूप ले रहा है।

स्मारक परिसर का भौतिक ढांचा भारतीय वास्तुकला की गरिमा के अनुरूप अत्यंत सुदृढ़ बनाया गया है। संपूर्ण स्मारक संरचना का निर्माण उच्च गुणवत्ता वाले लाल बलुआ पत्थर से किया जा रहा है, जो इसे एक शाश्वत और मनोहारी ऐतिहासिक स्वरूप प्रदान करता है। स्मारक की भव्य दीवारों पर मलिक मोहम्मद जायसी के जीवन-वृत्त, उनकी आध्यात्मिक साधना, साहित्यिक यात्रा और कालजयी कृतियों को दर्शाने वाले कलात्मक भित्तिचित्र (म्यूरल आर्ट) उकेरे गए हैं। इन भित्तिचित्रों के माध्यम से पर्यटकों को केवल स्थापत्य देखने का ही नहीं, बल्कि महाकवि के जीवन और उनके साहित्यिक अवदान को सजीव रूप से समझने का अवसर प्राप्त होगा।

जरा हटके

उत्तर प्रदेश सरकार ...

प्रवीण मालवीय

उ0प्र0 व जापान इन्वेस्टमेंट मीट से प्रदेश में ग्रीन हाइड्रोजन से हरित विकास को मिली नई राह

उत्तर प्रदेश अब केवल देश का सबसे बड़ा आबादी वाला राज्य नहीं, बल्कि स्वच्छ ऊर्जा और हरित औद्योगिक विकास के क्षेत्र में भी नई पहचान बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने विकास की प्राथमिकताओं में ऊर्जा सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और भविष्य की तकनीकों को विशेष स्थान दिया है। उत्तर प्रदेश अब ग्रीन हाइड्रोजन के क्षेत्र में देश का प्रमुख केंद्र बनने की दिशा में ठोस कदम उठा रहा है।

21 अगस्त 2026 को लखनऊ में आयोजित यूपी-जापान इनवेस्टमेंट मीट-2026 ने उत्तर प्रदेश की इस महत्वाकांक्षी यात्रा को नई गति दी है। ताज होटल, गोमती नगर में आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए.के. शर्मा की उपस्थिति में उत्तर प्रदेश और जापान के यामानाशी प्रांत के बीच ग्रीन हाइड्रोजन तकनीक, अनुसंधान, उत्पादन और निवेश के क्षेत्र में सहयोग को लेकर महत्वपूर्ण समझौता हुआ। जापान के यामानाशी प्रांत के गवर्नर श्री कोटारो नागासाकी के नेतृत्व में आए प्रतिनिधिमंडल के साथ हुई चर्चा ने दोनों पक्षों के बीच स्वच्छ ऊर्जा सहयोग की संभावनाओं को मजबूत आधार प्रदान किया।

यह पहल मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के उस विजन को आगे बढ़ाती है, जिसमें उत्तर प्रदेश को पारंपरिक ऊर्जा के साथ-साथ भविष्य के स्वच्छ ऊर्जा तकनीकों का बड़ा केंद्र बनाने का लक्ष्य रखा गया है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के 'नेट जीरो' और हरित विकास के संकल्प के अनुरूप उत्तर प्रदेश सरकार ने ग्रीन हाइड्रोजन को भविष्य की ऊर्जा अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार मानते हुए इसके उत्पादन और उपयोग के लिए व्यापक रणनीति तैयार की है।

उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रदेश में वन मिलियन मीट्रिक टन प्रति वर्ष (1 डड ज्च्।) ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। यह लक्ष्य केवल ऊर्जा उत्पादन बढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके साथ नए उद्योग, रोजगार, निवेश, तकनीकी अनुसंधान और हरित अर्थव्यवस्था के अवसरों का बड़ा नेटवर्क तैयार करने की परिकल्पना जुड़ी है। ग्रीन हाइड्रोजन का उत्पादन नवीकरणीय ऊर्जा से प्राप्त बिजली के माध्यम से जल के इलेक्ट्रोलिसिस द्वारा किया जाता है। इसके उपयोग से उद्योगों, भारी परिवहन, उर्वरक निर्माण और उन क्षेत्रों में कार्बन उत्सर्जन कम किया जा सकता है, जहां पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों का विकल्प तलाशना कठिन है। इस प्रकार ग्रीन हाइड्रोजन उत्तर प्रदेश की ऊर्जा सुरक्षा के साथ पर्यावरणीय लक्ष्यों को भी मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। जापान के यामानाशी प्रांत ने ग्रीन हाइड्रोजन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण तकनीकी अनुभव विकसित किया है। यूपी-जापान इनवेस्टमेंट मीट में यामानाशी प्रतिनिधिमंडल ने अपनी च्वूमत.जव.ळंे ;च्2ळद्ध तकनीक का प्रस्तुतीकरण किया। यह तकनीक नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग कर ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन की संभावनाओं को मजबूत करती है। लं्उंदंेप भ्लकतवहमद ब्वउचंदल ;ल्भ्ब्द्ध और ज्ञंदकमअप ब्वतचवतंजपवद के सहयोग से उत्तर प्रदेश में उच्च क्षमता वाली पायलट परियोजना स्थापित करने का प्रस्ताव इस साझेदारी की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धियों में से एक है। प्रस्तावित परियोजना की फिजिबिलिटी स्टडी फरवरी 2027 तक पूरी करने तथा मार्च 2027 तक इसके व्यावसायीकरण की दिशा में आगे बढ़ने का लक्ष्य है। इससे उत्तर प्रदेश में ग्रीन हाइड्रोजन तकनीक के स्थानीय प्रयोग और बड़े पैमाने पर विस्तार का रास्ता खुल जायेगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने निवेश के लिए सुरक्षित वातावरण, बेहतर कानून-व्यवस्था, मजबूत आधारभूत ढांचे और पारदर्शी नीतियों का ऐसा वातावरण तैयार किया है, जिसने प्रदेश को वैश्विक निवेशकों के लिए आकर्षक गंतव्य बनाया है। ग्रीन हाइड्रोजन क्षेत्र में भी यही निवेश-अनुकूल वातावरण दिखाई दे रहा है।उत्तर प्रदेश ग्रीन हाइड्रोजन पॉलिसी-2024 के तहत निवेशकों को परियोजना लागत पर 10 से 30 प्रतिशत तक कैपिटल सब्सिडी, स्टाम्प ड्यूटी में 100 प्रतिशत तक छूट और निजी विकासकर्ताओं के माध्यम से भूमि लीज पर उपलब्ध कराने जैसी सुविधाएं दी जा रही हैं। इन प्रोत्साहनों का उद्देश्य प्रदेश में बड़े निवेश को आकर्षित करने के साथ-साथ ग्रीन हाइड्रोजन की पूरी वैल्यू चेन विकसित करना है।

उत्तर प्रदेश की रणनीति केवल उत्पादन तक सीमित नहीं है। प्रदेश में ग्रीन हाइड्रोजन के क्षेत्र में अनुसंधान और तकनीकी नवाचार को भी मजबूत किया जा रहा है। आईआईटी कानपुर और आईआईटी (बीएचयू) वाराणसी में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किए गए हैं। इनके माध्यम से नई तकनीकों के विकास, परीक्षण, अनुसंधान तथा प्रयोगशाला स्तर की तकनीक को औद्योगिक स्तर पर विकसित करने में मदद मिलेगी।इससे उत्तर प्रदेश में उद्योग और अकादमिक संस्थानों के बीच मजबूत साझेदारी विकसित होगी और भविष्य की हाइड्रोजन तकनीकों के लिए प्रदेश में ही प्रतिभा, अनुसंधान और विशेषज्ञता का आधार तैयार होगा।

उत्तर प्रदेश की भौगोलिक स्थिति और मजबूत कनेक्टिविटी भी इसे ग्रीन हाइड्रोजन के क्षेत्र में विशेष लाभ देती है। एक्सप्रेसवे, रेलवे, डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर, अंतर्देशीय जलमार्ग, हवाई अड्डों और मेट्रो नेटवर्क का विस्तृत ढांचा ग्रीन हाइड्रोजन के उत्पादन, भंडारण, परिवहन और उपयोग के लिए मजबूत आधार प्रदान करते है। विशाल औद्योगिक आधार और भारी परिवहन क्षेत्र के कारण प्रदेश में हाइड्रोजन आधारित बसों, ट्रकों और अन्य वाणिज्यिक वाहनों के लिए भी भविष्य में बड़े अवसर पैदा हो सकते हैं। इससे परिवहन क्षेत्र के कार्बन उत्सर्जन को कम करने में मदद मिलेगी और स्वच्छ मोबिलिटी को नई गति मिलेगी।

यूपी-जापान इनवेस्टमेंट मीट-2026 में हुआ सहयोग मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में बदलते उत्तर प्रदेश की तस्वीर प्रस्तुत हुआ है। एक ओर प्रदेश अपनी पारंपरिक औद्योगिक एवं ऊर्जा क्षमता को मजबूत कर रहा है, वहीं दूसरी ओर जापान जैसे तकनीकी रूप से अग्रणी देश के साथ साझेदारी कर भविष्य की ऊर्जा तकनीकों को अपनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उत्तर प्रदेश अब केवल निवेश आकर्षित करने वाला राज्य नहीं, बल्कि हरित तकनीक, नवाचार और स्वच्छ ऊर्जा के वैश्विक इकोसिस्टम का महत्वपूर्ण भागीदार बनने की ओर अग्रसर है।

40 साल के एमएस डॉक्टर ने सुसाइड किया

हेरिटेज हॉस्पिटल की ओटी से इंजेक्शन लाए, हाथ में सुई लगाई, बेड पर लाश मिली

वारदात

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी में 40 साल के डॉक्टर ने सुसाइड कर लिया। शनिवार रात कमरे में उन्होंने एनेस्थीसिया का इंजेक्शन हाथ में लगाकर जान दी। बेड पर उनका शव बैठी हुई हालत में मिला। डॉ. शुभंकर गौतम हेरिटेज इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस में 3 साल से यूरोलॉजिस्ट थे। यह वाराणसी का बड़ा प्राइवेट मेडिकल कॉलेज है। शुभंकर ने एम्स से MS और फिर MCH की डिग्री हासिल की थी। शनिवार सुबह डॉ. शुभंकर ने ओपीडी में मरीजों को देखा। इसके बाद कैंपस में ही अपने कमरे में आ गए। बताया जा रहा है कि शाम को उनका फोन पर पत्नी से

डॉ. शुभांकर गौतम, मृतक

विवाद हो गया। इसके बाद रूम से हॉस्पिटल गए। वहां ऑपरेशन थियेटर से इंजेक्शन और कुछ सीरिंज ली और वापस कमरे में आए।

गेट बंद करके इंजेक्शन लगा लिया। रात 10 बजे तक जब डॉक्टर हॉस्टल मेस में खाना खाने नहीं गए तो उनके साथी डॉक्टरों ने उन्हें कॉल की, लेकिन फोन नहीं उठा। साथी सुरक्षा गार्ड को लेकर उनके कमरा नंबर- 802 पहुंचे। काफी देर खटखटाया, लेकिन दरवाजा नहीं खुला। इसके बाद दरवाजा तोड़कर अंदर गए तो वहां बेड पर शुंभकर का शव पड़ा था। डॉक्टर शुभंकर बिहार के पटना के रहने वाले थे।

उनकी 5 साल पहले शादी हुई थी। वह वाराणसी में अकेले ही रहते थे। साथियों ने बताया कि कुछ दिनों से शुभंकर परेशान रहते थे। उनके बिहेवियर में भी बदलाव आया था।

शनिवार को ओपीडी में मरीजों को देखा।

इसके बाद वह कैंपस में ही अपने कमरे पर चले गए। वह ज्यादा किसी के संपर्क में नहीं रहते थे। हॉस्पिटल में मरीजों को देखकर सीधे आवास आ जाते थे। यही वजह था कि शनिवार को जब वह मेस में नहीं पहुंचे तो तुरंत साथी डॉक्टरों ने उनसे संपर्क का प्रयास किया।

आखिरी बार डॉक्टर ने परिवार-पत्नी से बात की

पुलिस ने डॉक्टर शुभंकर का मोबाइल जांच के लिए जब्त कर लिया है। सूत्रों के मुताबिक, आखिरी कॉल उन्होंने अपनी पत्नी और परिवार को की थी। क्या बात हुई, ये अभी पता नहीं चल पाया है। रविवार सुबह डॉक्टर का परिवार पटना से वाराणसी पहुंच गया है। पुलिस ने कहा कि परिवार के पहुंचने के बाद ही सुसाइड के कारणों का पता चल सकेगा। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

- हॉस्पिटल के साथी डॉक्टर दरवाजा तोड़कर डॉ. शुभंकर के कमरे में गए। डॉक्टर को हिलाया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी।
- सिक्योरिटी गार्ड दरवाजा तोड़कर डॉक्टर के कमरे में गए। अंदर उनकी लाश मिली।
- मौके पर पुलिस और फॉरेंसिक की टीम पहुंची। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। कमरे की जांच के बाद सील कर दिया है।

एनेस्थीसिया की ओवरडोज ली, बैठे-बैठे मौत हो गई

साथी डॉक्टरों ने डॉ. शुभंकर के कमरे का गेट तोड़कर अंदर जाने का वीडियो बनाया। इसमें सुरक्षा गार्ड कमरे का दरवाजा तोड़ते दिखाई दे रहे हैं। अंदर जाने पर बेड पर सिर झुकाए शुभंकर का शव बैठी हुई हालत में पड़ा था। साथी महिला डॉक्टर ने शुभंकर को आवाज दी और उन्हें हिलाया, लेकिन शरीर में कोई हलचल नहीं हुई।

अनुदेशक शिक्षकों का क्रमिक अनशन शुरू

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद भी नहीं मिला वेतन-एरियर

तमसा संकेत, एजेंसी

चंदौली। चंदौली के सकलडीहा विकास खंड के सेवखर खुर्द गांव में उच्च प्राथमिक विद्यालयों में काम कर रहे अनुदेशक शिक्षकों का सरकार 14 सालों से शोषण कर रही है। उनके कानूनी और मौलिक अधिकारों से उन्हें वंचित रखा जा रहा है। यह बात परिषदीय उत्थान समिति के जिलाध्यक्ष प्रकाश सिंह ने कही। प्रकाश सिंह ने बताया कि परेशान अनुदेशक लगातार सरकार के तीनों अंगों से अपील कर रहे थे। यह मामला लंबी कानूनी लड़ाई के बाद देश के सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा। कई दलीलों और सबूतों पर लंबी सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट ने 4 फरवरी 2026 को 46 पेज का फैसला सुनाया। सुप्रीम कोर्ट ने अनुदेशक शिक्षकों को नियमित शिक्षक मानते हुए सरकार को

आदेश दिया कि उन्हें बकाया एरियर सहित तुरंत शिक्षकों जैसा वेतन और अन्य सुविधाएं दी जाएं। यह फैसला तब आया है, जब सरकार की तरफ से दायर रिव्यू याचिका भी सुप्रीम कोर्ट खारिज कर चुका है। हालांकि, उत्तर प्रदेश सरकार ने अभी तक इस फैसले को लागू करने के लिए कोई सरकारी आदेश जारी नहीं किया है। अनुदेशक शिक्षक राष्ट्र निर्माण में जरूरी भूमिका निभाते हुए अपने हक के लिए अब महात्मा गांधी और बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के बताए रास्ते पर चल रहे हैं।

फास्ट न्यूज

हापुड़ की गौशाला में छप्पन भोग और पंखा सेवा

हापुड़। हापुड़ में भारत विकास परिषद युवा शक्ति ने रविवार को जरोठी रोड स्थित गौशाला में छप्पन भोग और पंखा सेवा कार्यक्रम रखा। इसमें परिषद के पदाधिकारी, सदस्य, शहर के लोग, श्रद्धालु और उनके परिवार शामिल हुए।

कार्यक्रम का मकसद गौमाता की सेवा करना और लोगों को उनके संरक्षण के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गौ दर्शन धाम, बृजघाट के संतोषी महाराज और भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक विनीत अग्रवाल शारदा थे।

कानपुर देहात में महिला से दिनदहाड़े चेन लूटी

कानपुर देहात। कानपुर देहात के मूसानगर थाना क्षेत्र में रविवार दोपहर करीब 1 बजे बाइक सवार बदमाशों ने दिनदहाड़े एक महिला के गले से सोने की चेन लूट ली। वारदात को अंजाम देकर बदमाश मौके से फरार हो गए। महिला अपने दो बेटों के साथ इलेक्ट्रिक स्कूटी से अपनी बहन के घर जा रही थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुखरायां निवासी रागिनी गुप्ता अपने बेटों अंश और वंश के साथ मूसानगर में अपनी बहन के घर जा रही थीं। चपरघटा सेंगुर नदी पुल के पास क्योंटरा मोड़ हाईवे पर पीछे से आए बाइक सवार बदमाशों ने उन्हें रोका।

बूढ़े-बाबा मेले के कुंड में डूबने से युवक की मौत

संभल। संभल के बूढ़े बाबा दरबार में जात लगाने आए मुरादाबाद के एक युवक की कुंड में नहाते समय डूबने से मौत हो गई। गांव के चार लड़कों ने डूबे हुए युवक को कुंड से बाहर निकाला। उसके साथ आए लोग उसे इलाज के लिए मुरादाबाद के एक निजी अस्पताल ले गए, यह घटना रविवार दोपहर करीब 12:30 बजे संभल जिला मुख्यालय से 40 किलोमीटर दूर असमोली थाना क्षेत्र के एक गांव में हुई।

सीतापुर में जिंदा जला 10 साल का बच्चा

जुबान बाहर निकली, चादर में लपेटकर अस्पताल ले गए, मां ने भी दम तोड़ा

तमसा संकेत, एजेंसी

सीतापुर। सीतापुर में शॉर्ट सर्किट से एक घर में आग लग गई। इसमें झुलसने से 10 साल के बच्चे और उसकी मां की मौत हो गई। बच्चे का पूरा शरीर जल गया। उसकी जुबान तक बाहर आ गई। उसे चादर में लपेटकर सीएचसी ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। इलाज के दौरान मां ने भी दम तोड़ दिया। वहीं, उसकी 17 साल की बहन की हालत गंभीर बनी है। लखनऊ के ट्रॉमा सेंटर में उसका इलाज चल रहा है। घटना मिश्रिख कोतवाली की रविवार सुबह 6 बजे की है। महिला के पति और बड़ा बेटा अपनी परचून की दुकान खोलने गए थे, जबकि बेटा -बेटी कमरे में सो रहे थे। इसके बाद गांववालों ने पुलिस, फायर ब्रिगेड और एंबुलेंस को सूचना दी। मौके पर इंस्पेक्टर प्रदीप कुमार सिंह पहुंचे और अपनी सरकारी जीप से घायलों को

कृष्णा
मृतक

अस्पताल पहुंचाया। करीब आधे घंटे बाद फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। हादसे में तीनों गंभीर रूप से झुलस गए थे। उन्हें तत्काल सीएचसी ले जाया गया। जहां से कृष्णा को मृत घोषित कर दिया। गौरी और काजल को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। दोनों की गंभीर हालत देखते हुए जिला अस्पताल से लखनऊ ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया। जहां रविवार सुबह 10 बजे गौरी ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। वहीं, बेटी का हालत गंभीर बनी हुई है। एएसपी दुर्गेश कुमार सिंह ने कहा- आग लगने से 2 लोगों की मौत हुई है। लड़की झुलसी है, उसका इलाज चल रहा है।

सूरज ने बताया- इस बीच मां की नींद खुल गई। उसने शोर मचाया। चीख-पुकार सुनकर पापा और मैं भी पहुंचा। मौके पर गांववाले इकट्ठा हो गए। लोगों ने आग बुझानी शुरू की और तीनों को बाहर निकाला। तब तक भाई जल चुका था। पापा और मैं बेसुध होने लगे। गांव-वालों ने किसी तरह हम दोनों को संभाला।

शॉर्ट सर्किट से लगी आग

गोपालपुर गांव में कमलेश अपने परिवार के साथ 3 कमरों के मकान में रहते हैं। घर में पत्नी गौरी (40), बेटा सूरज (13), कृष्णा (10) और बेटी काजल (17) थे। कमलेश परचून की दुकान चलाते हैं। घर से करीब 20 मीटर दूर उनकी दुकान है।

बड़े बेटे सूरज ने बताया- सुबह करीब 6 बजे पापा और मैं दुकान खोलने चले गए थे। घर के बरामदे से सटे पहले कमरे में मां, छोटा भाई कृष्णा और बहन काजल सो रहे थे। तभी मीटर बोर्ड में शॉर्ट सर्किट हो गया। तार जलकर भूसे पर गिर गया। भूसा सुलगने लगा। पास में ही 5 लीटर के कैन में डीजल रखा था। आग डीजल में पकड़ने के बाद तेजी से भड़क गई।

फर्जी पारिवारिक रजिस्टर तैयार कर जमीन पर कब्जे का आरोप, वांछित युवक गिरफ्तार

तमसा संकेत, संवाददाता

मोहनलालगंज। कूटरचित दस्तावेज तैयार कर भूमि पर अवैध कब्जा करने के मामले में मोहनलालगंज पुलिस ने वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी ने आर्थिक लाभ के उद्देश्य से फर्जी पारिवारिक रजिस्टर की नकल तैयार कर वरासत के आधार पर जमीन अपने नाम करा ली थी।

पुलिस के अनुसार, 28 जनवरी 2026 को उन्नाव जनपद के मौरावां थाना क्षेत्र निवासी शिव कुमार ने शिकायत दर्ज कराई थी कि विपक्षी पक्ष ने फर्जी पारिवारिक रजिस्टर की नकल तैयार कर कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर ग्राम बिरसिंहपुर, थाना निगोहा स्थित गाटा संख्या-65 की भूमि पर अवैध कब्जा कर लिया है। शिकायत के आधार पर मोहनलालगंज थाने में मुकदमा अपराध संख्या 29/2026 के तहत धारा 420, 467, 468,

471 व 120बी आईपीसी में मुकदमा दर्ज किया गया था। वांछित अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम ने तकनीकी और मैनुअल साक्ष्यों के साथ स्थानीय सूचना तंत्र की मदद ली। रविवार 13 सितंबर को पुलिस ने लवकुश पुत्र शत्रोहन निवासी ग्राम नेवलखेड़ा, थाना मोहनलालगंज को ब्लू ऑर्चिड के पीछे से गिरफ्तार कर लिया। उसकी उम्र करीब 23 वर्ष बताई गई है और वह मजदूरी करता है। पूछताछ में लवकुश ने पुलिस को बताया कि आर्थिक लाभ हासिल करने के उद्देश्य से फर्जी पारिवारिक रजिस्टर की नकल तैयार कर जमीन को वरासत के आधार पर अपने नाम करा लिया गया था। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश करने की कार्रवाई शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक इसी मुकदमे में आरोपी के दो अन्य साथी राहुल पुत्र शत्रोहन को 7 जून तथा दशरथ पुत्र शत्रोहन को 25 अप्रैल 2026 को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा चुका है।

कान्हा जी की छठी पर बृज की रसोई ने बांटा महाप्रसाद

कढ़ी-चावल व बूंदी का वितरण, साधना त्रिपाठी ने जरूरतमंदों के बीच मनाया जन्मदिन

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। प्रेरणास्रोत बाबा नीम करौली जी की अनुकंपा से इण्डियन हेल्पलाइन सोसाइटी (रजि.) द्वारा संचालित सेवा प्रकल्प 'बृज की रसोई' की ओर से आशियाना क्षेत्र में रविवार को निःशुल्क भोजन सेवा का आयोजन किया गया। श्री कान्हा जी की छठी के पावन अवसर पर आयोजित सेवा कार्यक्रम में जरूरत-मंदों, असहायों, निराश्रितों, बच्चों, बुजुर्गों और श्रमिकों को कढ़ी-चावल एवं बूंदी का महाप्रसाद श्रद्धा और आत्मीयता के साथ वितरित किया गया। संस्था के पदाधिकारियों ने बताया कि कान्हा जी की छठी के उल्लास को सेवा से जोड़ते हुए इस बार विशेष रूप से कढ़ी-चावल और बूंदी का प्रसाद तैयार कराया गया। संस्था के सदस्य अनिल मूलवानी ने मिष्ठान स्वरूप बूंदी का वितरण कराया। वहीं, संस्था की सदस्य साधना त्रिपाठी ने जरूरतमंदों के

साथ केक काटकर अपना जन्मदिन मनाया। उन्होंने उपस्थित लोगों के बीच केक वितरित कर उनके साथ खुशियां साझा कीं। आयोजन का उद्देश्य धार्मिक आस्था के साथ सेवा और मानवीय संवेदना को जोड़ना रहा। संस्था के संस्थापक विपिन कुमार शर्मा ने कहा कि सनातन परंपरा में प्रसाद प्रेम, करुणा और सहभागिता का प्रतीक है। जरूरतमंद तक सम्मानपूर्वक भोजन पहुंचाना मानवीय गरिमा और सामाजिक समरसता को मजबूत करने का प्रयास है।

दीपक भुटियानी ने कहा कि बृज की रसोई का उद्देश्य केवल भोजन उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि जरूर-तमंदों को सम्मान और अपनत्व का एहसास कराना भी है।

विश्व के प्रतिष्ठित शैक्षणिक सम्मान 'फुलब्राइट स्कॉलर-इन-रेजिडेंस' के लिए डॉ. कमलेश कुमार दुबे आमंत्रित

अमेरिका के जेन-जी अब यूपी के प्रोफेसर से सीखेंगे फॉरेंसिक तकनीक

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की फॉरेंसिक और तकनीकी प्रतिभा अब अमेरिका की नई पीढ़ी को तकनीक सिखाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश को फॉरेंसिक साइंस, साइबर सिक्योरिटी और आधुनिक तकनीक के क्षेत्र में वैश्विक पहचान दिलाने के प्रयासों को बड़ी अंतरराष्ट्रीय उपलब्धि मिली है। यूपीएसआईएफ-एस के संस्थापक निदेशक डॉ. जीके गोस्वामी ने बताया कि उत्तर प्रदेश स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंस के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. कमलेश कुमार दुबे को अमेरिका के प्रतिष्ठित 'फुलब्राइट स्कॉलर-इन-रेजिडेंस' के रूप में आमंत्रित किया गया है। यह उपलब्धि उत्तर प्रदेश की उस बदलती तस्वीर का प्रमाण है, जहां फॉरेंसिक साइंस को

सीएम योगी के विजन से फॉरेंसिक साइंस को वैश्विक पहचान दिलाने की दिशा में बड़ा कदम

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में फॉरेंसिक साइंस, साइबर सिक्योरिटी और आधुनिक तकनीकी क्षमताओं को संस्थागत रूप से मजबूत करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इसी विजन के अनुरूप उत्तर प्रदेश स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंस प्रदेश में आधुनिक फॉरेंसिक इकोसिस्टम तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

अपराध का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। पारंपरिक अपराधों के साथ-साथ साइबर अपराध, डिजिटल फ्रॉड और डेटा आधारित अपराध लगातार बढ़ रहे हैं। ऐसे में फॉरेंसिक साइंस को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा एनालिटिक्स, साइबर सिक्योरिटी और क्रिप्टोग्राफी जैसी आधुनिक तकनीकों से जोड़ना समय की आवश्यकता बन चुका है।

आधुनिक तकनीक, अनुसंधान और वैश्विक अकादमिक सहयोग से जोड़कर नई दिशा दी जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के फॉरेंसिक साइंस को मजबूत करने और उत्तर प्रदेश को इस क्षेत्र में विश्व पटल पर स्थापित करने के प्रयासों की दिशा में इसे एक बढ़ते हुए महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है। इससे भारत-अमेरिका के बीच गणित, डेटा एनालिटिक्स और उभरती तकनीकों में शोध सहयोग के नए द्वार खुलेंगे। वह वहां दो अकादमिक सेमेस्टर तक (मई 2027) शैक्षणिक एवं अकादमिक गतिविधियों में भाग लेंगे। अमेरिका में डॉ. दुबे गणित के साथ प्रेडिक्टिव एनालिटिक्स, बिजनेस एनालिटिक्स, डिस्क्रिप्टिव एनालिटिक्स और डेटा माइनिंग जैसे आधुनिक विषयों से अमेरिकी जेन जी को रूबरू करवाएंगे। गणित से आगे बढ़कर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा एनालिटिक्स, साइबर सिक्योरिटी, क्रिप्टोग्राफी, क्वांटम क्रिप्टोग्राफी और ब्लॉकचेन जैसे भविष्य की तकनीकों तक उनकी विशेषज्ञता है। 'फुलब्राइट' दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रमों में शामिल है। डॉ. दुबे का चयन उत्तर प्रदेश की अकादमिक और तकनीकी क्षमता को अंतरराष्ट्रीय मंच पर मिली महत्वपूर्ण मान्यता है। यूपीएसआईएफएस के संस्थापक निदेशक डॉ. जीके गोस्वामी ने बताया कि डॉ. कमलेश कुमार दुबे की यात्रा से भारत और अमेरिका के बीच मैथमेटिक्स, डेटा एनालिटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर सिक्योरिटी, क्रिप्टोग्राफी और अन्य उभरती तकनीकों के क्षेत्र में नए शैक्षणिक एवं शोध सहयोग की संभावनाएं मजबूत होंगी। गणित को एआई और डेटा की दुनिया से जोड़कर पढ़ाने का उनका अनुभव दोनों देशों के शिक्षकों, विद्यार्थियों और शोधार्थियों के बीच नए अकादमिक संवाद का आधार बन सकता है।

- सीएम योगी के विजन का वैश्विक विस्तार : अमेरिका की नई पीढ़ी को एआई, साइबर सिक्योरिटी, ब्लॉकचेन और क्वांटम क्रिप्टोग्राफी पढ़ाएंगे
- भारत-अमेरिका के बीच गणित, डेटा एनालिटिक्स और उभरती तकनीकों में शोध सहयोग के खुलेंगे नए द्वार : डॉ. जीके गोस्वामी

कार्यवाई : वह मेरा पति है, शामली के जाट नेता को धमकी दी थी, जयपुर से अरेस्ट किया

लॉरेंस बिश्नोई को गलत बोला तो मार डालूंगी : बाउंसर

तमसा संकेत, एजेंसी

शामली। शामली में खुद को लॉरेंस बिश्नोई की पत्नी बताकर जान से मारने की धमकी देने वाली महिला को पुलिस ने जयपुर से गिरफ्तार किया है। महिला ने 7 सितंबर को अखिल भारतीय जाट महासभा के यूथ विंग के शामली जिलाध्यक्ष मुकुल चौधरी और यू-ट्यूबर नीरज शर्मा को फोन पर जान से मारने की धमकी दी थी। शनिवार को यूपी पुलिस महिला को जयपुर से शामली लेकर आई। उसकी पहचान बिहार के बक्सर की रहने वाली बिंदू देवी के रूप में हुई है। वह जयपुर में बाउंसर का काम करती है। उसने अपने हाथ पर लॉरेंस बिश्नोई के नाम का टैटू भी बनवा रखा है। बिंदू देवी ने कहा- मैं 8 साल से लॉरेंस बिश्नोई को अपना पति मानती हूं। मैं उससे

कभी नहीं मिली हूं। जब भी मौका मिलेगा, उससे मिलूंगी। मैं उसका जन्म-जन्म तक इंतजार करूंगी। अगर उसे किसी ने गलत बोला तो बदला लूंगी। शामली के रहने वाले हरियाणवी सिंगर अंकित बालियान की 2 सितंबर को तेरहवीं थी। श्रद्धांजलि देने जाट महासभा के यूथ विंग के जिलाध्यक्ष मुकुल चौधरी भी पहुंचे थे। उन्होंने एक यूट्यूब चैनल पर लॉरेंस बिश्नोई और उसके गैंग को लेकर टिप्पणी की थी। इस वीडियो को यू-ट्यूबर नीरज शर्मा ने अपने फेसबुक पेज पर शेयर किया था। इसके बाद जयपुर में रहने वाली बाउंसर बिंदु देवी ने फेसबुक पर कमेंट कर नीरज का नंबर लिया। उसने लॉरेंस बिश्नोई के खिलाफ खबर चलाने को लेकर फोन पर मुकुल चौधरी और नीरज शर्मा को जान से मारने की धमकी दी। यूट्यूबर नीरज शर्मा और मुकुल चौधरी ने 9 सितंबर को शामली के एसपी से शिकायत की थी। एसपी के निर्देश पर मुकदमा दर्ज किया गया। महिला की लोकेशन ट्रेस कर पुलिस की एक टीम जयपुर के करतारपुर पहुंची। वहां से महिला को गिरफ्तार किया गया। पुलिस उसे 12 सितंबर को शामली लेकर आई। एसपी नरेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि बिंदू देवी मूल रूप से बिहार के बक्सर की रहने वाली है। पति से 8 साल पहले तलाक होने के बाद वह जयपुर में रह रही थी। वह एक सिक्योरिटी एजेंसी के लिए बाउंसर का काम करती थी। उसकी चार बेटियां और एक बेटा है। पुलिस ने महिला के पास से वह मोबाइल फोन भी बरामद किया है, जिससे धमकी दी गई थी। महिला ने

पुलिस के सामने कहा- "लॉरेंस मेरा पति है। अगर उसके बारे में किसी ने कुछ गलत कहा तो मैं उसे सबक सिखाऊंगी। ये लोग (मुकुल चौधरी) भी उसके बारे में गलत बोल रहे थे। लॉरेंस पर जो आरोप लग रहे हैं, उनके सबूत नहीं हैं। लॉरेंस ने अगर अपराध किया है तो उसे सजा दो, लेकिन उसे गलत बोलने का अधिकार किसी को नहीं है।"

पारिवारिक विवाद के चलते दो विवाहिताओं ने उठाया आत्मघाती कदम

एक ने कांच खाया, दूसरी ने जहरीला पदार्थ, एक महिला को मेडिकल कॉलेज रेफर

तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या। अयोध्या में पारिवारिक विवाद के चलते दो अलग-अलग घटनाओं में दो विवाहिताओं ने खुदकुशी की कोशिश की। दोनों को गंभीर हालत में रविवार 13 सितंबर को दोपहर बाद सौ शैय्या संयुक्त अस्पताल में भर्ती कराया गया। इनमें से एक की हालत गंभीर होने पर उसे दर्शननगर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया है। अस्पताल प्रशासन ने दोनों मामलों की जानकारी कुमारगंज पुलिस को दे दी है। पहला मामला कुमारगंज थाना क्षेत्र के बसापुर गांव का है। यहां 22 साल की मीना पत्नी राहुल कुमार ने पति से नाराज होकर कांच का टुकड़ा निगल लिया। परिवारवालों ने बताया कि रविवार 13 सितंबर की दोपहर बाद मीना की तबीयत बिगड़ने पर

उसे कुमारगंज के सौ शैय्या संयुक्त अस्पताल लाया गया। डॉक्टरों ने शुरुआती इलाज के बाद उसकी हालत गंभीर देखते हुए राजर्षि दशरथ मेडिकल कॉलेज दर्शननगर रेफर कर दिया। मीना ने बताया कि उसकी शादी 29 अप्रैल 2026 को राहुल कुमार से हुई थी। शादी के बाद से पति उसे आए दिन परेशान करता था। इससे तंग आकर वह अपने मायके ढेंहली बाजार चली गई थी। मीना के मुताबिक, 12 सितंबर शनिवार दोपहर को उसने गुस्से और परेशानी में शीशे का टुकड़ा खा लिया था। इसके बाद से उसके गले और पेट में तेज दर्द हो रहा है। दूसरा मामला खंडासा थाना क्षेत्र के ताजपुर गांव का है। यहां सूरज कुमार की 24 साल की पत्नी अंजना ने जहरीला पदार्थ खा लिया। तबीयत बिगड़ने पर पति और ससुर उसे लेकर कुमारगंज के संयुक्त अस्पताल पहुंचे। डॉक्टरों के मुताबिक, अंजना अब खतरे से बाहर है। पति सूरज कुमार ने बताया कि वह परदेश में मजदूरी करता है। 10 सितंबर को उसकी 3 साल की बेटी का जन्मदिन था, इसलिए वह घर आया था। रविवार को उसे वापस जाना था।

कांशीराम आवासीय कॉलोनी पर चलेगा बुलडोजर

जर्जर हो चुके फ्लैट को नगर निगम करेगा ध्वस्त, 18 साल पहले बना था

नोटिस

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। मथुरा के वृंदावन में 18 साल पहले बनाए गए काशीराम आवास अब जर्जर हो चुके हैं। नगर निगम ने यहां रहने वाले लोगों को आवास खाली करने के नोटिस देने शुरू कर दिए हैं। अब तक 500 से ज्यादा लोगों को नोटिस दिए जा चुके हैं। आवास खाली कराने के बाद नगर निगम IIT रुड़की की टीम से भवनों की तकनीकी जांच कराएगा। जांच में जो भवन रहने लायक नहीं मिलेंगे, उन्हें गिराया जाएगा। नोटिस मिलने के बाद कॉलोनी में रहने वाले लोगों में हड़कंप मच गया। लोगों को अपना घर छिनने की चिंता सताने लगी। कई लोगों ने निगम की कार्रवाई के विरोध में नारेबाजी भी की। नगर निगम अब जर्जर भवनों की स्थिति का तकनीकी परीक्षण कराएगा। इसके लिए अगले हफ्ते IIT रुड़की की विशेषज्ञ टीम कॉलोनी का निरीक्षण करेगी। टीम की रिपोर्ट के आधार पर तय होगा कि कौन से भवन रहने लायक हैं और किन्हें गिराने की जरूरत है। नगर निगम अधिकारियों के मुताबिक, पूरी तरह जर्जर और खतरनाक भवनों को ही जांच के बाद गिराने की कार्रवाई की जाएगी। मथुरा-वृंदावन नगर निगम के अपर आयुक्त नीरज शर्मा ने बताया कि कॉलोनी में कुल 736 फ्लैट हैं।

इनमें से 500 से ज्यादा आवंटियों को नोटिस दिए जा चुके हैं। बाकी लोगों को भी नोटिस देने की प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने बताया कि IIT रुड़की की टीम अगले हफ्ते भवनों की तकनीकी जांच करेगी। रिपोर्ट आने के बाद पूरी तरह जर्जर भवनों को गिराने की कार्रवाई की जाएगी।

2008 में जरूरतमंद और गरीब परिवारों को आवास देने के लिए काशीराम आवासीय योजना शुरू की गई थी।

2008 में बने थे 736 फ्लैट

बसपा सरकार के समय 2008 में जरूरतमंद और गरीब परिवारों को आवास देने के लिए काशीराम आवासीय योजना शुरू की गई थी। इसके तहत वृंदावन के बाहरी इलाके में दो चरणों में 736 फ्लैट बनाए गए थे। हर ब्लॉक में 16 फ्लैट हैं। योजना के तहत पात्र परिवारों को इनका आवंटन किया गया था। करीब 18 साल बाद कई फ्लैटों की हालत खराब हो गई है। भवनों में दरारें और दूसरे नुकसान होने से यहां रहने वाले लोगों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।

विरोध के बाद मौके पर पहुंचे उपसभापति

नोटिस मिलने के बाद कॉलोनी के लोगों ने निगम प्रशासन के खिलाफ विरोध जताया। लोगों की नाराजगी की जानकारी मिलने पर नगर निगम के उपसभापति मुकेश सारस्वत मौके पर पहुंचे। उन्होंने लोगों से बातचीत कर उन्हें शांत कराया। मुकेश सारस्वत ने कहा कि सरकार लोगों की जान-माल की सुरक्षा को लेकर गंभीर है। उनके मुताबिक, फ्लैटों की हालत काफी खराब हो चुकी है। यहां रहने वाले लोगों को पहले भी अपने आवासों की मरम्मत कराने के लिए कहा गया था, लेकिन मरम्मत नहीं कराई गई।

करीब 18 साल बाद कई फ्लैटों की हालत खराब हो गई है।

हाथों की नसें काट कार में बेहोश मिला ट्रैवल एजेंट

आगरा में पुलिस ने शीशा तोड़कर बाहर निकाला, 3 पेज का सुसाइड नोट मिला

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा में कार में एक ट्रैवल एजेंट ने अपने हाथ की दोनों नसें काट लीं। अंधेरे में सड़क किनारे कार को खड़ी देख पुलिस ने उसको आवाज दी। कोई रेस्पांस नहीं मिला तो कार के शीशे तोड़े। अंदर युवक खून से लथपथ पड़ा था। उसे अस्पताल में भर्ती कराया। युवक के पास से पुलिस को तीन पेज का सुसाइड नोट मिला है। कर्जा होने के कारण वो सुसाइड कर रहा था। पुलिस ने बताया कि गंभीर अवस्था में युवक को भर्ती कराया। देर रात उसको होश आ गया। डॉक्टरों का कहना था कि बहुत खून बह चुका था। अगर, 15 मिनट की देर और हो जाती तो उसे बचाना बहुत मुश्किल होता। मामला सिकंदरा इलाके का है। सिकंदरा थाने के प्राक्षी टावर चौकी इंचार्ज कपिल शनिवार रात करीब 10 बजे गश्त पर थे। उन्होंने देखा कि जेसीबी चौराहे कृष्ण लोक अपार्टमेंट के पास अंधेरे में एक कार खड़ी है। उन्होंने जाकर देखा तो अंदर एक युवक सीट पर लेटा था। उन्होंने गेट खटखटाया। मगर, युवक ने कोई रेस्पांस नहीं दिया। मोबाइल की लाइट जलाकर अंदर देखा तो युवक के हाथ की नस कटी थी और खून निकल रहा था। इसके बाद पुलिस ने तुरंत कार के शीशे तोडे.। दरवाजा खोला तो अंदर युवक के दोनों हाथ की नस कटी थीं।

■ पुलिस ने कार का शीश तोड़ा तो युवक खून से लथपथ बेहोशी की हालत में मिला।

फास्ट न्यूज

हाथों की नसें काट कार में बेहोश मिला ट्रैवल एजेंट

आगरा। आगरा में कार में एक ट्रैवल एजेंट ने अपने हाथ की दोनों नसें काट लीं। अंधेरे में सड़क किनारे कार को खड़ी देख पुलिस ने उसको आवाज दी। कोई रेस्पांस नहीं मिला तो कार के शीशे तोड़े। अंदर युवक खून से लथपथ पड़ा था। उसे अस्पताल में भर्ती कराया। युवक के पास से पुलिस को तीन पेज का सुसाइड नोट मिला है। कर्जा होने के कारण वो सुसाइड कर रहा था। पुलिस ने बताया कि गंभीर अवस्था में युवक को भर्ती कराया।

मुरादाबाद में गन्ना समिति के डायरेक्टर के घर चली गोली

मुरादाबाद। मुरादाबाद में गन्ना समिति के डायरेक्टर अमरजीत सिंह के घर पर अज्ञात हमलावरों ने आधी रात गोली चलाई। एक गोली उनके दरवाजे को चीरते हुए अंदर जाकर धंसी। घटना के बाद से डरे सहमे गन्ना समिति डायरेक्टर ने घटना की सूचना पुलिस को दी है। उन्होंने अज्ञात हमलावरों के खिलाफ तहरीर देकर पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। घटना मुरादाबाद के पाकबड़ा थाना क्षेत्र में लोधीपुर राजपूत गांव की है। यहां रहने वाले अमरजीत सिंह गन्ना समिति में डायरेक्टर हैं। रात में वह अपने परिवार के साथ घर में सोए थे।

पार्षदों की बैठक में नहीं दिखे मेयर

मुरादाबाद। मुरादाबाद में शनिवार देर शाम पुलिस लाइन में नगर निगम के पार्षदों की एक अहम बैठक हुई। लेकिन इस बैठक में न तो मेयर नजर आए और न ही नगर निगम के अधिकारी। शहर विधायक रितेश गुप्ता के कोर्डिनेशन में हुई इस बैठक में जिले के कलक्टर और पुलिस कप्तान जरूर मौजूद थे। कि मेयर विनोद अग्रवाल इस मीटिंग में पहुंचे नहीं या फिर उन्हें बुलाया ही नहीं गया था।

एक साल में 1500 चोरी के मोबाइल बरामद

2 करोड़ कीमत, अलीगढ़ और एनसीआर से ले जाकर नेपाल में बेचने की जानकारी मिली

तमसा संकेत, एजेंसी

अलीगढ़। अलीगढ़ में मोबाइल गुम या चोरी होने के बाद उसे वापस पाने की उम्मीद छोड़ चुके लोगों के लिए पुलिस मददगार साबित हो रही है। पुलिस के सर्विलांस सेल ने पिछले एक साल में करीब 2.64 करोड़ रुपए कीमत के 1500 मोबाइल बरामद किए हैं। इनमें चोरी, लूट, छीनैती और गुम हुए मोबाइल शामिल हैं। इनमें से 1400 से ज्यादा मोबाइल उनके मालिकों को वापस किए जा चुके हैं।

मोबाइल की जांच के दौरान पुलिस को एक ऐसे गिरोह का भी पता चला, जो अलीगढ़ और एनसीआर से चोरी और लूटे गए मोबाइल दिल्ली के रास्ते नेपाल भेज रहा था। नेपाल पहुंचने के बाद इन मोबाइल को पकड़ना मुश्किल हो जाता था। पुलिस ने गिरोह से जुड़े लोगों तक पहुंचकर 30 से ज्यादा लूट के मोबाइल बरामद किए हैं। मोबाइल गुम होने पर सबसे पहले सिम को बंद कराएं। इसके बाद CEIR पोर्टल पर मोबाइल की शिकायत दर्ज करें। इसके लिए मोबाइल का IMEI नंबर और दूसरी जरूरी जानकारी देनी होती है। मोबाइल ब्लॉक होने के बाद उसमें कोई दूसरी सिम डालता है तो पुलिस को उसकी जानकारी मिल सकती है। इससे मोबाइल को ट्रेस करने और वापस पाने में मदद मिलती है। एसएसपी नीरज जादौन ने लोगों से कहा कि मोबाइल गुम होने पर शिकायत करने में देरी न करें।

सिम बंद कराने और CEIR पर शिकायत दर्ज कराने से मोबाइल के गलत इस्तेमाल को रोकने के साथ उसे वापस पाने की संभावना भी बढ़ जाती है।

दूसरी सिम डालते ही मोबाइल की जानकारी मिल जाती है

मोबाइल को खोजने में सर्विलांस सिस्टम की अहम भूमिका है। चोरी या गुम हुए मोबाइल में जैसे ही कोई दूसरी सिम डालता है, उसकी जानकारी पुलिस के सिस्टम में आ जाती है। इसके बाद पुलिस मोबाइल की लोकेशन और उसे इस्तेमाल करने वाले व्यक्ति का पता लगाने में जुट जाती है। सर्विलांस सेल प्रभारी अभिषेक गौतम और संबंधित थाने की पुलिस टीम जानकारी की जांच करती है। मोबाइल मिलने के बाद जरूरी कार्रवाई पूरी करके उसे उसके मालिक को सौंप दिया जाता है।

ऑस्ट्रेलियाई युवक का मोबाइल भी मिला

अलीगढ़ पुलिस ने ऑस्ट्रेलिया के एक युवक का मोबाइल भी बरामद किया। युवक गुजरात के अहमदाबाद में क्रिकेट मैच देखने आया था। इसी दौरान उसका महंगा मोबाइल गुम हो गया। उसने एक्स पर पोस्ट कर मदद मांगी। मामला अलीगढ़ पुलिस तक पहुंचा। सर्विलांस टीम ने तकनीकी जानकारी के आधार पर मोबाइल को रोरावर इलाके में ट्रेस किया और बरामद कर लिया। पुलिस के अनुसार मोबाइल बरामद करने का अभियान लगातार चल रहा है। हर महीने 200 से ज्यादा गुम और चोरी के मोबाइल बरामद किए जा रहे हैं। पुलिस लाइन में कार्यक्रम आयोजित कर एसएसपी नीरज जादौन की मौजूदगी में लोगों को उनके मोबाइल वापस किए जाते हैं।

14 सितंबर से गणेश महोत्सव

23 सितंबर को निकलेगी विसर्जन शोभायात्रा

तमसा संकेत, एजेंसी

अलीगढ़। गणेश उत्सव को इस बार पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ मनाने की तैयारी है। रघुवीर पुरी स्थित श्री अखलेश्वर महादेव मंदिर में भक्तों को निशुल्क ईको फ्रेंडली गणेश प्रतिमाएं बांटी गईं। वहीं, जीटी रोड स्थित श्री वार्ष्णेय मंदिर में 14 से 23 सितंबर तक गणेश पूजा महोत्सव होगा। 21 सितंबर को 1100 थालों से गजानन की महाआरती मुख्य आकर्षण रहेगी। अखलेश्वर मंदिर में प्रतिमा वितरण कार्यक्रम में सीडीओ योगेंद्र कुमार ने कहा कि मिट्टी से बनी ईको फ्रेंडली प्रतिमाओं को अपनाने से पर्यावरण को नुकसान नहीं होता। उन्होंने कहा कि पीओपी की प्रतिमाओं के विसर्जन से नदियां प्रदूषित होती हैं और जलीय जीवों

मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष सतीश गौड़ ने कहा कि मिट्टी की प्रतिमाओं की स्थापना और विसर्जन सनातन परंपरा का हिस्सा है। कार्यक्रम संयोजक सुरेंद्र शर्मा ने बताया कि छात्र-छात्राओं के बीच भी जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। श्री वार्ष्णेय मंदिर में 14 सितंबर से गणेश पूजा महोत्सव शुरू होगा।

विद्यालय दर्शन कार्यक्रम संपन्न

देशभर के शिक्षाविदों ने लिया जायजा, पंचकोशात्मक विकास एवं नवाचारों की सराहना

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। मथुरा में 13 सितंबर को विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान व राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (NCTE) के संयुक्त तत्वावधान में गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय नोएडा व BHU वाराणसी के सहयोग से देशभर के विद्या भारती विद्यालयों में अध्यापक विकास कार्यक्रम के तहत विद्यालय दर्शन योजना चलाई जा रही है। इसी क्रम में मथुरा के कृष्णचन्द्र गांधी सरस्वती शिशु वाटिका, शिशु मंदिर चामुंडा मार्ग व विद्या मंदिर इंटर कॉलेज माधव कुंज में 06 से 10 सितंबर तक पंचदिवसीय विद्यालय दर्शन कार्यक्रम आयोजित हुआ। प्रधानाचार्य विनय कुमार सिंह ने बताया कि उत्तराखंड, हरियाणा, हिमाचल व उत्तर प्रदेश से विद्वानों ने विद्यालय की शैक्षिक व प्रशासनिक व्यवस्थाओं, पंचपदीय

अधिगम पद्धति, पंचकोशात्मक विकास व केंद्रीय आधारभूत विषयों का अवलोकन किया। इनमें सरदार भगत सिंह PG कॉलेज रुद्रपुर से श्रृंखला जोशी, VPS कॉलेज सोनीपत से वंदना, इंटरनल यूनिवर्सिटी हिमाचल से हर्षित अग्रवाल व बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर यूनिवर्सिटी लखनऊ से प्रद्युम्न गौर शामिल रहे। समन्वयक डॉ. प्रहलाद सिंह रहे। 07 सितंबर को शिशु वाटिका में अतिथियों का तिलक से स्वागत, अग्निहोत्र, सरस्वती वंदना व बारह शैक्षिक व्यवस्थाओं व मातृ हस्तेन भोजनम् कार्यक्रम का अवलोकन हुआ। 08 सितंबर को शिशु मंदिर में प्रधानाचार्य राजीव शर्मा के नेतृत्व में कक्षा 3 से 5 की वंदना, सांस्कृतिक कार्यक्रम, विज्ञान मॉडल व अभिनव प्रयोग देखे गए। 09 सितंबर को विद्या मंदिर में योग, संस्कृत, संगीत, शारीरिक व नैतिक विषयों के सत्र, छात्र-छात्राओं के योग-शारीरिक व सांस्कृतिक प्रदर्शन की सराहना की गई। कक्षा 6 से 8 में पंचपदीय पद्धति व LM प्रयोग देखे गए व प्रबंध समिति से चर्चा हुई। 10 सितंबर को कक्षा 9 से 12, कंप्यूटर व विज्ञान लैब, शिशु मंदिर योजना के जनक स्व. कृष्णचन्द्र गांधी जी की डायरी व व्यक्तिगत वस्तुओं का अवलोकन किया गया। छात्र संसद की कार्यप्रणाली भी समझी। कार्यक्रम के संयोजक उप प्रधानाचार्य राजीव पाठक, विनय कुमार, उमेश शर्मा, लोकेश अग्रवाल, नरेंद्र कुमार, वाटिका प्रभारी रुचिरा वर्मा व चंद्रपाल सिंह रहे।

सिपाही ने सरकारी रायफल से गोली मारी

हापुड़ में थाने में पहरे की ड्यूटी पर था, 15 दिनों की छुट्टी खत्म कर लौटा था

मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

हापुड़। हापुड़ में थाने में पहरा दे रहे सिपाही की सरकारी रायफल से गोली लगने से मौत हो गई। गोली उसके सीने में लगी है। गोली चलने की आवाज सुनकर अन्य पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे। तब तक सिपाही की मौत हो चुकी थी। रविवार सुबह करीब 11 बजे की यह घटना जिला मुख्यालय से करीब 40 किलोमीटर दूर धौलाना थानाक्षेत्र की है। एडिशनल एसपी ने बताया कि सिपाही ने सरकारी रायफल से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। सिपाही की पहचान आगरा के निबोहरा थानाक्षेत्र के हीरापुर गांव के रहने वाले आशीष वर्मा (23) के रूप में हुई है। वह 2025 में यूपी पुलिस में भर्ती हुए थे। अप्रैल 2026 में धौलाना थाने में पहली तैनाती मिली थी। शुरुआती जांच में सिपाही के मानसिक तनाव में होने की बात सामने आ रही है। हालांकि, आधिकारिक तौर पर मौत की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है। चर्चा है कि गोली मारने से पहले सिपाही ने किसी से फोन पर बात की थी। यह भी कहा जा रहा है कि उस पर काफी अधिक लोन था। सिपाही आशीष का परिवार आगरा के निबोहरा थाना क्षेत्र के हीरापुर गांव में रहता है। पिता त्रिभुवननाथ खेती करते हैं। मां राजकुमारी के अलावा परिवार में दो बहनें और एक भाई हैं। बड़ी बहन सुंदरी की शादी हो चुकी है, जबकि छोटी बहन भावना और छोटा भाई संतोष पढ़ाई करते हैं। आशीष की अभी शादी नहीं हुई थी। चाचा मुकेश कुमार ने बताया, रविवार सुबह थाने से फोन आया था। बताया गया कि आशीष ने गोली मारकर आत्महत्या कर ली है। कहा गया कि वह तनाव में था। लेकिन उसे किस बात की परेशानी थी।

सिपाही आशीष वर्मा, मृतक

■ सिपाही के गोली लगने से मौत की सूचना के बाद धौलाना थाने में लोगों की भीड़ जुट गई।

■ सिपाही आशीष वर्मा 15 दिनों की छुट्टी के बाद दो दिन पहले ही ड्यूटी ज्वाइन किए थे।

15 दिन की छुट्टी लेकर गांव गए थे

सिपाही आशीष वर्मा करीब 15 दिन की छुट्टी लेकर गांव हीरापुर गए थे। छुट्टी खत्म होने से 3 दिन पहले ही वह वापस लौट आए थे। हालांकि, उन्होंने तत्काल ड्यूटी ज्वाइन नहीं की थी और थाने के पुलिस क्वार्टर में रेस्ट किया था। साथी पुलिसकर्मियों के अनुसार, शुक्रवार को उन्होंने ड्यूटी ज्वाइन की थी।

शनिवार को पिलखुवा चौराहे पर लगी थी ड्यूटी

शनिवार को आशीष की ड्यूटी पिलखुवा चौराहे पर लगाई गई थी। यहां उन्हें वाहनों की सुरक्षा व्यवस्था और यातायात सुचारु रखने की जिम्मेदारी दी गई थी।

पृष्ठ 01 का शेष...

बंगाल में 252 ...

अधिकारियों ने बताया कि संबंधित मदरसों को कारण बताओ नोटिस दिया गया है। उनके जवाबों की जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने यह जांच अलग-अलग जिलों में अधिकृत और अनधिकृत मदरसों की जानकारी पता करने के लिए कराई थी। पश्चिम बंगाल सरकार ने राज्य के अल्पसंख्यक मामलों और मदरसा शिक्षा विभाग के तहत आने वाले सभी मदरसों में 'वंदे मातरम' गाना अनिवार्य कर दिया है। 19 मई को जारी आदेश के मुताबिक, यह नियम सरकारी मॉडल मदरसों, सरकारी सहायता प्राप्त और बिना सहायता प्राप्त मदरसों पर तुरंत लागू होगा। इससे पहले मदरसों में सुबह की प्रार्थना के दौरान राष्ट्रगान 'जन गण मन' और कवि गुलाम मुस्तफा की 'अनंत असीम प्रेममय तुमी' (बांग्ला गीत) गाया जाता था। अब सभी मदरसों को इस आदेश को लागू करने के बाद इसकी रिपोर्ट भी विभाग को सौंपनी होगी। उत्तर-प्रदेश सरकार ने भी सितंबर से नवंबर 2022 गैर-मान्यता प्राप्त मदरसों की फंडिंग और सुविधाओं की जांच के लिए बड़ा सर्वे कराया था। साथ ही पारदर्शिता लाने के लिए 'मदरसा पोर्टल' शुरू किया और सिलेबस में एनसीईआरटी की किताबें, कंप्यूटर, गणित व अंग्रेजी जैसे आधुनिक विषय अनिवार्य किए। वहीं, असम सरकार ने दिसंबर 2020 सरकारी खर्च से चलने वाले सभी मदरसों को बंद करके उन्हें सामान्य सरकारी स्कूलों में बदल दिया था। संस्थानों के नाम से 'मदरसा' शब्द हटाकर केवल राज्य शिक्षा बोर्ड (SEBA) का सामान्य सिलेबस लागू किया गया है।

यूपी में 16.5 लाख ...

इससे पहले उन्होंने संस्थान में ऑर्गन ट्रांसप्लांट (अंग प्रत्यारोपण) यूनिट शुरू की। इमरजेंसी के 40 वार्ड के नए वार्ड का भी लोकार्पण किया। सीएम योगी ने बताया कि संस्थान में 350 बेड का ट्रॉमा सेंटर बन रहा है। डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान पूर्वी उत्तर प्रदेश के लोगों के लिए सबसे मददगार संस्थान है। संस्थान का स्थापना दिवस रविवार शाम 4 बजे से गोमतीनगर स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के जूपिटर हॉल में मनाया गया। इसमें संस्थान के निदेशक डॉ. सीएम सिंह ने बताया कि ऑर्गन ट्रांसप्लांट यूनिट से मरीजों को किडनी ट्रांसप्लांट की सुविधा मिल सकेगी। संस्थान में बोनमैरो और लिवर ट्रांसप्लांट की तैयारी भी चल रही है। आज हमारे पास संसाधनों का अभाव नहीं है। संस्थान जितनी डिमांड भेजते हैं, हम उसे पूरा करते हैं। अब अगर संस्थान उस संसाधन को खर्च नहीं कर सके तो इसमें शासन नहीं, संस्थान के ऊपर ही सवाल खड़े होते हैं। इसलिए मैं कहूंगा कि अपने आपको सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में तैयार करें। प्रदेश के तमाम अच्छे संस्थानों के साथ आपसी सहयोग के माध्यम से सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की दिशा में आगे बढ़ें। हमें यहां क्लिनिकल एक्सीलेंस, एकेडमिक एक्सीलेंस और रिसर्च एक्सीलेंस के लिए एक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के मॉडल के रूप में संस्थान को प्रस्तुत करना है। इस विश्वास के साथ संस्थान दिवस के अवसर पर मैं डॉक्टर राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान को हृदय से बधाई देता हूं और अपनी शुभकामनाएं देता हूं। आप सभी के प्रति मंगलमय शुभकामनाएं प्रकट करते हुए और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की दिशा में प्रभावी कदम बढ़ाने का आह्वान करते हुए मैं अपनी वाणी को विराम देता हूं। एएनएम, आशा और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने फील्ड में रहकर दस्तक अभियान चलाया। डोर-टू-डोर स्क्रीनिंग के कार्यक्रम से जुड़े। घर-घर जाकर उन्होंने शासन और प्रधानमंत्री जी के विजन को जमीन पर लागू करने का काम किया। परिणाम यह हुआ कि यूपी जैसे राज्य में हमने कोविड महामारी को पूरी तरह नियंत्रित करने में सफलता पाई। कोविड का मुकाबला करने के लिए हमें इसी दिशा में आगे काम करना होगा। मैं मानता हूं कि लीडरशिप, लर्निंग और डिस्कवरी, ये तीनों एक साथ चलेंगे, तभी कोई इंस्टीट्यूट सेंटर ऑफ एक्सिलेंस के रूप में विकसित होता है। आज जो डॉक्टर राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान है, उसकी छह वर्षों की प्रगति साफ दिखाई देती है। यहां हीलिंग भी हुई है, लर्निंग भी हुई है और रिसर्च भी हुई है। यहां के रिसर्च पेपर इस बात को दिखाते हैं कि ये तीनों चीजें एक साथ चल रही हैं। इसलिए संस्थान अपने आपको सेंटर ऑफ एक्सिलेंस के रूप में विकसित कर सकता है। आने वाले वर्षों में हमारे सामने क्लिनिकल एक्सिलेंस, एकेडमिक एक्सिलेंस और रिसर्च एक्सिलेंस की चुनौतियां होंगी। इसके लिए हमें अभी से अपने आपको तैयार करना होगा। अभी आपकी प्रारंभिक यात्रा है। आपने इस इंस्टीट्यूट को एक स्वरूप दिया है। आने वाले समय में इस जिम्मेदारी को और मजबूती के साथ आगे बढ़ाना होगा। मुझे अच्छा लगा कि यहां के दो फैकल्टी की पब्लिकेशन का भी आज विमोचन किया गया है। इनमें डॉक्टर अजय कुमार वर्मा जी और डॉक्टर एस.एस. सिन्हा की पब्लिकेशन शामिल हैं। एक लिखने की आदत भी बहुत जरूरी है। एक-एक पेशेंट आपके लिए अपने आप में एक लैबोरेटरी भी होता है। मरीज के प्रति आपका व्यवहार उसकी हीलिंग में बहुत मदद कर सकता है। उसके साथ आपका संवाद आगे के इनोवेशन और रिसर्च में भी बड़ी भूमिका निभा सकता है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा- यूपी सरकार ने आईआईटी कानपुर के साथ मिलकर मेडिकल सेंटर ऑफ एक्सिलेंस विकसित करने का काम शुरू किया है। एसजीपी-जीआई में भी एक सेंटर ऑफ एक्सिलेंस विकसित किया जा रहा है। अब यूपी में मेडिकल डिवाइस पर पीजी के साथ काम शुरू किया जा रहा है। हमने यूपी में फार्मा पार्क का निर्माण भी शुरू कर दिया है। यूपी देश का सबसे बड़ा फार्मा बाजार है, लेकिन यहां से एक भी दवा का उत्पादन नहीं हो पाता था। इसके लिए रिसर्च और सरकारी स्तर पर भी कोई खास गतिविधि नहीं चल पाती थी। आज उस दिशा में काम शुरू हुआ है और इसके बहुत अच्छे परिणाम आ रहे हैं। देश से लोग अब यूपी आकर काम करना चाहते हैं। इस क्षेत्र में आपका संस्थान भी बड़ी मदद कर सकता है। अच्छे तकनीकी संस्थानों के साथ मिलकर अगर हमारे चिकित्सा संस्थान काम करते हैं तो राज्य सरकार की ओर से हर प्रकार की मदद की जाएगी। आईआईटी और दूसरे तकनीकी संस्थानों के विशेषज्ञों को भी आमंत्रित किया जा रहा है, ताकि वे इन प्रोजेक्ट में योगदान दे सकें। यूपी को इस क्षेत्र का हब बनाने की दिशा में सरकार काम कर रही है। हमें समय से दस कदम आगे सोचने की क्षमता रखनी होगी। बीमारी का पैटर्न बदल रहा है। इसके कारणों और उपचार के लिए उसी तरह के रिसर्च को आगे बढ़ाना होगा। अगर हम इससे थोड़े भी पीछे रहे तो दिक्कतें आएंगी। चिकित्सा, मेडिसिन, टेक्नोलॉजी, रिसर्च और इनोवेशन की जो भूमिका हो सकती है, उसे हमें साथ लेकर चलना होगा। केवल उपचार तक सीमित नहीं रहना है। उपचार के डेटा को भी संरक्षित करना होगा। यह डेटा आने वाले समय में हमारे लिए बहुत उपयोगी होने वाला है।

मलेशियाई पीएम ...

शनिवार को उन्होंने 'समावेशी वैश्विक शासन और बहुपक्षवाद को मजबूत करना' विषय पर आयोजित सत्र में हिस्सा लिया। इसके अलावा अनवर ने नई दिल्ली में BRICS नेताओं के साथ पौधरोपण कार्यक्रम में भी हिस्सा लिया। फिर शनिवार शाम पीएम मोदी की ओर से आयोजित डिनर में भी शामिल हुए थे। BRICS समिट में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग सहित 11 देशों के नेता शामिल हुए हैं। 12 सितंबर को पीएम मोदी ने भारत मंडपम में सभी देशों के नेताओं का स्वागत किया था। भारत पहुंचे विदेशी नेताओं में मलेशियाई PM इब्राहिम, सऊदी अरब के विदेश मंत्री प्रिंस फैसल बिन फरहान अल सऊद, वियतनाम के PM ले मिन्ह हंग, बुरुंडी के राष्ट्रपति एवरिस्ट नदायिशिमिये, कजाखस्तान के राष्ट्रपति कासिम-जोमार्ट टोकायेव और युगांडा की उपराष्ट्रपति जेसिका अलुपो शामिल हैं।

दिल्ली में मैच फिर भी विदेशी होगी टीम इंडिया, पिच भी अफगान टीम तय करेगी

94 साल में पहली बार ऐसी क्रिकेट सीरीज

शुरुआत

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन टी-20 मैचों की सीरीज आज से शुरू हो रही है। तीनों मैच दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में होंगे। मुकाबले भले ही भारत में हो रहे हैं लेकिन इस सीरीज में होम टीम अफगानिस्तान की होगी और भारतीय टीम विजिटर्स होगी।

ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड इस सीरीज का मेजबान है। सुरक्षा कारणों से अफगानिस्तान अपने देश में मैच नहीं करा पाता है लिहाजा उसके होम मुकाबले भारत या UAE में होते हैं।

टीम इंडिया के लिए यह नया अनुभव होगा। भारतीय क्रिकेट के 94 साल के इतिहास में यह पहला मौका है जब वह घर में मैच खेलेगी लेकिन होम टीम नहीं होगी। इस बदलाव का मैचों और सीरीज के अलग-अलग पहलू पर क्या असर होगा इसे 6 सवालों के जरिए जानते हैं इस सीरीज में अफगानिस्तान की कप्तानी इब्राहिम जादरान करेंगे। भारत की कमान श्रेयस अय्यर के हाथ में है।

यह फोटो 11 जनवरी 2024 की है। मोहाली में भारत और अफगानिस्तान के बीच खेले गए पहले टी-20 इंटरनेशनल मैच के टॉस के दौरान भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और अफगानिस्तान के कप्तान इब्राहिम जादरान।

यह फोटो 11 जनवरी 2024 की है। मोहाली में भारत और अफगानिस्तान के बीच खेले गए पहले टी-20 इंटरनेशनल मैच के टॉस के दौरान भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और अफगानिस्तान के कप्तान इब्राहिम जादरान। अरुण जेटली स्टेडियम में होम और विजिटिंग टीम के लिए अलग ड्रेसिंग रूम हैं। इस सीरीज में होम ड्रेसिंग रूम अफगानिस्तान और विजिटर्स ड्रेसिंग रूम भारत को मिलेगा।

> होम टीम का कप्तान सिक्का उछालता है और विजिटिंग टीम का कप्तान हेड या टेल चुनता है। इसलिए मैच से पहले अफगानिस्तान का कप्तान सिक्का उछालेगा और भारतीय कप्तान हेड या टेल कॉल करेगा।

पिच का मिजाज कौन तय करेगा

पिच अरुण जेटली स्टेडियम के क्यूरेटर्स ही बना रहे हैं। होम टीम को पिच अपने एडवांटेज के हिसाब से बनवाने का अधिकार होता है। अफगानिस्तान होम टीम है लिहाजा उसका मैनेजमेंट पिच को लेकर अपनी डिमांड रख सकता है।

वैसे यह पहला मौका नहीं है जब अफगानिस्तान की टीम भारत की किसी पिच पर अपना होम मैच खेलने वाली है। इससे पहले वह तीन अन्य स्टेडियम में भी अपने घरेलू इंटरनेशनल मैच खेल चुकी है। इन मैचों में अफगान टीम ने ज्यादातर स्पिन की मददगार पिचें बनवाई हैं। बीच-बीच में उसने बैटिंग फ्रेंडली पिचें भी तैयार कराई हैं।

यह फोटो 11 जनवरी 2024 की है। मोहाली में भारत और अफगानिस्तान के बीच खेले गए पहले टी-20 इंटरनेशनल मैच के टॉस के दौरान भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और अफगानिस्तान के कप्तान इब्राहिम जादरान।

अनाहत सिंह ने कतर क्लासिक स्क्वॉश में उलटफेर किया

वर्ल्ड नंबर-16 फरिदा मोहम्मद को चार गेम में हराया

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत की युवा स्क्वॉश खिलाड़ी और वर्ल्ड जूनियर चैंपियन अनाहत सिंह ने सीजन के पहले प्लैटिनम टूर्नामेंट कतर क्लासिक में जीत के साथ अभियान शुरू किया।

विमेंस सिंगल्स के पहले राउंड में वर्ल्ड नंबर-20 अनाहत ने मिस्र की 16वें नंबर की फरीदा मोहम्मद को 13-11, 3-11, 11-7, 11-7 से हराया। मुकाबले की शुरुआत कड़ी टक्कर के साथ हुई। अनाहत ने पहला गेम 13-11 से जीता। दूसरे गेम में फरीदा ने आक्रामक खेल दिखाते हुए 11-3 से जीत दर्ज की और स्कोर 1-1 कर दिया।

इसके बाद अनाहत ने संयम बनाए रखा। उन्होंने तीसरा गेम 11-7 और चौथा गेम भी 11-7 से जीतकर मैच अपने नाम कर लिया।

पहले राउंड में अपने से ऊंची रैंकिंग वाली खिलाड़ी को हराने के बाद अनाहत अब प्री-क्वार्टर फाइनल में बेल्जियम की वर्ल्ड नंबर-9 टिने गिलिस से भिड़ेंगी।

- प्री-क्वार्टर फाइनल में टिने गिलिस से मुकाबला
- अनाहट सिंह प्री-क्वार्टर फाइनल में बेल्जियम की वर्ल्ड नंबर-9 टिने गिलिस से मुकाबला है।
- मेंस कैटेगरी में अभय सिंह और वीर चोटरानी पर नजरें

पुरुष एकल में भारत की ओर से अभय सिंह और वीर चोटरानी चुनौती पेश करेंगे। अभय वर्ल्ड रैंकिंग में 24वें और वीर 38वें स्थान पर हैं। अनाहत सिंह हाल ही में वर्ल्ड जूनियर स्क्वैश चैंपियन बनी थीं।

चामिंडा वास दिल्ली कैपिटल्स के बॉलिंग कोच बन सकते हैं

टीम ने जहीर खान और कुंबले से भी बात की, युवराज बैटिंग कोच होंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

श्रीलंका के पूर्व तेज गेंदबाज चमिंडा वास दिल्ली कैपिटल्स के नए बॉलिंग कोच बन सकते हैं। फ्रेंचाइजी ने इस पद के लिए जहीर खान और अनिल कुंबले से भी बातचीत की थी, लेकिन बात नहीं बन सकी। युवराज सिंह को पहले ही बैटिंग कोच नियुक्त किया जा चुका है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जहीर खान के साथ बातचीत सेवा की शर्तों पर सहमति नहीं बनने के कारण रुक गई। इसके बाद दिल्ली कैपिटल्स ने चमिंडा वास को जिम्मेदारी सौंपने का फैसला किया।

दिल्ली कैपिटल्स ने अगले सीजन के लिए पूर्व भारतीय ऑलराउंडर युवराज सिंह को बैटिंग कोच नियुक्त किया है। पिछले दो सीजन के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद टीम अपने कोचिंग स्टाफ में बदलाव कर नई शुरुआत करना चाहती है। बॉलिंग और बैटिंग कोच तय होने के बाद अब दिल्ली कैपिटल्स नए हेड कोच की तलाश में जुटी है। फ्रेंचाइजी जल्द ही इस पद पर औपचारिक घोषणा कर सकती है। चमिंडा वास के अनुभव से टीम के तेज गेंदबाजों को फायदा मिलने की उम्मीद है।

वर्ल्ड नंबर-1 बनीं, सबालेंका लगातार तीसरा खिताब जीतने से चूकीं, हार के बाद रैकेट तोड़ा

रायबकिना ने पहली बार यूएस ओपन जीता

नई दिल्ली, एजेंसी

कजाकिस्तान की एलेना रायबकिना ने बेलारूस की आर्यना सबालेंका को हराकर पहली बार US ओपन खिताब जीत लिया। न्यूयॉर्क के आर्थर ऐश स्टेडियम में शनिवार रात खेले गए फाइनल में रायबकिना ने सबालेंका को 6-4, 5-7, 6-2 से हराया। इस जीत के साथ रायबकिना ने अपना तीसरा विमेंस सिंगल्स ग्रैंड स्लैम खिताब जीता और सोमवार को आधिकारिक तौर पर वर्ल्ड नंबर-1 बन जाएंगी। हार के बाद निराश सबालेंका ने अपना रैकेट तोड़ दिया।

दूसरे सेट में सबालेंका ने अपनी लय वापस हासिल की। उन्होंने रायबकिना पर लगातार दबाव बनाया और 5-5 के बाद ब्रेक हासिल कर सेट 7-5 से जीत लिया। इससे मुकाबला निर्णायक तीसरे सेट में पहुंच गया।

एलेना रायबकिना को पहले सेट में पहली सर्विस डालने में परेशानी हुई, लेकिन इसके अलावा उनका खेल अच्छी स्थिति में था।

एलेना रायबकिना को पहले सेट में पहली सर्विस डालने में परेशानी हुई, लेकिन इसके अलावा उनका खेल अच्छी स्थिति में था।

निर्णायक सेट में रायबकिना ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। उन्होंने 5-2 की बढ़त बना ली। इसके बाद मैच पॉइंट पर जीत कर मुकाबला अपने नाम कर लिया। फाइनल 2 घंटे 21 मिनट चला। रायबकिना ने इससे पहले 2022 में विंबलडन और 2026 में ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीता था। ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में भी उन्होंने सबालेंका को हराया था। US ओपन जीतने के बाद अब रायबकिना के पास करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने के लिए सिर्फ फ्रेंच ओपन का खिताब जीतना बाकी है। रायबकिना US ओपन से पहले चोट की समस्या से जूझ रही थीं। इसके बावजूद उन्होंने न्यू यॉर्क में शानदार प्रदर्शन किया और पहली बार टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचकर खिताब जीत लिया। रूस में जन्मी रायबकिना अब कजाकिस्तान का प्रतिनिधित्व करती हैं।

सबालेंका का लगातार तीसरा खिताब जीतने का सपना टूटा

रायबकिना की जीत से सबालेंका का लगातार तीसरी बार US ओपन चैंपियन बनने का सपना टूट गया। इसके साथ ही US ओपन में उनकी 19 मैचों की जीत का सिलसिला भी खत्म हो गया। सबालेंका पिछले 99 हफ्तों से दुनिया की नंबर-1 खिलाड़ी थीं।

> पहले सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला हुआ, लेकिन रायबकिना ने अहम मौकों पर बेहतर खेल दिखाया और सेट 6-4 से अपने नाम कर लिया। इस दौरान गुस्से में गेंद स्टैंड की ओर मारने पर सबालेंका को चेतावनी भी मिली।

मनोरंजन

तृषा कृष्णन सबके सामने आईं तो पीछे हटते दिखे, पत्नी ने वापस लिया है तलाक का केस

थलापति विजय ने सिल्वरस्टोन में अजीत कुमार की रेस देखी

नई दिल्ली। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और एक्टर थलापति विजय ने शनिवार को सिल्वरस्टोन में मिशेलिन ले मैन्स कप रेस की हरी झंडी दिखाकर ओपनिंग की। साउथ स्टार अजीत कुमार इस रेस में शामिल थे, जिन्होंने 38वां स्थान हासिल किया है। हालांकि इस रेस के दौरान थलापति विजय के साथ रूमर्ड गर्लफ्रेंड तृषा कृष्णन की मौजूदगी ने ध्यान खींच लिया है।

सोशल मीडिया पर रेस से जुड़े कई वीडियो सामने आ रहे हैं। कुछ में विजय, तृषा के साथ रेस एंजॉय करते दिखे, कुछ में एक्टर अजीत से रेस से पहले मुलाकात करते तो कभी रेस को हरी झंडी दिखाते।

थलापति विजय और तृषा कृष्णन लंबे समय से अफेयर रूमर्स के बीच चर्चा में हैं।

इसी बीच विजय की पत्नी ने फरवरी 2023 में विजय से तलाक की मांग करते हुए केस दर्ज करवाया था। PTI के मुताबिक, संगीता ने याचिका में कहा था कि उनके पति का एक एक्ट्रेस के साथ एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर हैं। उन्हें इस बारे में अप्रैल 2021 में पता चला। हालांकि, उन्होंने एक्ट्रेस का नाम नहीं लिया।

उन्होंने यह भी बताया था कि विजय ने उन्हें लगातार मानसिक प्रताड़ना दी। उपेक्षित किया और छोड़ दिया। जरूरत पड़ने पर वह उस अभिनेत्री को भी मामले में दूसरा पक्षकार बनाएंगी।

संगीता का कहना था कि उनका रिश्ता पूरी तरह टूट चुका है। विजय भावनात्मक रूप से उनसे दूर हो गए हैं। उनके साथ अपमानजनक व्यवहार करते थे। ऐसी परिस्थितियां पैदा कर दी थीं कि उन्हें एक ही घर में अलग रहना पड़ रहा था। इसलिए स्पेशल मैरिज एक्ट, 1954 के तहत तलाक दिया जाए।

सलमान के खिलाफ भाई अमाल के सपोर्ट में उतरे अरमान

फिल्म हीरो के गाने में क्रेडिट न दिए जाने पर विवाद

नई दिल्ली। कुछ दिनों पहले सिंगिंग से ब्रेक लेने वाले अरमान मलिक ने हाल ही में सलमान खान और उनके प्रोडक्शन के खिलाफ कई पोस्ट किए। उन्होंने दावा किया है कि उन्हें प्रोडक्शन की हालिया पोस्ट में फिल्म हीरो के गाने में क्रेडिट नहीं दिया गया। इसके बाद से ही उन्हें सोशल मीडिया पर ये कहते हुए ट्रोल किया जाने लगा कि जिन सलमान ने उन्हें करियर में सपोर्ट किया, वह उन्हीं सलमान की आलोचना कर रहे हैं। अब इस विवाद पर सिंगर अमाल मलिक भी भाई के सपोर्ट में उतरे हैं।

ऐसी ही एक पोस्ट के जवाब में अरमान ने लिखा, "कृपया पहले कोई ओरिजिनल गाना बनाइए, उसे लिखिए या गाइए। फिर देखिए कि जहां आपका नाम होना चाहिए, वहां उसे आसानी से छोड़ दिया जाए।" उन्होंने कहा, "मैं जानना चाहूंगा कि तब आपको कैसा लगेगा। कृतज्ञता की बात मत कीजिए। मैं अपनी शुरुआत के लिए हमेशा आभारी रहा हूं। लेकिन मैं यह भी जानता हूं कि जहां पहुंचा हूं, वहां तक पहुंचना कितना मुश्किल रहा है। अगर हम अपने हक के लिए नहीं लड़ेंगे, तो कोई और नहीं लड़ेगा।"

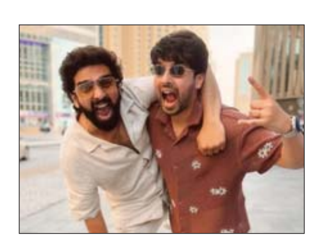

फिल्म 'टार्जन' में आएंगे नजर, सूरज पंचोली भी होंगे मूवी का हिस्सा

सलमान के बॉडीगार्ड शेरा के बेटे अबीर करेंगे बॉलीवुड डेब्यू

नई दिल्ली, एजेंसी

सलमान खान के लंबे समय से बॉडीगार्ड रहे गुरमीत सिंह जॉली उर्फ शेरा के बेटे अबीर सिंह जल्द बॉलीवुड में डेब्यू कर सकते हैं। फिल्मफेयर की रिपोर्ट के मुताबिक, अबीर फिल्म 'टार्जन' से एक्टिंग डेब्यू करेंगे। फिल्म में सूरज पंचोली भी नजर आएंगे।

अबीर के डेब्यू को लेकर 2022 से रिपोर्ट्स सामने आती रही हैं। उस समय दावा किया गया था कि सलमान खान उनके डेब्यू प्रोजेक्ट की तैयारी में व्यक्तिगत रूप से शामिल हैं। यह फिल्म अभिनेता-फिल्ममेकर सतीश कौशिक के निर्देशन में बनने की बात कही गई थी और जनवरी 2023 में शूटिंग शुरू होने की रिपोर्ट थी। हालांकि, इस प्रोजेक्ट की कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई। मार्च 2023 में सतीश कौशिक के निधन के बाद अबीर के डेब्यू को लेकर आगे कोई जानकारी सामने नहीं आई। अब नई रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अबीर को 'टार्जन' मिल गई है। फिल्म के डायरेक्टर, प्रोडक्शन बैनर और बाकी कास्ट की जानकारी फिलहाल सामने नहीं आई है। जिससे अभी यह नहीं पता चल रहा है कि अबीर सिंह को सलमान खान लॉन्च करेंगे या नहीं।

वहीं, उनके प्रोडक्शन बैनर सलमान खान फिल्म्स (SKF) से सूरज पंचोली और अथिया शेट्टी ने 2015 की फिल्म 'हीरो' से बॉलीवुड डेब्यू किया था। इसके बाद 2018 में 'लवयात्री' से वारिना हुसैन ने बतौर लीड एक्ट्रेस डेब्यू किया। फिल्म में सलमान के जीजा आयुष शर्मा भी लॉन्च हुए थे।

'टार्जन' में सूरज पंचोली भी

रिपोर्ट के मुताबिक, 'टार्जन' में अबीर के साथ सूरज पंचोली भी होंगे। सूरज ने 2015 में रिलीज हुई रोमांटिक एक्शन फिल्म 'हीरो' से बॉलीवुड डेब्यू किया था। इस फिल्म को सलमान खान ने प्रोड्यूस किया था। फिल्म में सुनील शेट्टी की बेटी अथिया शेट्टी ने भी बतौर लीड एक्ट्रेस डेब्यू किया था। 'हीरो' के बाद सूरज और अथिया को इंडस्ट्री में पहचान मिली, हालांकि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर खास प्रदर्शन नहीं कर सकी। अगर 'टार्जन' को लेकर सामने आई रिपोर्ट सही है, तो सूरज अब एक और ऐसे नए कलाकार के साथ स्क्रीन शेयर करेंगे, जिसको सलमान खान ने लॉन्च किया था।

अबीर के पिता गुरमीत सिंह जॉली उर्फ शेरा पिछले 30 साल से भी अधिक समय से सलमान खान के बॉडीगार्ड हैं।

> सलमान खान ने अपनी फिल्मों और प्रोडक्शन हाउस के जरिए कई नए चेहरों को बॉलीवुड में मौका दिया है। सोनाक्षी सिन्हा ने उनके साथ 'दबंग' से बॉलीवुड डेब्यू किया था, जबकि जरीन खान को 'वीर' में प्रेजेंट किया गया था। डेजी शाह ने 'जय हो' से बतौर लीड एक्ट्रेस डेब्यू किया और सई मांजरेकर ने 'दबंग 3' से हिंदी फिल्मों में कदम रखा।

सीआईए के खुफिया दस्तावेज में खुलासा, 9/11 से पहले कई देशों पर हमले की तैयारी थी

आतंकी लादेन की हिट लिस्ट में भारत भी था

साजिश

वॉशिंगटन, एजेंसी

आतंकी संगठन अल-कायदा का सरगना ओसामा बिन लादेन 9/11 हमले से पहले भारत को भी निशाना बनाना चाहता था। अमेरिकी खुफिया एजेंसी CIA के हाल ही में जारी दस्तावेज से इसका पता चला है।

28 अगस्त 1998 की इस रिपोर्ट में बिन लादेन की भारत समेत कई देशों में हमले की योजना का जिक्र है। हालांकि, इसमें भारत में किसी खास जगह या हमले की तारीख के बारे में जानकारी नहीं दी गई है।

CIA ने 9/11 हमले की 25वीं बरसी के मौके पर शुक्रवार को बिन लादेन से जुड़ी 70 से ज्यादा खुफिया रिपोर्ट सार्वजनिक की हैं। इनमें 100 से ज्यादा पन्नों की जानकारी है।

1998 से 2001 तक अमेरिका को मिलती रही चेतावनी

CIA ने 1998 से 2001 के बीच अमेरिकी राष्ट्रपतियों को बिन लादेन और अल-कायदा के खतरे को लेकर कई बार जानकारी दी थी। जारी दस्तावेजों में तत्कालीन राष्ट्रपति बिल क्लिंटन के कार्यकाल से लेकर जॉर्ज डब्ल्यू. बुश के शुरुआती कार्यकाल तक की रिपोर्ट शामिल हैं। इन रिपोर्टों से पता चलता है कि 9/11 हमले से पहले ही अमेरिकी खुफिया एजेंसी को बिन लादेन और अल-कायदा के संभावित हमलों का खतरा पता था।

CIA की रिपोर्ट के मुताबिक, ओसामा बिन लादेन भारत समेत 8 देशों में हमले करना चाहता था। इनमें पाकिस्तान, मिस्र, कुवैत, सऊदी अरब, यमन और युगांडा के नाम शामिल हैं। नाइजीरिया काा भी संभावित निशाने के तौर पर जिक्र किया गया है।

हालांकि, दस्तावेज में भारत में हमले की साजिश की ज्यादा जानकारी नहीं है। जैसे- न किसी शहर या इमारत का नाम दिया गया है और न ही हमले की तारीख या किसी खास योजना का जिक्र है। इस रिपोर्ट का टाइटल 'बिन लादेन का आतंकी नेटवर्क अब भी खतरा' था। दस्तावेज के कुछ हिस्से सार्वजनिक नहीं किए गए हैं और खुफिया जानकारी कहां से मिली, यह भी नहीं बताया गया है। 11 सितंबर 2001 के आतंकी हमले में करीब 3 हजार लोगों की मौत हुई थी। अल-कायदा के 19 आतंकियों ने चार यात्री विमानों को हाईजैक किया था।

60 देशों में फैला था लादेन का नेटवर्क

रिपोर्ट के मुताबिक, बिन लादेन कम से कम 60 देशों में मौजूद अपने लोगों और दूसरे आतंकी संगठनों की मदद से हमले करा सकता था। CIA के मुताबिक, अफगानिस्तान में अमेरिकी हमलों के बावजूद बिन लादेन और उसके साथियों का आपसी संपर्क बना हुआ था। अल-कायदा ने कुछ ट्रेनिंग कैंप फिर से शुरू कर दिए थे, जबकि कुछ कैंपों को दूसरी जगह ले जाया जा रहा था।

> 9/11 के बाद दुनिया भर में हवाई सुरक्षा और आतंकवाद के खिलाफ नीतियों में बड़े बदलाव हुए। इस हमले को आधुनिक इतिहास के सबसे बड़े आतंकी हमलों में गिना जाता है।

अलकायदा के आतंकियों ने 11 सितंबर 2001 को न्यूयॉर्क के ट्विन टॉवर्स पर हाईजैक प्लेन से हमला किया था।

नामी यूनिवर्सिटी को टक्कर दे रहे अमेरिका के आम कॉलेज

छोटे संस्थानों से पढ़कर भी 95 लाख तक कमा रहे छात्र

वाशिंगटन, एजेंसी

अक्सर युवाओं और उनके माता-पिता को लगता है कि एक शानदार करियर और भारी-भरकम सैलरी के लिए हार्वर्ड, प्रिंसटन या एमआईटी जैसे किसी बड़े और नामी कॉलेज से पढ़ाई करना बेहद जरूरी है।

अमेरिका की फोर्ब्स टॉप-500 कॉलेज रैंकिंग की हालिया रिपोर्ट ने इस सोच को पूरी तरह से बदल दिया है। इस रिपोर्ट के आंकड़े बताते हैं कि अच्छी कमाई के लिए आपके कॉलेज का मशहूर होना कोई शर्त नहीं है। रैंकिंग के आंकड़े बताते हैं कि टॉप-500 लिस्ट में सबसे निचले पायदान पर मौजूद कॉलेजों के छात्र भी पढ़ाई पूरी करने के 10 साल बाद हर साल औसतन 95 लाख रुपये से ज्यादा की कमाई कर रहे हैं। एमआईटी और हार्वर्ड जैसे दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित संस्थानों से पढ़ने वाले छात्र 10 साल बाद सालाना औसतन 1.15 करोड़ रुपये कमा रहे हैं। वहीं, इस लिस्ट में

500वें नंबर पर ओहायो के एक ग्रामीण क्षेत्र में स्थित मेरिएटा कॉलेज है। हैरानी की बात यह है कि यहां के पूर्व छात्र भी 10 साल के अनुभव के बाद सालाना करीब 1 करोड़ रुपये कमा रहे हैं। कुल मिलाकर, इस लिस्ट में शामिल लगभग हर कॉलेज के ग्रेजुएट्स की सालाना औसत कमाई 86 लाख रुपये से ऊपर है, जो यह साबित करता है कि कम मशहूर कॉलेज भी बेहतरीन करियर की नींव रख सकते हैं। हालांकि यह रिपोर्ट छोटे कॉलेजों की सफलता को दर्शाती है, लेकिन इसमें यह भी सलाह दी गई है कि किसी भी कॉलेज को चुनते समय सिर्फ पैकेज को आधार नहीं बनाना चाहिए।

फास्ट न्यूज

होर्मुज के पास ईरान के कमर्शियल जहाज पर हमला

तेहरान। पश्चिम एशिया में जारी भीषण संघर्ष के बीच अब एक बड़ी खबर सामने आ रही है। दक्षिणी ईरान के तट के पास एक ईरानी कमर्शियल जहाज पर हमला हुआ है। इस हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई है, जबकि तीन अन्य लोग घायल बताए जा रहे हैं। ईरानी सरकारी मीडिया ने केश्म काउंटी के गवर्नर के हवाले से इस घटना की पुष्टि की है।

टर्किश एयरलाइंस की फ्लाइट में भयानक टर्बुलेंस

अंकारा। इस्तांबुल से आ रही टर्किश एयरलाइंस की एक फ्लाइट के यात्रियों की उस समय सांसें अटक गईं, जब एक भयानक तूफान के कारण विमान को तीन बार लैंडिंग टालनी पड़ी। विमान में सवार डरे-सहमे यात्रियों को लगा जैसे वे आसमान से मौत के मुंह में गिर रहे हैं। विमान के केबिन के अंदर का एक रोंगटे खड़े कर देने वाला वीडियो सामने आया है। इसमें देखा जा सकता है कि ट्यूनिस-कार्थेज एयरपोर्ट के चक्कर लगाते समय विमान अचानक हवा में हिचकोले खाने लगता है।

'गाड़ी खाई की तरफ जा रही, अब ब्रेक लगाने की जरूरत'

वॉशिंगटन। अमेरिकी सांसद बर्नी सैंडर्स ने रविवार को कहा कि डारियो अमोदेई, सैम ऑल्टमैन और एलन मस्क की एआई डेवलपमेंट की रफ्तार धीमी करने की अपील एक शुरुआत है। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग से आग्रह किया कि वे आने वाले समिट में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर रोक लगाने के लिए किसी समझौते पर बातचीत करें।

बैंकों में इस हफ्ते चार दिन छुट्टी गणेश चतुर्थी पर कई शहरों में छुट्टी

ब्रांच जाने से पहले चेक करें आरबीआई की लिस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

अगर इस हफ्ते आपको बैंक जाकर कोई जरूरी काम निपटाना है, तो घर से निकलने से पहले छुट्टियों की लिस्ट जरूर चेक कर लें। 14 सितंबर से 20 सितंबर के बीच देश के अलग-अलग शहरों में बैंक 4 दिन बंद रहेंगे।

हालांकि, ये सभी छुट्टियां पूरे देश में एक साथ लागू नहीं होंगी, बल्कि कई जगहों पर क्षेत्रीय त्योहारों के हिसाब से बैंक बंद रहेंगे।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (RBI) की छुट्टी की ऑफिशियल लिस्ट के अनुसार, इस दौरान स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, HDFC बैंक, ICICI बैंक और पंजाब नेशनल बैंक सहित सभी सरकारी और प्राइवेट बैंकों की शाखाओं में कामकाज प्रभावित रहेगा। बैंक शाखाएं बंद होने पर कैश डिपॉजिट, चेक क्लियरेंस और पासबुक अपडेट जैसी इन-पर्सन

सेवाएं शाखाओं में उपलब्ध नहीं होंगी। हालांकि, सभी डिजिटल बैंकिंग सेवाएं सामान्य रूप से चालू रहेंगी। यूजर इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग एप, UPI और ATM के जरिए पैसों का लेनदेन कर सकते हैं।

रिजनल त्योहारों और राष्ट्रीय दिवसों जैसे गणतंत्र दिवस या गांधी जयंती के आधार पर अलग-अलग राज्यों में छुट्टियां भिन्न होती हैं।

इससे पहले 11 सितंबर को यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस के ऐलान पर देशव्यापी हड़ताल के कारण मुख्य रूप से सार्वजनिक क्षेत्र (सरकारी) के बैंकों का कामकाज प्रभावित हुआ था।

ब्रिक्स डिनर में 'ख्वाब हो तुम या' गुनगुनाया, वीडियो शेयर कर लिखा- गुरु, इजाजत है

मलेशियाई पीएम ने किशोर कुमार का गाना गाया

नई दिल्ली, एजेंसी

मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने शनिवार को नई दिल्ली में किशोर कुमार का मशहूर गाना 'ख्वाब हो तुम या कोई हकीकत...' गाया। इब्राहिम BRICS समिट के डिनर में पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने मुकेश का गीत दोस्त दोस्त ना रहा... भी गुनगुनाया।

अनवर ने इसका वीडियो अपने सोशल मीडिया X के अकाउंट पर शेयर किया है।उन्होंने लिखा- गुरु, थोड़ा सा गाने की इजाजत है? वीडियो करीब डेढ़ मिनट का है।

विदेश मंत्रालय के अनुसार मलेशिया में करीब 27.5 लाख भारतीय मूल के लोग हैं, जो देश की आबादी का लगभग 9% हैं। इनमें

करीब 20 लाख लोग तमिल बोलते हैं। यहां बॉलीवुड और तमिल मूवी काफी देखी जाती हैं। शाहरुख खान की 'दिलवाले' ने मलेशिया में करीब 29 करोड़ रुपए की कमाई की थी। वहीं 'जवान' ने करीब 22 करोड़ और 'पठान' ने करीब 9 करोड़ रुपए का कारोबार किया था।

तमिल फिल्मों का भी यहां बड़ा बाजार है। 2025 में रिलीज हुई रजनीकांत की 'कुली' ने मलेशिया में करीब 26-27 करोड़, जबकि अजित कुमार की ' गुड बैड अग्ली' ने करीब 22 करोड़ का कारोबार किया था। 2026 की सूर्या स्टारर ' करुप्पु' भी करीब 22 करोड़ के कलेक्शन के साथ मलेशिया की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्मों में शामिल है। वहीं, विजय की 'गोट' ने करीब 32 करोड़ और शिवकार्तिकेयन की 'अमरन' ने करीब 26 करोड़ का कारोबार किया था। अनवर इब्राहिम मलेशिया के 10वें प्रधानमंत्री हैं। उन्होंने 24 नवंबर 2022 को पदभार ग्रहण किया था।

मलेशियाई पीएम ने तीन देवियां और संगम फिल्म के गाने गाए

मलेशियाई PM ने जो गाया ख्वाब हो तुम या कोई हकीकत... गाना गया, वह 1965 की फिल्म 'तीन देवियां' का है। इसे किशोर कुमार ने गाया था। संगीत एसडी बर्मन ने दिया था। गीत के बोल मजरूह सुल्तानपुरी ने लिखे थे। वहीं, दोस्त दोस्त ना रहा... गाना 'संगम' फिल्म का है। इसे मुकेश ने गाया है और इसका संगीत शंकर-जयकिशन ने दिया था। गीत के बोल शैलेंद्र ने लिखे थे।

अनवर किशोर कुमार के फैन हैं, पहले भी यह गाना गुनगुना चुके

मलेशिया के पीएम पहले भी किशोर कुमार के फैन होने की बात कह चुके हैं। उन्होंने 2024 में भारत में एक इंटरव्यू के दौरान भी यही गीत गुनगुनाया था। इसके अलावा, फरवरी 2026 में पीएम मोदी की मलेशिया यात्रा के दौरान उन्होंने एक आधिकारिक वीडियो मोंटाज साझा किया था। इसमें 'कभी खुशी कभी गम' का लोकप्रिय गाना 'बोले चूड़ियां' इस्तेमाल किया गया था।

इंडोनेशिया में 243 यात्रियों वाला जहाज डूबा

102 लोगों को बचाया गया, एक की मौत, 140 की तलाश जारी

नई दिल्ली, एजेंसी

इंडोनेशिया में 243 लोगों को लेकर जा रहा एक यात्री जहाज रविवार को डूब गया। इसमें 1 की मौत हुई है।

हादसे के बाद करीब 140 यात्री और क्रू मेंबर लापता बताए जा रहे हैं। रेस्क्यू टीम ने अलग-अलग जहाजों की मदद से 102 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया है, जबकि एक व्यक्ति का शव बरामद किया गया है।

विर्गो ट्रांसपोर्ट 8 नाम का यह जहाज पूर्वी जावा के सुराबाया से बोर्नियो द्वीप के बंजारमासिन जा रहा था। अधिकारियों ने सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। रेस्क्यू टीम ने जहाज की आखिरी लोकेशन की ओर कई जहाज और एक हेलिकॉप्टर भेजा है।

इंडोनेशिया में जहाज डूबने के कई बड़े हादसे हो चुके हैं। 1981 में तंपोमास-2 नाम का यात्री जहाज जावा सागर में डूब गया था। इसमें करीब 430 लोगों की मौत हुई थी।

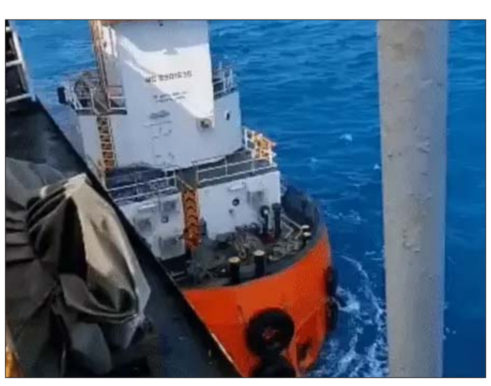

फेरी विर्गो ट्रांसपोर्ट 8 खराब मौसम के बीच जावा सागर में डूब गई। इंडोनेशिया के रेस्क्यू टीमें जावा सागर में सर्च ऑपरेशन चला रही हैं।

2006 में सेनोपाती नुसंतारा नाम की यात्री फेरी खराब मौसम के दौरान जावा सागर में डूब गई थी। हादसे में 400 से ज्यादा लोग मारे गए या लापता हुए थे।

2007 में लेविना-1 फेरी में आग लगने के बाद डूब गई थी, जिसमें 50 से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी। 2018 में लेस्तारी माजू फेरी दक्षिण सुलावेसी के पास डूब गई थी। इसमें 36 लोगों की जान गई थी।

इंडोनेशिया में 17 हजार से ज्यादा द्वीप हैं और करीब 28 करोड़ की आबादी का बड़ा हिस्सा अलग-अलग द्वीपों पर रहता है। कई शहरों और द्वीपों के बीच आने-जाने के लिए फेरी और यात्री जहाज अहम साधन हैं। बड़ी संख्या में लोग रोजाना इनसे सफर करते हैं। उष्णकटिबंधीय क्षेत्र में होने के कारण यहां तेज बारिश, आंधी और ऊंची समुद्री लहरों का खतरा रहता है।

फिलीपींस में फेरी में आग लगने से 76 मौतें

इससे पहले बुधवार रात फिलीपींस में एक यात्री फेरी में भीषण आग लग गई थी। इस हादसे में अब तक 76 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 13 लोग लापता हैं। फेरी में कुल 132 लोग सवार थे और 43 लोगों को बचा लिया गया।

फेरी राजधानी मनीला से कोरोन जा रही थी और मंजिल से करीब 39 किलोमीटर पहले आग की चपेट में आ गई। फिलीपींस में भी इंडोनेशिया की तरह द्वीपों के बीच आने-जाने के लिए फेरी अहम साधन हैं।

तस्वीर फिलीपींस में बुधवार को फेरी में आग लगने के बाद की है।

> बंजारमासिन स्थित सर्च एंड रेस्क्यू ऑफिस के मुताबिक, जहाज में सफर के दौरान कम्युनिकेशन फेलियर हुआ था। इसके बाद उससे संपर्क नहीं हो सका। जहाज की आखिरी लोकेशन जावा सागर में बंजारमासिन के एक पियर से करीब 148 किलोमीटर दूर मिली है।

अटल पेंशन योजना से 210 में हर महीने 5000 मिलेंगे

ये स्कीम आपके रिटायरमेंट को देगी वित्तीय सुरक्षा

नई दिल्ली, एजेंसी

अटल पेंशन योजना के जरिए आप अपने लिए पेंशन का इंतजाम कर सकते हैं। अटल पेंशन योजना के तहत 60 साल का होने पर हर महीने 1,000 से लेकर 5,000 रुपए की पेंशन मिलती है।

इस योजना के जरिए आप अपने बुढ़ापे को आर्थिक सुरक्षा दे सकते हैं। अटल पेंशन योजना के तहत 60 साल का होने पर हर महीने 1000 से लेकर 5000 रुपए की पेंशन मिलती है। इसमें 18 साल से 40 साल तक का व्यक्ति इसमें निवेश कर सकता है। कोई शख्स इस स्कीम को लेता है तो उसे कम से कम 20 साल निवेश करना होगा।

इस योजना में निवेश के लिए आपके अमाउंट से कितना कटेगा यह इस बात पर निर्भर करेगा कि आप रिटायरमेंट के बाद कितनी पेंशन चाहते हैं। 1 से 5 हजार रुपए

प्रतिमाह पेंशन लेने के लिए सब्स्क्राइबर को 42 से लेकर 210 रुपए प्रतिमाह तक भुगतान करना होगा। यह 18 साल की उम्र में स्कीम लेने पर होगा।

वहीं, यदि कोई सब्स्क्राइबर 40 साल की उम्र में स्कीम लेता है तो उसे 291 से लेकर 1,454 रुपए प्रतिमाह तक का कॉन्ट्रीब्यूशन करना होगा। सब्स्क्राइबर जितना ज्यादा कॉन्ट्रीब्यूशन करेगा, उसे रिटायरमेंट के बाद उतनी ही ज्यादा पेंशन मिलेगी। इस योजना के तहत इन्वेस्टर्स मंथली, क्वाटरली या सेमी-एनुअल यानी 6 माह की अवधि में निवेश कर सकते हैं।

घटना : शादी से इनकार करने पर 16 साल छोटे लड़के ने गोली मारी, सुसाइड किया

अमेरिका के कैलिफोर्निया में भारतीय महिला की हत्या

कैलिफोर्निया, एजेंसी

अमेरिका के कैलिफोर्निया में भारतीय मूल की 38 साल की शालिनी ठाकुर की गोली मारकर हत्या कर दी गई। आरोपी ने मंगलवार को सैक्रामेंटो में एक रेस्टोरेंट के बाहर शालिनी का पीछा किया और फिर उसे गोली मार दी।

आरोपी की पहचान 22 साल के रोहित के रूप में हुई। पुलिस ने उसे घेर लिया था। इसी दौरान रोहित ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली।

शालिनी की मां सुदेश कुमारी के मुताबिक, रोहित करीब एक साल से उनकी बेटी का पीछा कर रहा था और उसे परेशान करता था।

वह शालिनी से शादी करना चाहता था, लेकिन शालिनी ने उम्र में काफी अंतर होने की वजह से शादी से इनकार कर दिया था। इसके बाद रोहित नाराज हो गया था।

स्थानीय रिपोर्टों के मुताबिक, रोहित जनवरी 2026 से शालिनी का पीछा कर रहा था। कई बार वह मदद करने के बहाने शालिनी की कार के टायरों की हवा निकाल देता था। वह काम पर जाते समय उसका पीछा करता था।

भागकर जान बचाने की कोशिश की, लेकिन नाकाम रही

पुलिस के मुताबिक, शालिनी आर्डन आर्केड इलाके के एक शॉपिंग प्लाजा में काम करती थी। काम पर जाते समय रोहित ने उसका पीछा किया। उसने शालिनी को एक रेस्टोरेंट के बाहर रोक लिया। शालिनी जान बचाने के लिए वहां से भागी, लेकिन रोहित ने उसका पीछा किया और उस पर कई गोलियां चला दीं। लोगों ने पुलिस को रोहित की गाड़ी के बारे में जानकारी दी। पुलिस ने कुछ ही देर में गाड़ी की लोकेशन पता कर ली। गाड़ी ईस्टबाउंड हाईवे 50 पर मिली। पुलिस ने उसे रोकने की कोशिश की तो रोहित ने अचानक गाड़ी रोक दी।

पुलिस जब गाड़ी के पास पहुंची तो रोहित ड्राइवर सीट पर खून से लथपथ पड़ा था। उसने खुद को गोली मार ली थी।

एक बार उसने शालिनी के अपार्टमेंट की चाबी की कॉपी हासिल कर ली थी। इसके बाद वह हर कभी उसके घर में घुस जाता था। शालिनी ने मई में रोहित के खिलाफ मामला दर्ज कराया था। कोर्ट ने रोहित को चेतावनी भी दी थी। इसके बावजूद, उसने शालिनी का पीछा नहीं छोड़ा था।

शालिनी की हत्या का आरोपी रोहित।

अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग के प्रवक्ता के अनुसार, रोहित बिना वैध दस्तावेजों के अमेरिका में रह रहा था। प्रवक्ता ने बताया कि 2023 में एरिजोना के रास्ते अमेरिका में दाखिल होने के बाद उसे अमेरिकी सीमा गश्ती दल ने गिरफ्तार किया था।

इसके बाद बाइडन प्रशासन के दौरान उसे रिहा कर दिया गया था। हालांकि, उसके इमिग्रेशन से जुड़ी सटीक जानकारी साफ नहीं हो पाई है।

टेस्ला की सेकेंड जनरेशन रोडस्टर 1 अक्टूबर को आएगी

मस्क बोले- गो फॉर लॉन्च कार में थ्रस्टर्स मिल सकते हैं

नई दिल्ली, एजेंसी

इलेक्ट्रिक व्हीकल कंपनी टेस्ला अपनी सेकेंड जनरेशन 'रोडस्टर' स्पोर्ट्स कार 1 अक्टूबर को लाएगी। कंपनी ने X पर ₹गो फॉर लॉन्च₹ लिखकर एक पोस्ट शेयर किया है। इस पोस्ट में 10.01 की तारीख लिखी है। इस कार में कोल्ड गैस थ्रस्टर्स दिए जा सकते हैं, जिनकी मदद से यह कार शायद हवा में थोड़ा उड़ भी सकेगी। उड़ने का मतलब यह नहीं कि कार आसमान में प्लेन की तरह यहां-वहां घूम पाए। यह सिर्फ परफॉर्मेंस बूस्ट और शॉर्ट-टर्म लिफ्ट के लिए हो सकता है। टेस्ला ने अपनी 2nd जनरेशन रोडस्टर कार को सबसे पहले नवंबर 2017 में दिखाया था। हालांकि, इसके बाद कई बार इसकी प्रोडक्शन और लॉन्च डेट को आगे बढ़ाया।

पहले माना जा रहा था कि कार 2020 तक सड़कों पर होगी, लेकिन

डिजाइन और मैन्युफैक्चरिंग से जुड़ी दिक्कतों के कारण इसमें करीब 8 साल की देरी हो चुकी है।

हाल ही में आई टेक वेबसाइट 'द इंफॉर्मेशन' की रिपोर्ट के मुताबिक, टेस्ला ने 2017 में पेश किए गए रोडस्टर के पुराने डिजाइन को पूरी तरह से बदल दिया है। 1 अक्टूबर को पेश होने जा रही कार बिल्कुल नए और अपग्रेडेड डिजाइन के साथ आएगी। कंपनी ने कार के फीचर्स को अभी तक सीक्रेट रखा है। कार की लॉन्चिंग में देरी को लेकर बीते साल इलॉन मस्क और ओपनएआई के सीईओ सैम आल्टमैन के बीच सोशल मीडिया पर बहस भी हुई थी।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676